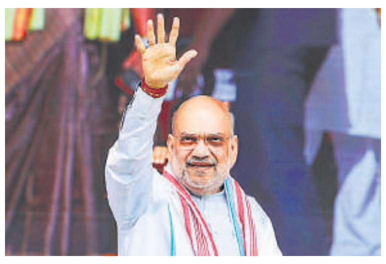

■ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बोले- बंगाल में भाजपा का सत्ता में आना तय घुसपैठियों को वापस भेजेंगे - 7

■ शेयर बाजार में चौथे दिन भी तेजी सेंसेक्स 510 अंक चढ़ा, निफ्टी हुआ 23 हजारी - 10

■ मणिपुर में सीआरपीएफ शिविर पर भीड़ का हमला, गोलीबारी में दो लोगों की मौत - 11

■ दिल्ली कैपिटल्स की नजर जीत की हैट्रिक पर - 12

आज का मौसम
29.0° अधिकतम तापमान
18.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.53
सूर्यास्त 06.29

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

बैशाख कृष्ण पक्ष षष्ठी 07:01 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 8 अप्रैल 2026, वर्ष 36, अंक 60, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

अल फलाह के चेयरमैन की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने अल फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी और उनके धर्मार्थ ट्रस्ट के खिलाफ धनशोधन जांच के तहत दिल्ली के जामिया नगर में एक मकान, फरीदाबाद में खेती की जमीन और कई बैंक खातों में जमा राशि कुर्क की है, जिनकी कुल कीमत 39 करोड़ रुपये से ज्यादा है। सिद्दीकी (61) अभी जेल में बंद हैं।

पवन खेड़ा के घर पर असम पुलिस का छापा

नई दिल्ली। असम पुलिस मंगलवार को दिल्ली में कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के आवास पर उनसे पूछताछ के लिए पहुंची और तलाशी ली। यह कार्रवाई मुख्यमंत्री हिमंत शर्मा की पत्नी पत्नी रिनिकी भुइयां द्वारा खेड़ा के आरोपों के खिलाफ दर्ज कराई गई शिकायत पर की गई। खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी पर तीन पासपोर्ट और अघोषित संपत्ति रखने का आरोप लगाया था।

एयर इंडिया उड़ानों पर ईंधन अधिभार लगाएगा

मुंबई। एयर इंडिया समूह 8 अप्रैल से घरेलू उड़ानों के लिए 299 रुपये से 899 रुपये तक और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए 24 डॉलर से 280 डॉलर तक का ईंधन अधिभार लगाने जा रही है। हालांकि, कुछ मार्गों पर ईंधन अधिभार नहीं लगाया जाएगा। यह अधिभार अनुषंगी कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित उड़ानों पर भी लागू होगा।

ईरान ने समझौता नहीं किया तो आज रात पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी : ट्रंप

ईरान का पलटवार-अमेरिका से बातचीत बंद की, राजनयिक संबंध तोड़ने का एलान

वाशिंगटन/तेहरान, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान उनकी ओर से दी गई मंगलवार की नवीनतम समय-सीमा तक होर्मुज को फिर से खोलने समेत समझौते पर सहमत नहीं होता है, तो मंगलवार रात (भारतीय समयानुसार बुधवार सुबह) एक पूरी सभ्यता का अंत हो जाएगा। ट्रंप की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब ईरान में हवाई हमलों में खर्ग द्वीप के अलावा दो पुल और एक रेलवे स्टेशन को निशाना बनाया गया। इस बीच, ईरान ने पलटवार करते हुए अमेरिका से बातचीत बंद कर दी और राजनयिक संबंध तोड़ने का एलान किया। साथ ही कहा कि अगर हमला हुआ तो ऐसा कड़ा जवाब देंगे, जिसे भूल नहीं पाओगे। ईरान ने ईरानी अधिकारियों ने युवाओं से बिजली संयंत्रों की रक्षा के लिए उनके चारों ओर मानव श्रृंखला बनाने की अपील की है।

ट्रंप ने पहले भी समयसीमा बढ़ाई थी, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन में मंगलवार रात आठ बजे तक की समयसीमा अंतिम है। इसी के साथ दोनों पक्षों की ओर से बयानबाजी चरम पर पहुंच गई, जिससे ईरानी नागरिकों की चिंता बढ़ गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने धमकी दी है कि यदि ईरान होर्मुज को पूरी तरह से नहीं खोलता, तो उसके सभी बिजली संयंत्रों और पुलों को नष्ट कर दिया जाएगा। इस जलडमरूमध्य के रास्ते शांति काल में दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल का परिवहन होता है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने मंगलवार को कहा कि उनके समेत 1.4 करोड़ ईरानी स्वयंसेवक युद्ध में अपनी जान देने के लिए तैयार हैं। वहीं, इजराइल ने ईरान की अर्थव्यवस्था को झटका देने के उद्देश्य से किए जा रहे हमलों की संख्या में लगातार वृद्धि की है। जिसमें 18 की मौत हो गई। ईरान ने भी इजराइल व सऊदी अरब पर मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं, जिसमें एक प्रमुख पुल को अस्थायी रूप से बंद करना पड़ा। ईरान हालांकि, उन्नत अमेरिकी हथियारों का मुकाबला नहीं कर सकता, लेकिन होर्मुज पर उसकी पकड़ विश्व अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान पहुंचा रही है, जिससे ट्रंप पर देश और विदेश दोनों जगह से इस गतिरोध से बाहर निकलने का रास्ता खोजने का दबाव बढ़ रहा है। वहीं ,पोप ने ट्रंप की धमकी को अस्वीकार बताया।

अपने ऊर्जा ठिकानों के बचाव को लेकर ईरान के लोगों ने मानव श्रृंखला बनाई।

- ईरानी राष्ट्रपति बोले- मेरे समेत 1.4 करोड़ ईरानी युद्ध में अपनी जान देने के लिए तैयार
- संयंत्रों की रक्षा के लिए चारों ओर मानव श्रृंखला बनाने की अपील, पोप बोले- ट्रंप की धमकी अस्वीकार
- ईरान के खर्ग द्वीप सहित कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों पर हमले, 18 की मौत

ईरान में अपने नागरिकों से भारत ने कहा- जहां हैं, वहीं रहें...48 घंटे संवेदनशील

नई दिल्ली। वाशिंगटन द्वारा तेहरान को दी गई चेतावनी के बाद पश्चिम एशिया संकट के एक गंभीर मोड़ पर पहुंचने के बीच भारत ने मंगलवार को ईरान में मौजूद अपने नागरिकों को अगले 48 घंटों तक जहां हैं, वहीं रहने की सलाह दी। आपातकालीन परामर्श में, ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने भारतीयों से घर के भीतर रहने तथा सैन्य ठिकानों, ऊर्जा ढांचों और बहुमंजिला इमारतों की ऊपरी मंजिलों से पूरी तरह दूर रहने का आग्रह किया।

होर्मुज खोलने के यूएन प्रस्ताव को झटका, रूस चीन ने वीटो लगाया

संयुक्त राष्ट्र। रूस और चीन ने मंगलवार को सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव को वीटो कर दिया, जिसका उद्देश्य होर्मुज को फिर से खोलना था और जिसमें बार-बार संशोधन किया गया था। संशोधन इस उम्मीद से किया गया था कि ये दोनों देश इस पर मतदान से दूर रहेंगे। 15 सदस्यीय यूएनएसएससी में बहरीन की ओर से लाए गए प्रस्ताव के पक्ष में 11 वोट और विरोध में दो वोट पड़े। वहीं, दो सदस्यों ने मतदान से दूरी बनाई। (विस्तृत देश विदेश पर)

शिक्षामित्रों को 18, अनुदेशकों को 17 हजार रुपये मानदेय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मंत्रिपरिषद से 22 प्रस्तावों को मंजूरी, 25 लाख युवाओं को मिलेंगे टैबलेट-स्मार्टफोन
- शिक्षामित्रों को लेकर सीएम की घोषणा पर मुहर, 1475.27 करोड़ का अतिरिक्त बोझ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में 22 प्रस्तावों को मंजूरी देते हुए शिक्षामित्रों और अंशकालिक अनुदेशकों के मानदेय में 80 फीसदी की ऐतिहासिक बढ़ोतरी की गई। साथ ही चार हजार करोड़ रुपये से 25 लाख उच्चशिक्षा के विद्यार्थियों को बांटने के लिए टैबलेट और स्मार्टफोन खरीद की स्वीकृति दी गई।

मंत्रिपरिषद की बैठक में शिक्षा के अलावा उद्योग, इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन, शहरी विकास और स्वास्थ्य से जुड़े कई अहम प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई, जिससे विकास परियोजनाओं को गति मिलने की उम्मीद है। बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि प्रदेश में 1,42,929 शिक्षामित्र कार्यरत हैं, जिनमें से 1,29,332 का मानदेय समग्र शिक्षा अभियान के तहत केंद्र व राज्य के 60-40 फीसदी के साझा अंश से दिया जाता है। यदि केंद्रांश स्वीकृत नहीं होता है तो राज्य सरकार अतिरिक्त भार वहन करेगी। वहीं, 24,717 अंशकालिक अनुदेशकों को भी इस फैसले से बड़ी राहत मिली है। अब शिक्षामित्रों को 10,000 की जगह 18,000 और अंशकालिक अनुदेशकों को 9,000 के स्थान पर 17,000 प्रतिमाह मानदेय मिलेगा। यह वृद्धि 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगी और मई माह के भुगतान में शामिल की जाएगी। इस फैसले से प्रदेश के 1.6 लाख से अधिक शिक्षा कर्मियों को सीधा लाभ मिलेगा, जबकि सरकार पर 1475.27 करोड़ का अतिरिक्त वित्तीय भार आएगा।

कैबिनेट के अन्य बड़े फैसले

- पीपीपी मॉडल पर 49 बस स्टेशनों का एयरपोर्ट जैसा कायाकल्प।
- ग्रेटर नोएडा में 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की मंजूरी।
- सामाजिक न्याय के प्रणेताओं के स्मारकों का सरकार करेगी संरक्षण।
- हर विधानसभा में 10 स्मारकों का विकास।
- 'डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना' को किया स्वीकृत।
- गोरखपुर में उप्र वनिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश।
- बलिया में स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना।
- शहरी विकास व औद्योगिक निवेश को बढ़ावा।
- मेट्रो, बस स्टेशन और सड़क-पुल की कई परियोजनाओं को हरी झंडी।
- औद्योगिक विकास को 24,000 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी।
- शाहजहांपुर, गोरखपुर, ग्रे. नोएडा, प्रयागराज, हाथरस, यमुना, मुरादाबाद में औद्योगिक इकाई मंजूर।
- हिंदू बांग्लादेशी विस्थापित परिवारों के पुनर्वास और भूमि आवंटन से जुड़े निर्णय।

आशियाना में किशोरी को बंधक बनाकर सामूहिक दुष्कर्म

आलमबाग(लखनऊ)

- 5 आरोपी पकड़े गए, आशियाना के रिक्शा कॉलोनी की घटना

अमृत विचार। राजधानी में मंगलवार रात रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात हुई। आशियाना के रिक्शा कॉलोनी में आंधी-पानी के दौरान निर्माणाधीन मकान में आसरा लेने के लिए रुकी 13 वर्षीय किशोरी को पांच युवकों ने बंधक बना लिया। विरोध करने पर पीटा और हाथ-पैर रस्सी से बांधकर सामूहिक दुष्कर्म किया। करीब पौने दो घंटे बाद किशोरी बदहवास हालत में परिजन को मिली। घटना के बाद घबराए आरोपी दूसरे तल से कूदने पर चोटिल हो गए। इसी दौरान भीड़ ने आरोपियों को पकड़कर पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

कन्नौज निवासी राजगीर मिस्त्री परिवार के साथ आशियाना क्षेत्र में रहता है। पत्नी दूसरे घरों में चौका-बर्तन कर परिवार चलाने में सहयोग करती है। बताया जा रहा है कि महिला रिक्शा कॉलोनी के जिस घर में कार्य करने जाती थी, किसी कारण अपनी 13 वर्षीय बेटी को वहां काम करने भेज दिया था। करीब नौ बजे किशोरी काम कर निकली। इसी दौरान आंधी-पानी आने से किशोरी कॉलोनी के एक निर्माणाधीन मकान में आसरा लेने के लिए रुक गई। इसी बीच पांच युवक नशे की हालत में वहां पहुंचे और उससे छेड़छाड़ करने लगे। विरोध पर आरोपियों ने उसे पीटा तथा हाथ-पैर रस्सी से बांधकर सामूहिक दुष्कर्म किया। इस बीच तलाश करते हुए परिजन व मोहल्लेवाले निर्माणाधीन मकान में पहुंचे। शोर होने पर मकान के दूसरे तल से पांचों आरोपी कूदकर भागने लगे। लेकिन भीड़ ने उन्हें पकड़ लिया। परिजन मकान में गए तो पीड़िता ने आपबीती बताई। करीब साढ़े दस बजे डॉयल-112 पर सूचना दी गई। सूचना पाकर इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह पहुंचे। भीड़ ने पांचों आरोपियों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि किशोरी की दोस्ती एक लड़के से थी। वह उससे मिलने के लिए गई थी। किशोरी की हालत में सुधार के बाद बयान लिए जाएंगे।

मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज होगा कर्मियों का पूरा रिकॉर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- विभागीय कार्रवाई व सतर्कता जांच की जानकारी ऑनलाइन करना अनिवार्य

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने कार्मिक प्रबंधन को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए बड़ा निर्णय लेते हुए अब सभी कर्मचारियों के खिलाफ लंबित या संचालित विभागीय कार्रवाई और सतर्कता जांच का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दर्ज करना अनिवार्य कर दिया है। इस संबंध में प्रमुख सचिव कार्मिक एम. देवराज ने मंगलवार को सभी विभागों, मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं।

यह व्यवस्था इसलिए लागू की गई है ताकि कर्मचारियों से संबंधित समस्त सूचनाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहें और विभागीय कार्यवाहियां पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी ढंग से संचालित हो सकें। निर्देशों के मुताबिक, प्रत्येक कार्यालय का ऑफिस एडमिन लॉगिन के माध्यम से अपने अधीन कार्यरत सभी कर्मचारियों की विभागीय कार्यवाही (नियम-7, 10(2)) और सतर्कता जांच की स्थिति पोर्टल पर अपडेट करेगा। नोडल अधिकारी फिल डीपी स्टेटस विकल्प के जरिए संबंधित कर्मचारियों का पूरा विवरण दर्ज करेंगे।

सेवा पुस्तिका से भी जोड़ा जाएगा विवरण

यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ विभागीय या सतर्कता जांच का इतिहास है, तो उसकी पूरी जानकारी मानव संपदा पोर्टल के सर्विस बुक मॉड्यूल में भी अपडेट करनी होगी, जिससे भविष्य में रिकॉर्ड ट्रैकिंग आसान हो सके।

अहम है यह फैसला

कार्मिक प्रबंधन में पारदर्शिता बढ़ेगी। विभागीय कार्रवाई की निगरानी आसान होगी। डिजिटल रिकॉर्ड से जवाबदेही तय होगी। भ्रष्टाचार पर लगेगा अंकुश।

सुप्रीम सुनवाई | नौ जजों की संविधान पीठ ने महिलाओं को एंट्री मामले में 5 घंटें की सुनवाई, केंद्र ने अपना पक्ष रखते हुए कहा

2018 का सबरीमाला फैसला त्रुटिपूर्ण था, पुनर्विचार जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि 2018 का सबरीमाला फैसला त्रुटिपूर्ण था और इस पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। फैसले में केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटाया गया था। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि उन्हें 2018 के सबरीमाला फैसले में की गई उस टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति है जिसमें कहा गया कि 10-50 वर्ष की आयु वर्ग की महिलाओं को मंदिर से बाहर रखना 'अस्पृश्यता' का एक रूप है, जो अनुच्छेद 17 का उल्लंघन है।

सबरीमाला मामले में, न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ का मत था कि उम्र या मासिक धर्म की स्थिति के आधार पर महिलाओं को केरल के सबरीमाला मंदिर में प्रवेश से रोकना अस्पृश्यता का एक रूप है जो उन्हें अधीनस्थ स्थिति में रखता है, पितृसत्ता को कायम रखता है और उनकी गरिमा के लिए अपमानजनक है। मेहता ने कहा, भारत उतना पितृसत्तात्मक या लैंगिक रूढ़ियों से ग्रस्त नहीं है जितना पश्चिम समझता है। मेहता ने कहा कि अनिवार्य धार्मिक प्रथाओं का अनावश्यक सिद्धांत पेश किया गया है, लेकिन सवाल यह है कि अनिवार्य क्या है, इसका निर्णय कैसे किया जाए। यह आस्था, विश्वास का विषय है। किसी बात को आवश्यक मानने या न मानने के लिए, सबसे पहले धार्मिक ग्रंथों का न्यायिक विश्लेषण करना होगा। ग्रंथों को उसी तरह समझना होगा जिस तरह उन्हें समझा जाना चाहिए। मेरा विनम्र निवेदन है कि यह तभी संभव है जब व्यक्ति आध्यात्मिक समझ के उस स्तर को प्राप्त कर ले। मेहता ने कहा, भारत ने हमेशा से महिलाओं के साथ समान व्यवहार किया है। मेहता ने अदालत से कहा, हम शायद एकमात्र ऐसे समाज हैं जो महिलाओं की पूजा करते हैं। राष्ट्रपति से लेकर प्रधानमंत्री और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों तक, हम देवियों के सामने नतमस्तक होते हैं। इसलिए, हमें इस चर्चा में पितृसत्ता और लैंगिक रूढ़ियों की अवधारणाओं को शामिल नहीं करना चाहिए।

गुण-दोष पर विचार के बजाय 7 प्रश्नों तक पीठ सीमित

पीठ ने कहा कि वह सबरीमाला फैसले के गुण-दोष पर विचार नहीं करेगी और मामले में निर्धारित सात प्रश्नों तक ही सीमित रहेगी। सितंबर 2018 में, पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने एक के मुकाबले चार के बहुमत से फैसला सुनाते हुए उस प्रतिबंध को हटा दिया था जो 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं को सबरीमाला अयप्पा मंदिर में प्रवेश करने से रोकता था। इसके बाद, 14 नवंबर, 2019 को, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच-न्यायाधीशों की एक अन्य पीठ ने दो के मुकाबले तीन के बहुमत से, विभिन्न पूजा स्थलों पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव के मुद्दे को एक बड़ी पीठ के पास भेज दिया।

महापुरुषों के स्मारकों का सरकार करेगी संरक्षण

डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना को मंजूरी, 403 करोड़ रुपये से हर विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारकों का होगा विकास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कैबिनेट के निर्णय

- स्मारकों को जनोपयोगी केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाएगा

अमृत विचार: प्रदेश में महापुरुषों की विरासत को सहेजने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए योगी सरकार ने हर विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारकों के विकास का निर्णय लिया है। कैबिनेट बैठक में 'डॉ. बीआर आंबेडकर मूर्ति विकास योजना' को स्वीकृति दी गई। इसके तहत महापुरुषों, समाज सुधारकों और सांस्कृतिक विभूतियों की मूर्तियों का संरक्षण व सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी।

योगी सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के साथ-साथ संत रविदास, कबीर, ज्योतिबा फुले, महर्षि वाल्मीकि समेत अन्य महापुरुषों की मूर्तियों का व्यापक सौंदर्यीकरण करेगी। इसके साथ ही आगामी 14 अप्रैल को प्रदेश की सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यहां स्थानीय जनप्रतिनिधि (सांसद, विधायक, एमएलसी) जनता को इस योजना और चयनित स्थलों के बारे में जानकारी भी देंगे।

योगी सरकार की यह पहल मूर्ति स्थलों को केवल प्रतीकात्मक स्थान न बनाकर उन्हें जानकारीपरक और जन उपयोगी केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके अंतर्गत 31 दिसंबर 2025 तक स्थापित मूर्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित कर उनके आसपास के क्षेत्र का सर्वांगीण विकास किया जाएगा।

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया कि योजना के तहत प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में 10-10 स्मारकों का विकास किया जाएगा। प्रति स्मारक 10 लाख रुपये की लागत तय की गई है। इसके अंतर्गत कुल 403 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन स्मारकों के आसपास बाउंड्रीवॉल, छत्र निर्माण, सौंदर्यीकरण, हरियाली का विकास और प्रकाश व्यवस्था की जाएगी। यह पहल न केवल ऐतिहासिक धरोहरों को सुरक्षित करेगी, बल्कि उन्हें जनोपयोगी केंद्र के रूप में भी विकसित करेगी।

योजना का उद्देश्य सिर्फ मूर्तियों की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि उनके आसपास के क्षेत्रों को विकसित कर स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित करना है। निर्माण कार्यों के जरिए ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते मंत्री सुरेश खन्ना, संदीप सिंह, असीम अरुण, डॉ. अरुण कुमार सक्सेना और दयाशंकर सिंह। अमृत विचार

विस्थापित परिवारों को भूमिधर का मिलेगा अधिकार

अमृत विचार, लखनऊ : योगी सरकार ने कैबिनेट बैठक में एक अहम निर्णय लेते हुए जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, रामपुर और बिजनौर में भारत-पाकिस्तान विभाजन के समय विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को भूमिधर अधिकार प्रदान करने की मंजूरी दी। इसके लिए उप्र. राजस्व संहिता (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2026 के माध्यम से उप्र. राजस्व संहिता, 2006 में संशोधन किया गया है, जिसके तहत पात्र परिवारों को असंक्रमणीय अधिकार दिए जाएंगे। दशकों से स्वामित्व के अभाव में ये परिवार खेती के लिए बैंक ऋण लेने और सरकारी खरीद केंद्रों पर उपज बेचने में कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। अब इस निर्णय से उन्हें अपनी जमीन का कानूनी मालिकाना हक मिलेगा, जिससे वे आसानी से ऋण प्राप्त कर सकेंगे और सम्मानजनक तरीके से अपनी फसल बेच पाएंगे। यह कदम न केवल इन परिवारों को कानूनी सुरक्षा देगा, बल्कि उनके आर्थिक सशक्तीकरण और सामाजिक सम्मान को भी सुनिश्चित करेगा।

कानपुर देहात में बसाए जाएंगे 99 हिंदू बंगाली परिवार

अमृत विचार, लखनऊः पूर्वी पाकिस्तान (बांग्लादेश) से विस्थापित हिन्दू बंगाली परिवारों के पुनर्वास से जुड़े प्रस्ताव को भी योगी कैबिनेट ने कार्योत्तर अनुमोदन दे दिया। इसके तहत जनपद मेरठ के मवाना तहसील क्षेत्र से संबंधित 99 परिवारों को कानपुर देहात की रसूलाबाद तहसील के ग्राम भैंसाया और ताजपुर तरसौली में पुनर्वासित किया जाएगा। साथ ही इनके लिए लीज रेंट 1 रुपये निर्धारित करते हुए पट्टे के प्रारूप को भी स्वीकृति दी गई है। यह निर्णय पूर्व में 2021 में 63 विस्थापित परिवारों के पुनर्वास के लिए निर्धारित प्रावधानों के आधार पर लिया गया है। राष्ट्रीय हरित अधिकरण के निर्देशों और प्रकरण की तात्कालिकता को देखते हुए पहले ही प्रशासनिक स्तर पर कार्यवाही की जा चुकी थी, जिस पर अब कैबिनेट ने मुहर लगा दी है। इससे प्रभावित परिवारों को वैध आवासीय अधिकार मिलने के साथ उनके पुनर्वास की प्रक्रिया सुचारु रूप से पूरी हो सकेगी।

अन्य फैसले

गेहूं खरीद के लिए राशन दुकानों से खरीदे जाएंगे पुराने बोरे

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में गेहूं खरीद के दौरान बोरों की कमी की समस्या को दूर करने के लिए राज्य सरकार ने अहम फैसला लिया है। अब खाद्य एवं रसद विभाग उचित दर विक्रेताओं (राशन दुकानों) से इस्तेमाल (पुराने) जूट बोरों की सीधे खरीद करेगा। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई। दरअसल, विभाग ने पहले ई-टेंडर के माध्यम से पुराने बोरों की खरीद का निर्देश दिया था, लेकिन इस प्रक्रिया में देरी होने से क्रय केंद्रों पर बोरे उपलब्ध नहीं हो पा रहे थे। विभाग का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, विशेषकर ईरान-इजरायल संघर्ष के कारण जूट बोरों की आपूर्ति प्रभावित हुई है और बाजार में कीमतें भी बढ़ गई हैं।

गोरखपुर में बनेगा वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट बैठक में गोरखपुर में उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दे दी गई। इसके लिए "उत्तर प्रदेश वानिकी एवं औद्यानिकी विश्वविद्यालय अध्यादेश-2026" के प्रख्यापन को स्वीकृति प्रदान की गई है। वन, पर्यावरण, जंतु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने बताया कि यह विश्वविद्यालय गोरखपुर के कैम्पियरगंज क्षेत्र में लगभग 50 हेक्टेयर भूमि पर स्थापित किया जाएगा। प्रस्तावित विश्वविद्यालय में वानिकी, औद्यानिकी, वन्य जीव संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, एग्रोफॉरेस्ट्री, फल एवं बागवानी सहित कई आधुनिक विषयों में बीएससी, एमएससी, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

ग्रेटर नोएडा को मिला मेट्रो विश्वविद्यालय

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट बैठक में ग्रेटर नोएडा में निजी क्षेत्र के अंतर्गत 'मेट्रो विश्वविद्यालय' की स्थापना को मंजूरी दे दी गई। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि यह विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के तहत स्थापित किया जाएगा। प्रायोजक संस्था सनहिल हेल्थकेयर प्रा.लि. द्वारा 26.1 एकड़ भूमि पर यह विश्वविद्यालय विकसित किया जाएगा।

पीपीपी मॉडल पर 49 बस अड्डों का होगा कायाकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस होंगे बस स्टेशन, 4000 करोड़ निवेश का अनुमान

अमृत विचार: प्रदेश में बस अड्डों को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में बड़ा फैसला लेते हुए कैबिनेट ने पीपीपी मॉडल पर 49 बस स्टेशनों के विकास को मंजूरी दे दी है।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि इन बस स्टेशनों को एयरपोर्ट की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जहां यात्रियों को शॉपिंग मॉल, सिनेमाघर, वीआईपी लाउंज और आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना डीबीएफओटी मॉडल पर लागू होगी, जिससे राज्य सरकार पर कोई वित्तीय बोझ नहीं आएगा। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए पात्रता शर्तों में भी बदलाव किए गए हैं, जिससे अधिक से अधिक निजी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

परिवहन मंत्री ने बताया कि परियोजना को पूरा करने की समय सीमा 5 से बढ़ाकर 8 वर्ष कर दी गई है, जबकि कार्य प्रारंभ करने की अवधि 6 माह से बढ़ाकर 12 माह कर दी गई है। साथ ही तकनीकी पात्रता और नेटवर्थ से जुड़े मानकों को भी निवेशक अनुकूल बनाया गया है। पहले चरण में 23 बस स्टेशन पहले ही स्वीकृत किये जा चुके हैं। कुल 52 जनपद योजना से आच्छादित होंगे।

अन्य अहम फैसले

- हाथरस, बुलंदशहर और बलरामपुर में नए बस अड्डों के लिए भूमि हस्तांतरण
- नरौरा में डिपो वर्कशॉप और तुलसीपुर में देवीपाटन मंदिर क्षेत्र में आधुनिक बस स्टेशन
- बस अड्डों को विकसित किया जाएगा आर्थिक गतिविधि केंद्र के रूप में

गंभीर अपराधों में अब नहीं मिलेगी राहत, अध्यादेश को मिली मंजूरी

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में उप्र. दंड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों का उपशमन) संशोधन अध्यादेश-2026 को मंजूरी दे दी गई। इस फैसले के तहत अब गंभीर अपराधों में राहत या स्वतः समाप्ति (एबेट) की व्यवस्था पर रोक लगेगी। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार, अधिनियम 1979 की धारा-9 में संशोधन करते हुए यह स्पष्ट किया गया है कि गैर-समझौता योग्य (नॉन-कंपाउंडेबल) अपराध, अनिवार्य कारावास वाले अपराध और दोहराए गए (सब्सीक्वेंट) अपराध अब स्वतः समाप्त नहीं होंगे। यह निर्णय उच्चतम न्यायालय में लंबित मामले के निर्देशों के अनुरूप लिया गया है, जिससे कानून व्यवस्था को और सख्त बनाया जा सके।

वहीं अब तक मोटर वाहन अधिनियम के तहत कई मामलों में समय बीतने पर कार्रवाई स्वतः समाप्त हो जाती थी, लेकिन नए संशोधन के बाद ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों को भी राहत नहीं मिलेगी और उनके खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी।

25 लाख युवाओं को मिलेंगे फ्री टैबलेट

कैबिनेट ने खरीद को दी मंजूरी, डिजिटल शिक्षा को मिलेगा बल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में युवाओं के लिए बड़ी सौगात का फैसला लिया गया। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत प्रदेश के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क वितरण के लिए 25 लाख टैबलेट खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

सरकार जल्द ही खरीद प्रक्रिया पूरी कर वितरण शुरू करेगी। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इस योजना में 2000 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जबकि अनुमानित कुल खर्च करीब 3000 करोड़ तक पहुंच सकता है, जिसका पूरा भार राज्य सरकार उठाएगी। औद्योगिक

विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि इस योजना का लाभ स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा, आईटीआई और कौशल विकास कार्यक्रमों से जुड़े छात्रों व प्रशिक्षुओं को मिलेगा। इससे युवाओं को डिजिटल पढ़ाई में मदद मिलेगी और वे रोजगार, स्वरोजगार व ऑनलाइन सेवाओं से बेहतर तरीके से जुड़ सकेंगे।

60 लाख युवाओं को पहले ही मिल चुका लाभ : सरकार के मुताबिक, वर्ष 2021-22 में शुरू हुई इस योजना के तहत अब तक 60 लाख से अधिक युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन वितरित किए जा चुके हैं। इस बार भी एक टैबलेट की अनुमानित कीमत करीब 12,000 रखी गई है, जिसके आधार पर बड़े स्तर पर खरीद की तैयारी है।

इन युवाओं को मिलेगा लाभ

- स्नातक व स्नातकोत्तर छात्र
- पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग व मेडिकल विद्यार्थी
- आईटीआई व कौशल विकास प्रशिक्षु
- स्वास्थ्य व तकनीकी शिक्षा से जुड़े छात्र
- सेवामित्र पोर्टल पर पंजीकृत युवा

21 प्रशिक्षु आईएएस अफसरों की तैनाती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में 2025 बैच के 21 प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों को विभिन्न जिलों में तैनाती दे दी गई है। ये अधिकारी 17 अप्रैल 2026 के बाद संबंधित जनपदों में असिस्टेंट कलेक्टर/प्रशिक्षु मजिस्ट्रेट के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे।

जिन अधिकारियों को तैनाती दी गई है, उनमें शक्ति दुबे को लखनऊ, आदित्य सिंह को वाराणसी, अर्पित गुप्ता को कानपुर नगर, श्रेयांश मिश्रा को प्रयागराज, अनन्या सिंह को गोरखपुर, आयुषी वर्मा को मेरठ, अभिषेक यादव को आगरा, साक्षी श्रीवास्तव को अयोध्या, रोहित सिंह को बरेली, प्रिया चौहान को झांसी, विवेक कुमार को मुरादाबाद, हिमांशु तिवारी को सहारनपुर, नेहा गुप्ता को अलीगढ़, शुभम सिंह को गाजियाबाद, रितिका मिश्रा को बलिया, राहुल पांडेय को जौनपुर, अंकित त्रिपाठी को आजमगढ़, पूजा सिंह को प्रतापगढ़, सौरभ यादव को फतेहपुर, गौरव शुक्ला को सीतापुर तथा निशा यादव को देवरिया में तैनात किया गया है।

आशीष गोयल और सुंदरम को अतिरिक्त प्रभार

प्रदेश सरकार ने वरिष्ठ आईएअएस डॉ. आशीष कुमार गोयल को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ अपर मुख्य सचिव, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा स्रोत विभाग, उत्तर प्रदेश शासन का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। डॉ. गोयल वर्तमान में यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड, पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन, यूपीएसएलडीसी और राज्य विद्युत उत्पादन निगम समेत कई अहम पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वहीं, प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन विभाग डॉ. एमकेएस सुंदरम को भी अतिरिक्त जिम्मेदारी देते हुए प्रमुख सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग का प्रभार सौंपा गया है।

अब एआई की निगरानी में होंगी भर्ती परीक्षाएं, इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम शुरू

अमृत विचार, लखनऊ/ प्रयागराज : उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग ने परीक्षाओं को पूरी तरह नकलविहीन और पारदर्शी बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रयागराज स्थित कार्यालय में अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल रूम की स्थापना की है। इसका उद्घाटन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने किया। इस कंट्रोल रूम के जरिए अब प्रदेश भर के परीक्षा केंद्रों की रियल टाइम निगरानी की जाएगी। प्रत्येक परीक्षा कक्ष और वहां मौजूद अभ्यर्थियों पर एआई आधारित कैमरों से नजर रखी जाएगी, जिससे किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि को तुरंत चिन्हित किया जा सके। नई व्यवस्था के तहत अभ्यर्थियों की उपस्थिति और सत्यापन बायोमैट्रिक सिस्टम से होगा, जिसका सीधा डेटा कंट्रोल रूम में उपलब्ध रहेगा। इससे फर्जीवाड़े और डमी कैंडिडेट की आशंका लगभग खत्म हो जाएगी।

6466 करोड़ की 325 परियोजनाओं से चमकेगा आगरा

मुख्यमंत्री बोले-'ग्रेटर आगरा' बनेगा नया आर्थिक केंद्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को आगरा को 6466.37 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं की बड़ी सौगात दी। आगरा इनर रिंग रोड के समीप रहनकलां में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया तथा 'ग्रेटर आगरा' टाउनशिप का भूमिपूजन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ग्रेटर आगरा' प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा और यह शहर जल्द ही दूसरे नोएडा के रूप में उभरेगा। यहां बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित होंगी, जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार आगरा को केवल पर्यटन तक सीमित नहीं रखना चाहती, बल्कि इसे एक आधुनिक, सांस्कृतिक और आर्थिक हब के रूप में विकसित किया जा रहा है। 'नए शहर प्रोत्साहन योजना' के तहत आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा 5142 करोड़ रुपये की लागत से रायपुर और रहनकलां में 449.65 हेक्टेयर क्षेत्र में टाउनशिप विकसित की जाएगी। इसमें 10 हजार से अधिक परिवारों के लिए मल्टीस्टोरी फ्लैट्स, ग्रुप हाउसिंग, प्लॉट, चौड़ी सड़कें, सीवरेज, हरित क्षेत्र और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। टाउनशिप के सेक्टरों का नाम गंगा, यमुना, सरस्वती, गोदावरी सहित 10 पवित्र नदियों के नाम पर रखा जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बेहतर कानून व्यवस्था, निवेश और आधारभूत ढांचे के कारण आज उत्तर प्रदेश निवेशकों की पहली पसंद बन रहा है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, बेबी रानी मौर्य, योगेंद्र उपाध्याय सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

आगरा में नई परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करते मुख्यमंत्री योगी।

सनातन एकजुटता से विफल होंगे हिंदू विरोधी षड्यंत्र: योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- वृंदावन में संत श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य मलूकदास जी महाराज की 452वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि यदि सनातन समाज एकजुट हो जाए तो हिंदू विरोधी षड्यंत्र करने वालों की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि संतों की एकता और मार्गदर्शन से ही देश ने ऐतिहासिक परिवर्तन देखे हैं और यही भारत की शक्ति है।

मथुरा के वृंदावन में संत श्रीमद् जगद्गुरु द्वाराचार्य श्री मलूकदास जी महाराज की 452वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों का संघर्ष संतों की एकता से समाप्त हुआ और भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण संभव हुआ। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत हितों से ऊपर उठकर राष्ट्र और सनातन के लिए कार्य करना ही भारत की परंपरा है। सीएम योगी ने काशी का उल्लेख करते हुए महात्मा गांधी के 1916 के वक्तव्य का हवाला दिया और कहा कि आज काशी विश्वनाथ धाम में एक साथ 50 हजार श्रद्धालु दर्शन कर सकते हैं, जो बदलाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि संत परंपरा ने हमेशा समाज को जोड़ने और दिशा देने का कार्य किया है। सरकार भी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और विकास के लिए प्रतिबद्ध है। संतों के एक मंच पर आने और समाज के एकजुट होने से सदियों पुराना विवाद समाप्त हुआ और श्रीराम मंदिर का निर्माण संभव हुआ।

पहल | प्रदेश के 20 शहरों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 172 मार्ग चिन्हित

जाम से निजात दिलाने को सी-आरटीसी योजना शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में बढ़ती ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यातायात निदेशालय ने "सिटी रिड्यूसिंग ट्रैफिक कंजेशन" (सी-आरटीसी) यानी "शहरी ट्रैफिक जाम कम करना" योजना लागू कर दी है। इसे पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 20 शहरों में शुरू किया गया है, जहां 172 प्रमुख मार्गों को चिन्हित कर यातायात को सुगम बनाने की रणनीति तैयार की गई है।

बढ़ते शहरीकरण, जनसंख्या और वाहनों की संख्या के चलते शहरों में जाम की समस्या गंभीर हो चुकी है। इससे समय की बर्बादी के साथ ईंधन खपत और वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। कई बार एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसी आपात सेवाएं भी प्रभावित होती हैं। इन्हीं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह योजना लागू की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य पीक आवर्स में यात्रा समय को कम करना है।

योजना के तहत सात पुलिस कमिश्नरेट और 13 जिलों को शामिल किया गया है। कमिश्नरेट क्षेत्रों के 74 और अन्य जिलों के 98 मार्गों को चिन्हित किया गया है। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, आगरा, गाजियाबाद और नोएडा जैसे बड़े शहरों में प्रमुख सड़कों को प्राथमिकता दी गई है।

एक रूट-एक मार्शल व्यवस्था

योजना में 'एक रूट-एक मार्शल' व्यवस्था लागू की गई है। प्रत्येक चिन्हित मार्ग के लिए एक जिम्मेदार अधिकारी (रूट मार्शल) तैनात किया जाएगा, जो ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने के लिए जवाबदेह होगा। ये अधिकारी निरीक्षक या उपनिरीक्षक स्तर के होंगे और जरूरत पड़ने पर एक से अधिक मार्गों की जिम्मेदारी भी संभाल सकते हैं।

एआई तकनीक का उपयोग

योजना में एआई आधारित तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसके जरिए रियल टाइम में जाम की स्थिति, ट्रैवल टाइम और यातायात के पैटर्न का विश्लेषण किया जाएगा। अधिकारियों को मोबाइल के माध्यम से तत्काल जानकारी मिलेगी और उसी आधार पर सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। लक्ष्य है कि पीक आवर्स में अधिकतम ट्रैवल टाइम को कम से कम 20 प्रतिशत तक घटाया जाए।

पांच 'ई' मॉडल पर अमल

जाम से निपटने के लिए 'पांच ई' मॉडल अपनाया गया है, जिसमें- जागरूकता, सख्त प्रवर्तन, तकनीकी सुधार, अतिक्रमण हटाना और ई-रिक्शा संचालन का सुव्यवस्थित प्रबंधन शामिल हैं। इस योजना की एक महीने बाद समीक्षा की जाएगी और जरूरत के अनुसार इसमें सुधार कर इसे प्रदेश के अन्य शहरों में भी लागू किया जाएगा।

जेडएफडी योजना से सड़क हादसों में बची 450 की जान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डीजीपी राजीव कृष्ण ने प्रेसवार्ता में योजना के तीन माह की रिपोर्ट प्रस्तुत की

अमृत विचार: प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर लागू 'जेडएफडी (शून्य मृत्यु ड्राइव)' योजना का सकारात्मक असर देखने को मिला है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने बताया कि 1 जनवरी 2026 से शुरू इस योजना के तहत तीन महीनों में 450 से अधिक लोगों की जान बचाई गई है।

यह योजना प्रदेश के 7 पुलिस कमिश्नरेट और 68 जिलों के 487 हादसा संभावित थानों में लागू की गई थी। इसका उद्देश्य अधिक दुर्घटना वाले क्षेत्रों में सख्त निगरानी और कार्रवाई के जरिए हादसों को कम करना है।

डीजीपी राजीव कृष्ण

त्रैमासिक समीक्षा में सामने आया कि 2025 की तुलना में 2026 में सड़क दुर्घटनाओं में 7.43% की कमी आई है। वहीं मृतकों की संख्या में 11.55% और घायलों में 8.05% गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश की 88 प्रशासनिक इकाइयों में से 63.6% 'ग्रीन जोन' में आ गई हैं, जबकि मौतों के मामले में 75% इकाइयों में सुधार हुआ है।

योजना के तहत 573 क्रैश कंट्रोल टीमें गठित की गई हैं, जिन्हें स्पीड लेजर गन, ब्रेथ एनालाइजर और अन्य आधुनिक उपकरण दिए गए हैं। ये टीमें चिन्हित मार्गों पर लगातार निगरानी और प्रवर्तन कर रही हैं। डीजीपी के अनुसार, "जहां ज्यादा हादसे, वहां ज्यादा कार्रवाई" के सिद्धांत पर काम करते हुए प्रतिदिन औसतन 5 लोगों की जान बचाई जा रही है। साथ ही तकनीकी निगरानी, प्रशिक्षण और सख्त एसओपी के जरिए सड़क सुरक्षा को और मजबूत किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कब्जे के विरोध में दंपति और बेटे को पीटा

अमृत विचार, माल : थाना क्षेत्र के मंझी निकरोजपुर गांव में सहन की भूमि पर कब्जे को लेकर दबंगों ने दंपति व बेटे को लाठी-डंडों से पीटा। पिटाई से तीनों घायल हो गए। लाल जी तिवारी ने मंगलवार शाम लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि उसके घर के बाहर सहन की भूमि है। जिस पर पड़ोसी इंद्रपाल कब्जा करने का प्रयास कर रहे हैं। मना करने पर पड़ोसी इंद्रपाल, उसकी पत्नी व भाभी गाली देने लगे। विरोध करने पर पीड़ित व पत्नी सुमन को पीटा। बेटा आशीष बचाने दौड़ा तो उसे भी मारा। पिटाई से पीड़ित के सिर, पत्नी के पेट में व बेटे आशीष के कंधे व हाथ में चोट आई हैं। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माल ले जाया गया। वहां से आशीष की हालत को देखते हुए साढ़ामऊ रेफर कर दिया गया है।

एरिया मैनेजर की मौत मामले में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, सरोजनीनगर : थाना क्षेत्र में 3 अप्रैल की रात ट्रक की टक्कर से दवा कंपनी के एरिया मैनेजर महेंद्र सिंह (40) की मौत के मामले में पत्नी ने सरोजनीनगर थाने में ट्रक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। मूल रूप से फतेहपुर निवासी और वर्तमान में सरोजनीनगर के दरोगा खेड़ा स्थित आशापुरम गोल्ड कॉलोनी में रह रही मीना सिंह ने बताया कि 3 अप्रैल को मेडिकल कंपनी के एरिया मैनेजर पति महेंद्र सिंह ड्यूटी कर बाइक से घर लौट रहे थे। तभी सरोजनीनगर में मीरानपुर पिनवट स्थित किसान पथ अंडरपास (नहर के सामने) के पास ट्रक की टक्कर से उनकी मौत हो गयी थी।

स्मैक बेचने वाली महिला गिरफ्तार

अमृत विचार, गोसाईंगंज : नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गोसाईंगंज पुलिस ने एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 63 पुड़ियों में 48 ग्राम स्मैक बरामद किया गया है। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि गोपेश्वर मंदिर के पास एक महिला संदिग्ध हालत में घूमती दिखी। पुलिस को देखकर वह घबरा गई और सड़क किनारे बैठ गई। शक होने पर महिला आरक्षी ने उससे पूछताछ की। तलाशी के दौरान पर्स में स्मैक की पुड़ियां मिली। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मौसमी पत्नी वीरेंद्र कुमार निवासी ग्राम रामपुर मजरा महुराकला गोसाईंगंज बताया। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

लेखपाल की पत्नी लापता फुटेज से तलाश

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र से सोमवार को एक विवाहिता संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजन ने थाने में उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है। ओमेक्स सिटी निवासी व हरदोई में लेखपाल पद पर तैनात रोहित यादव की 23 वर्षीय पत्नी शिवा सोमवार दोपहर घर से बिना बताए कहीं चली गई। परिजन ने आसपास उसकी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू की तो सीसीटीवी फुटेज में वह सोमवार दोपहर बाद बिजनौर स्थित शीतला मंदिर के पास जाती हुई नजर आई। परिजन ने बताया कि कुछ दिनों से शिवा मानसिक संतुलन गड़बड़ चल रहा है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के सहारे उसकी तलाश कर रही है।

महिला को पीटा, रिपोर्ट

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा थाना क्षेत्र में एक महिला ने गांव के ही युवक पर मारपीट का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। अमावा निवासी विशुना देवी ने बताया कि पंकज रावत से उसका पुराना विवाद चल रहा है। आरोप है कि 5 अप्रैल की सुबह करीब 9 :30 बजे जब वह अपने एक घर से दूसरे घर जा रही थीं। आरोपी के दरवाजे के पास से गुजरने के दौरान पंकज रावत ने उसे रोककर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसे बचाया। पिटाई से पीड़िता घायल हो गयी।

11 वर्ष सजा काटने के बाद हाईकोर्ट ने किया दोष मुक्त

विधि संवाददाता, लखनऊ

सुनवाई

- न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति बृजराज सिंह ने सुनाया फैसला
- खंडपीठ ने पुलिस जांच में गंभीर त्रुटियां पाई, मामले में साक्ष्यों की कमी मिली
- कहा, संदेह या आशंका के आधार पर किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं

अमृत विचारः दुराचार के मामले में 11 वर्ष से जेल में सजा काट रहे दोषी को हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने बरी कर दिया है। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पुलिस जांच में गंभीर त्रुटियां पाई। कोर्ट ने कहा कि, साक्ष्य की कमी के कारण अभियुक्त को दुराचार के आरोप में दोष सिद्ध करना उचित नहीं है। ये निर्णय न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने निर्मल कुमार की अपील को मंजूर करते हुए पारित किया।

अयोध्या जनपद के मवई थाने में वर्ष 2010 रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। वादी ने 14 वर्षीय मानसिक दिव्यांग पुत्री के साथ दुराचार का आरोप लगाया था। घटना के तीन दिन बाद पीड़िता की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद किशोरी के पिता ने दुराचार के साथ हत्या का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। ट्रायल कोर्ट ने वर्ष 2018 में दुराचार के आरोप में दोषी करार देकर आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। मृत्यु के कारण की पुष्टि न होने के कारण हत्या के आरोप से बरी कर दिया था। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के निर्णय को खारिज करते हुए कहा कि फॉरेंसिक रिपोर्ट में मानव वीर्य के सैंपल इस बात के तथ्यात्मक साक्ष्य नहीं बन सके कि वे सैंपल आरोपी के थे, क्योंकि डीएनए टेस्ट या कोई अन्य ठोस जांच नहीं कराई गई थी। इस चूक को कोर्ट ने जांच में गंभीर त्रुटि करार दिया। न्यायालय ने यह भी कहा कि ऐसे गंभीर आरोपों में केवल संदेह या आशंका के आधार पर किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं है। कोर्ट ने पाया कि साक्ष्य की कमी के कारण मामले में दोष सिद्धि सुरक्षित नहीं कही जा सकती। न्यायालय ने अपीलार्थी को तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है।

वाहन चालक की मौत से परिजनों में उबाल

- कोतवाली देहात क्षेत्र के युवक की आंध्र प्रदेश में हुई मौत

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

जिला अस्पताल चौराहे पर शव रखकर प्रदर्शन करते परिवारीजन व ग्रामीण।

अमृत विचार। वाहन चला रहे चालक की मौत के बाद परिवार के लोगों ने पीट-पीटकर हत्या किये जाने का आरोप लगाते हुए शहर का मुख्य चौराहा जिला अस्पताल चौराहा शव रखकर जाम कर दिया, खासा हंगामा भी किया। बढ़ते बवाल के बीच बैकफुट पर आई पुलिस ने आनन-फानन में शव पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी की। घटना आंध्र प्रदेश से जुड़ी हुई है। दरअसल कोतवाली देहात क्षेत्र का गंगापुर कालिका बख्श निवासी रामराज (40) पिछले कुछ समय से आंध्र प्रदेश में रहकर वाहन चलाने का कार्य करता था। बीते दिन उसने साथ में काम कर रहे लोगों द्वारा पिटाई की जानकारी देकर वीडियो भेजा था, इसी के बाद उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शव गांव आते ही परिवार के लोगों ने हत्या किये जाने का आरोप लगाया। आरोप मध्य प्रदेश और बहराइच जनपद के फूलचन्द्र, मूलचन्द्र, अनिल और संतोष पर लगा। पीड़ित पक्ष का कहना है कि पुलिस को शिकायती पत्र देने के बावजूद कोतवाली देहात पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी नहीं की। इसी के बाद परिजन आक्रोशित हो गए, उन्होंने जिला अस्पताल चौराहे पर शव रखकर हंगामा शुरू कर दिया। किसी तरह अपर पुलिस अधीक्षक विनायक गोपाल भोसले ने स्थितियों को सामान्य कराया। ऐसे में देर तक मुख्य मार्ग पर जाम जैसी स्थिति बनी रही।

वीडियो हुआ वायरल

परिवार के लोगों ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया, जिसमें कुछ लोग रामराज के साथ मारपीट करते दिख रहे हैं, वो अपने शरीर पर लगी चोटों को भी दिखा रहा है। मरणासन्न स्थिति का भी एक वीडियो है।

8 शातिर गिरफ्तार, 8 असलहे बरामद

अमृत विचार, सीतापुर। पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन चेकिंग अभियान में जनपद के विभिन्न थानों की पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस टीमों ने घेराबंदी कर हिस्ट्रीशीटरों समेत कुल 8 शातिरों को गिरफ्तार किया है, जिनके कब्जे से 8 अवैध शस्त्र और 8 कारतूस बरामद हुए हैं। मानपुर व हरगांव पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर गया प्रसाद को एक तमंचे व कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। गयाप्रसाद पर लूट, चोरी और गैंगेस्टर एक्ट के 17 मामले दर्ज हैं।

मामूली टक्कर से छीने दो सिलेंडर, पुलिस ने दिलाए वापस

अमृत विचार, मोहनलालगंज : कस्बे में मंगलवार को मामूली टक्कर लगने पर कार सवार मारपीट कर ई-रिक्शा में रखे दो सिलेंडर लेकर चले गए। सोशल मीडिया पर सिलेंडर लूट की घटना वायरल हुई तो पुलिस हरकत में आई। शिकायत दर्ज कर पुलिस ने विपक्षियों को बुलाकर पीड़ित के सिलेंडर वापस दिलाए। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पीड़ित मोहन यादव संचालक वॉरियर्स डिफेंस अकादमी थाना मोहनलालगंज ई रिक्शा में सिलेंडर लेकर जा रहे थे। मौरावां मोड़ के पास एक कार में ई-रिक्शा की टक्कर हो गई। स्क्रैच देख कार सवारों ने हर्जाना मांगा। पीड़ित ने असमर्थता जतायी तो कार सवार दो सिलेंडर जबरन उठा ले गए। शिकायत पर पुलिस ने कार सवार छात्र विनीत शुक्ला व अभय दुबे निवासी प्रयागराज से सिलेंडर वापस दिलाए। इंस्पेक्टर ने बताया कि सिलेंडर खाली थे। दोनों पक्ष ने समझौता कर लिया है।

गेहूं और आम की फसल पर आफत की बारिश

कई इलाकों में खेतों में पानी भरने से फसल भीगी, कुछ दिन नहीं हो पाएगी कटाई-मड़ाई

संवाददाता, लखनऊ/गोसाईगंज

गोमती नगर स्थित लोहिया पार्क पावर हाउस के सामने रोड पर खड़ी कार पर आंधी में गिरा पेड़।

अमृत विचार : शनिवार रात बारिश से बर्बाद गेहूं की फसल सूख भी नहीं पाई थी कि मंगलवार को मौसम ने फिर से पानी फेर दिया। खेतों पर काटकर सूखने के लिए रखी गई फसल फिर से भीग गई। वहीं, आम की बौर दहिया रोग से बचाने का किसान प्रयास कर रहे थे कि आंधी में बचे बौर गिर गए। जिला कृषि अधिकारी तेग बहादुर सिंह ने बताया कि फसलों का सर्वे कराकर नुकसान का आकलन करेंगे। जिन किसानों प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसलें बीमित कराई हैं तो वह 72 घंटे के अंदर टोलफ्री नंबर 14447 पर शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही उपनिदेशक कृषि कार्यालय पर लिखित शिकायत दर्ज कराएं।

आंधी और बारिश से गोसईगंज इलाके में खेतों में पानी भरने से खेतों में खड़ी और कटी फसल को नुकसान पहुंचा है। किसान दिनेश यादव, मंसाराम और राजकुमार ने बताया कि उनके खेत में काफी पानी भर गया। इससे गेहूं खराब होने की आशंका है। कुछ अन्य किसानों ने कहा कि बारिश से फसल नरम हो गई है, इससे कटाई और थ्रेसिरंग कई दिन नहीं हो पाएगी।

अमेठी कस्बे के बागवान मो. यूसुफ, मो. सलीम, इक़बाल, मो. यसीर और राजेश रावत ने बताया कि आम के बौर और छोटी अमिया आंधी में काफी गिर गई हैं। कई पेड़ भी टूटने से नुकसान अधिक हुआ है। भट्ठो में कच्ची ईंटें खराब हो गई हैं। लायकराम यादव और अजीत वर्मा ने बताया कि लाखों रुपये का नुकसान हुआ है।

शहर में होर्डिंग-बैनर उड़े

अमृत विचार, लखनऊ : मंगलवार शाम अचानक फिर से मौसम बदल गया। चारों तरफ काले बादल छा गए। तेज हवा के झोंके के बाद धूल भरी आंधी से नुकसान हुआ। सड़क पर पेड़ गिर गए तो होल्डिंग व बैनर उड़ गए। इससे यातायात बाधित रहा। कई इलाकों में फाल्ट आने से बिजली गुल हो गई। सुबह मौसम सामान्य रहा और दोपहर में तेज धूप निकली। शाम होते ही काले बादल छा गए। कुछ देर बाद तेज हवा के झोकों के बाद धूल भरी आंधी आई। इससे सड़कों पर लगे होल्डिंग व बैनर उड़ गए। कहीं सड़क पर पोल गिर तो कहीं पेड़ गिरने से यातायात बाधित हो गया और लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। गोमती नगर में एक पेड़ कार पर गिर गया। इससे कार क्षतिग्रस्त हो गई। हजरतगंज, गोमती नगर, कृष्णा नगर, आलमबाग, इंदिरा नगर समेत अन्य क्षेत्रों में बूंदाबांदी के बाद हल्की बारिश हुई।

नोएडा से लखनऊ पेशी पर आ रहे इंजीनियर की मौत

अमृत विचार, लखनऊः नोएडा से लखनऊ न्यायालय में पेशी पर दोस्त के साथ वॉल्वो बस से आ रहे इंजीनियर की मंगलवार सुबह पारा के तिकुनिया तिराहे पर अचानक तबीयत बिगड़ गई। बस चालक ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने युवक को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि प्रवीन पाठक (40) नोएडा के सिल्वर सिटी में रहते थे। वे एक निजी कंपनी में इंजीनियर थे। परिवार में पत्नी बबिता और दो बेटियां है। पारिवारिक विवाद के चलते पत्नी और बच्चे एक साल से अलग रहते है। परिजन ने बताया कि वह सोमवार रात नोएडा से लखनऊ के लिए अपने दोस्त अजीत के साथ वॉल्वो बस से निकले थे। आगरा एक्सप्रेस-वे पर यात्रा के प्रवीन की तबीयत बिगड़ गई। यह देखकर चालक ने पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही पारा पुलिस मौके पर पहुंची। प्रवीन को रानी लक्ष्मीबाई राजकीय संयुक्त अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टर ने हालत गंभीर देख लोकबंधु अस्पताल रेफर कर दिया। वहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इंस्पेक्टर का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह पता चल सकेगी।

गेहूं क्रय केंद्र प्रभारी ही कर देंगे किसानों की उपज का सत्यापन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- नहीं लगाने पड़ेंगे तहसील के चक्कर, पहले गेहूं बेच चुके किसानों का होगा स्वत: सत्यापन

अमृत विचार : गेहूं बेचने के लिए अब किसानों को अब तहसील के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। नया पंजीयन कराने वाले किसानों की उपज का सत्यापन गांव के आसपास खुले केंद्रों पर प्रभारी ही कर देंगे। पिछले वर्ष क्रय केंद्रों पर गेहूं बेचने वाले किसानों का सत्यापन ऑटोमेटिक ई-खसरा पड़ताल से हो जाएगा। उन्हें भी भागदौड़ नहीं करनी पड़ेगी।

रबी विपणन वर्ष 2026-27 की क्रय नीति में कृषि उपज का सत्यापन कराने की कोई मात्रा भी निर्धारित नहीं की गई है। किसानों के पास जो उपज है उतनी सत्यापित कराकर बेच सकेंगे। पिछले वर्षों में खरीद का सत्यापन एसडीएम पोर्टल से कराना पड़ रहा था। वहां से स्वीकृति मिलने में समय लगता था, आवेदन लंबित रहते थे। इस कारण किसानों को क्रय केंद्र पर बिक्री करने में देरी हो जाती थी। किंतु अब क्रय केंद्रों के प्रभारी ही उपज का सत्यापन कर देंगे।

डिप्टी आरएमओ विपुल सिन्हा ने बताया कि इस बार जिले में 43 गेहूं केंद्र खोले गए हैं। इनमें 15 जून तक सुबह 9 से शाम 6 बजे तक प्रति क्विंटल 2585 रुपये में गेहूं की खरीद की जाएगी। केंद्रों को खरीद का लक्ष्य नहीं दिया गया है। अभी तक 1400 किसान गेहूं बेचने के लिए पंजीयन करा चुके हैं। 6 अप्रैल तक आठ केंद्रों पर 10 किसानों ने 330 क्विंटल गेहूं बेचा है। किसान केंद्रों पर गेहूं की बिक्री कर समर्थन मूल्य का लाभ उठाएं।

केंद्र पर देना होगा उतराई-छनाई का पैसा

- डिप्टी आरएमओ ने बताया कि किसानों को उतराई-छनाई के एवज में 20 रुपये प्रति क्विंटल क्रय केंद्र पर देने होंगे। ये धनराशि किसानों के खातों में गेहूं खरीद भुगतान के साथ भेज दी जाएगी।

बारिश का असर, नमी से नहीं हुई आवक

- बारिश की वजह से गेहूं की कटाई प्रभावित है और गेहूं भीगने से नमी भी आई है। गेहूं को सुखाने में समय लगेगा। इस वजह से केंद्रों पर आवक नहीं हो रही है। केंद्रों पर 12 फीसद या उससे कम नमी का गेहूं खरीदने का मानक है। अभी बिक्री के लिए आए गेहूं में 13 फीसद तक नमी पाई गई।

शाम 6 बजे तक खरीद

- केंद्र का समय - सुबह 9 से शाम 6 बजे तक
- समर्थन मूल्य - 2585 रुपये प्रति क्विंटल

मजदूर की हत्या कर सड़क पर फेंका शव

संवाददाता, निगोहां

- सोमवार से था लापता, मोबाइल व पर्स भी गायब
- परिजन ने दो दोस्तों पर जताया शक, साथी समेत कई हिरासत में

रैंकिश रावत

अमृत विचारः थाना क्षेत्र के बाबूखेड़ा मार्ग पर मंगलवार सुबह युवक का हत्या कर फेंका गया शव मिला। युवक सोमवार शाम से लापता था। परिजनों ने हत्या की आशंका जताते हुए दो दोस्तों व अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी। देर शाम पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हो गयी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में युवक के शरीर में आधा दर्जन से अधिक चोटों के निशान मिले हैं। निगोहां पुलिस ने हत्या के मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। पुलिस का मानना है कि नशे में हुए झगड़े के बाद युवक की हत्या की गई है। नदौली गांव निवासी रैंकिश रावत (22) रावत सोमवार सुबह मजदूरी के लिए घर से निकला था। लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटा। परिवारवालों ने खोजबीन की, लेकिन रैंकिश का कुछ पता नहीं चला। मंगलवार सुबह बाबूखेड़ा मार्ग पर गैस गोदाम के पास सड़क पर रैंकिश का शव संदिग्ध हालात में पड़ा मिला। शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसकी हत्या का आरोप लगाने लगे। ग्रामीणों ने घटना की सूचना डॉयल-112 पर दी। जानकारी मिलते ही निगोहां पुलिस मौके पर पहुंची।

वहीं, परिजन ने पुलिस को तहरीर दी कि रैंकिश की हत्या की गई है। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजन को सौंप दिया। मंगलवार देर शाम रैंकिश के शव गांव पहुंचा और परिजन ने गांव में ही अंतिम संस्कार कर दिया। बड़े भाई लवकुश ने बताया कि रैंकिश गांव के ही रामराज उर्फ टैटू और ब्रम्हदासपुर निवासी मिस्त्री नंदकिशोर संग लखनऊ मजदूरी करने गया था। रात तक घर न लौटने पर परिवार को अनहोनी की आशंका होने लगी थी।

वार्षिक उत्सव व प्रवेशोत्सव में किया मेधावियों का सम्मान

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सम्मानित किए गए विद्यार्थियों के साथ शिक्षिकाएं और अन्य।

अमृत विचारः उच्च प्राथमिक विद्यालय कसमण्डी कलां, मलिहाबाद में ''वार्षिकोत्सव एवं प्रवेशोत्सव'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी पद्मशेखर मौर्य व विशिष्ट अतिथि एआरपी हरिशंकर राठौर उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। समारोह के दौरान ''राष्ट्रीय आय योग्यता प्रतियोगी परीक्षा'' में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 8 के छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली संजीवनी, द्वितीय स्थान पर अनामका, तृतीय स्थान पर उमंग तथा चतुर्थ स्थान पर रहे प्रिंस कुमार गौतम को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। इसके अतिरिक्त कक्षा 8 की मेधावी छात्राओं संजीवनी, अनामिका और महक को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। प्रधानाध्यापिका विमला चन्द्रा, अजय कुमार, शाहिद अली आब्दी, अर्चना शुक्ला, रमिता मौर्या, जलीसुर्रहमान, पूनम मौर्या ने खंड शिक्षा अधिकारी का आभार व्यक्त किया।

होटल के बाहर सर्राफ भाइयों को पीटा, जेवर व रिवॉल्वर लूटी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- तीन नामजद और अज्ञात पर रिपोर्ट, दो हिरासत में

अमृत विचारः लखनऊ-रायबरेली हाईवे पर स्थित एक निजी होटल के पास सोमवार देर रात कार बैक करने के दौरान दो पक्षों में जमकर मारपीट हुई। आरोप है कि दूसरे पक्ष के लोगों ने सर्राफ भाइयों को मारपीट कर जेवर, नकदी और लाइसेंसी रिवॉल्वर लूट ली। डॉयल-112 पर सूचना मिलते ही मोहनलालगंज पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर तीन नामजद और अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की। पुलिस दो को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पीजीआई के तेलीबाग निवासी हेमन्त सोनी ने तहरीर में कि मोहनलालगंज कस्बे में चौराहा के पास लक्का ज्वैलर्स के नाम से उनकी दुकान है। सोमवार की देर रात दुकान बंद कर अपने बड़े भाई शंकर सोनी के साथ फुलवरिया मोड़ स्थित होटल एनट्रास में आयोजित एक बर्थडे में शामिल होने के लिए गया था। वहां से निकलते समय लगभग 10.30 बजे कार बैक करने को लेकर रवि सिंह उर्फ विक्की सिंह, आर्यन सिंह, निखिल सिंह उर्फ प्रिंस और अन्य अज्ञात युवकों से विवाद हो गया। कुछ देर बाद सभी आरोपी कार से पहुंचे।आरोपियों ने कार के आगे कार लगाकर रोक लिया। उसके बाद पीड़ित हेमंत व भाई शंकर सोनी को खींच कर बुरी तरह तरह मारपीट कर लाइसेंसी रिवाल्वर, मोबाइल और चेन छीन कर जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग गए। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। जानकारी की तो पता चला कि होटल में गोसाईंगंज के सर्राफ राजा गुप्ता नामक की बेटी का बर्थडे कार्यक्रम था। जिसमें पीड़ित और आरोपी पक्ष दोनों आमंत्रित थे। दोनों पक्ष एक-दूसरे के परिचित है। कार को बैक करने के दौरान दोनों पक्षों में मामूली बात को लेकर बहस हुई और मारपीट भी हुई। पुलिस ने सर्राफ हेमंत की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर दो युवकों को हिरासत में ले लिया है।

विरोध बिकामऊ में ग्रामीणों ने रास्ता रोक की नारेबाजी, अधिकारियों से नोकझोंक

अवैध प्लाटिंग तोड़ने गई जोनल समेत टीम को घेरा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

बिकामऊ में रिंग रोड स्थित चौराहे पर रास्ता रोककर नारेबाजी करते ग्रामीण।

अमृत विचार : बीकेटी क्षेत्र के बिकामऊ गांव में मंगलवार को अवैध प्लाटिंग ध्वस्त करने गए जोनल अधिकारी समेत टीम को लोगों ने घेर लिया। कार्रवाई का विरोध करके नारेबाजी की और आगे नहीं बढ़ने दिया। जोनल अधिकारी और प्राधिकरण पुलिस से नोकझोंक की। विवाद बढ़ता देख टीम बिना कार्रवाई के लौट आई।

सोमवार को जोन-1 के अंतर्गत ग्राम जुग्गौर में बिल्डरों और उसके समर्थकों ने इसी तरह घटना को अंजाम दिया था। प्रवर्तन जोन-4 के अंतर्गत ग्राम बिकामऊ में केपी सिंह, आशीष सिंह, राम प्रकाश, कमला, सुरेंद्र सिंह, अशोक शर्मा आदि ने मिलकर दो प्लाटिंग की। इसका प्राधिकरण से लेआउट स्वीकृत नहीं कराया। निर्माण अवैध होने पर विहित न्यायालय के आदेश पर जोनल अधिकारी माधवेश कुमार, अवर अभियंता व प्राधिकरण पुलिस बल के साथ मौके पर ध्वस्तीकरण करने पहुंचे। जैसे ही बुलडोजर आगे बढ़ाया तो बिल्डर व स्थानीय लोगों ने रिंग रोड स्थित चौराहे पर रोककर टीम को घेर लिया। समझाने पर नोकझोंक की। कार्रवाई का विरोध करके नारेबाजी की और रास्ता रोक लिया। बवाल बढ़ता देख टीम बिना कार्रवाई के लौट आई।

जोनल अधिकारी ने बताया कि आगे तिथि निर्धारित करके पुलिस बल के साथ ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेंगे। साथ ही विरोध करने वालों के खिलाफ तहरीर देंगे। सोमवार को जोन-1 अंतर्गत ग्राम जुग्गौर में अवैध रो-हाउस तोड़ने पर टीम को बिल्डर और उसके समर्थकों ने घेरकर हमले का प्रयास किया था। टीम किसी तरह जान बचाकर भागी थी। ठीक दूसरे दिन हुई घटना दर्शाती है कि अवैध निर्माण करने वालों को किसी तरह का खौफ नहीं है।

चार अवैध प्लाटिंग पर चला बुलडोजर

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विकास प्राधिकरण ने मंगलवार को चिनहट व बीकेटी क्षेत्र में 15 बीघा में चार अवैध प्लाटिंग बुलडोजर से ध्वस्त कर दी। ये कार्रवाई एलडीए से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना निर्माण करने पर की गई। प्रवर्तन जोन-4 के जोनल अधिकारी माधवेश कुमार ने बताया कि बीकेटी थानाक्षेत्र के ग्राम बिकामऊ कला में अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 5 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही 2 अवैध प्लाटिंग ध्वस्त की। प्रवर्तन जोन-5 की जोनल अधिकारी वंदना पांडे ने बताया कि चिनहट के ग्राम गोईला में अभियान चलाया गया। इस दौरान लगभग 10 बीघा क्षेत्रफल में की जा रही दो अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त की गई।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार,8 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

कुड़िया घाट बनेगा जनआंदोलन का केंद्र

अमृत विचार, लखनऊ : शहर की जीवनरेखा कही जाने वाली गोमती नदी के बढ़ते प्रदूषण को लेकर अब जनआंदोलन की शुरुआत होती दिख रही है। सामाजिक कार्यकर्ता और समग्र विकास इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रजभूषण दूबे ने कुड़िया घाट से एक अनोखा अभियान छेड़ा है। सोमवार को उन्होंने प्रतीकात्मक रूप से एक सीबीआई अफसर को जगाने का प्रयास किया, जो गोमती रिवर फ्रंट मामले की धीमी जांच पर सवाल उठाने का संकेत था। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए 13 अप्रैल 2026, वरुथिनी एकादशी के अवसर पर सुबह 7 बजे से 10 बजे तक कुड़िया घाट पर 'गोमती स्नान' का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में आनंदीबेन पटेल, योगी आदित्यनाथ, केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक समेत कई नेताओं को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा राजनाथ सिंह, अखिलेश यादव, अजय राय और मायावती को भी न्योता भेजा गया है। दूबे का कहना है कि यदि गोमती स्वच्छ है, तो जनप्रतिनिधियों को स्वयं इसमें स्नान कर उदाहरण पेश करना चाहिए।

विवाहिता प्रेमी के साथ फरार, रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, शाहाबाद, हरदोई : कोतवाली क्षेत्र निवासी विवाहिता अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। पीड़ित पति की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित पति के अनुसार 5 अप्रैल की रात उसकी पत्नी को कोतवाली शाहाबाद के ग्राम मुरीदापुर निवासी राजवीर पुत्र गंगाधर फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। उसकी पत्नी घर में रखा ज़ेवर और 15 हजार रूपए अपने साथ ले गई। उसने काफ़ी तलाश किया लेकिन कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने पीड़ित पति की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर विवाहिता की तलाश शुरू कर दी है।

महिला से दुष्कर्म में सात वर्ष का कारावास

अमृत विचार, हरदोई : घर में घुसकर दुष्कर्म करने से संबंधित मुकदमे में दोषसिद्ध पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट भूपेंद्र प्रताप ने आरोपित मनोज को सात वर्ष की कड़ी कैद की सजा सुनाई है। न्यायाधीश ने 35 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अभियोजन पक्ष के तथ्यों के अनुसार वादिनी मुकदमा ने 20 नवम्बर 2020 को थाना पाली पर रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें कहा गया कि 19 नवम्बर की रात को उसका पति गन्ना लेकर रूपापुर मिल गया था। तभी रात 11.30 बजे अभियुक्त मनोज निवासी ग्राम गजियापुर थाना पाली उसके घर में घुस आया और धमका कर वादिनी के साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता ने जब शोर मचाने का प्रयास किया तो आरोपी ने मुंह पर कपड़ा बांध दिया। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता सत्यम तिवारी द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों एवं तर्कों को सुनने के बाद न्यायाधीश ने अभियुक्त मनोज को दोषी पाते हुए सजा सुनाई। जुर्माने की धनराशि का 75 प्रतिशत पीड़िता को दिए जाने का भी आदेश दिया।

लापरवाही बरतने में एसआई निलंबित

अमृत विचार, हरदोई : यक्ष ऐप पर अपराधियों के सत्यापन की कार्यवाही में रुचि न लेते हुए अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने वाले एसआई अनुराग सिंह को निलंबित करते हुए जांच के आदेश दिए गए है। एसपी अशोक कुमार मीणा ने कोतवाली देहात में तैनात एसआई अनुराग सिंह (पीएनओ 234114838) को यक्ष ऐप पर अपराधियों के सत्यापन की कार्यवाही में रुचि न लेकर अपने दायित्वों के निर्वहन में लापरवाही बरतने के आरोप निलंबित कर दिया है।

अधिकारियों का वेतन प्राधिकरण पत्र होगा जारी

नियुक्ति अनुभाग-11 को मिली जिम्मेदारी, 1 अप्रैल 2026 से व्यवस्था लागू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बिना प्राधिकरण पत्र वेतन भुगतान पर संबंधित अधिकारी होंगे जिम्मेदार

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए राज्य सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के सभी अधिकारियों का वेतन प्राधिकरण पत्र जारी करने की प्रक्रिया को केंद्रीकृत कर दिया है। अब पहली अप्रैल 2026 से सभी अधिकारियों का वेतन प्राधिकरण पत्र शासन स्तर पर नियुक्ति अनुभाग-11 द्वारा जारी किया जाएगा।

प्रमुख सचिव कार्मिक एम. देवराज की ओर से मंगलवार को जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया है कि अब तक यह व्यवस्था केवल वरिष्ठ वेतनमान (उच्च स्तर) के अधिकारियों तक सीमित थी, लेकिन नई व्यवस्था के तहत सभी स्तर के अधिकारियों को इसमें शामिल किया गया है। नई व्यवस्था के अनुसार, अब सभी वेतन एवं भत्तों का आहरण और भुगतान नियुक्ति अनुभाग-11 द्वारा जारी प्राधिकरण पत्र के आधार पर ही किया जाएगा। यदि बिना प्राधिकरण पत्र के भुगतान होता है, तो संबंधित कोषाधिकारी, वित्त अधिकारी और आहरण-वितरण अधिकारी सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे।

नई व्यवस्था

- पहले सीमित अधिकारियों तक थी व्यवस्था, अब सभी शामिल
- वेतन प्राधिकरण अब सीधे शासन स्तर से जारी
- बिना प्राधिकरण भुगतान पर जिम्मेदारी तय
- पदोन्नति/स्थानांतरण पर नई प्रक्रिया अनिवार्य

प्रक्रिया में पारदर्शिता और नियंत्रण बढ़ेगा

शासनादेश में यह भी तय किया गया है कि पे-मैट्रिक्स लेवल-11 और उससे ऊपर के अधिकारी अपने वेतन का आहरण पूर्ववत स्वयं करेंगे, जबकि लेवल-10 तक के अधिकारियों का भुगतान संबंधित आहरण-वितरण अधिकारी द्वारा किया जाएगा। पदोन्नति या स्थानांतरण की स्थिति में संबंधित विभाग/जनपद द्वारा सेवा अभिलेख और प्रमाणपत्रों के साथ प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा, जिसके आधार पर नया वेतन प्राधिकरण पत्र जारी किया जाएगा। नई व्यवस्था में यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि किसी अधिकारी की वार्षिक वेतन वृद्धि रोकने का आदेश समय पर प्राप्त नहीं होता है, तो नियत तिथि पर स्वतः वृद्धि स्वीकृत करते हुए प्राधिकरण पत्र जारी कर दिया जाएगा।

गृह मंत्रालय से आए रिकॉर्ड देखने से हाईकोर्ट ने किया परहेज

विधि संवाददाता, लखनऊ

- राहुल गांधी की कथित दोहरी नागरिकता के मामले में अगली सुनवाई 15 को

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने छह अप्रैल को राहुल गांधी से जुड़े कथित दोहरी नागरिकता विवाद के मामले में इन-चैंबर सुनवाई के दौरान गृह मंत्रालय की ओर से आए रिकॉर्ड का परीक्षण करने से फिलहाल परहेज किया है। मामले की सुनवाई न्यायालय कक्ष के बजाय जज के चेंबर में हुई, क्योंकि केंद्र सरकार ने इसे संवेदनशील मुद्दा बताया था। अब मामले की अगली सुनवाई 15 अप्रैल को तय की गई है।

मंगलवार को हाईकोर्ट की वेबसाइट पर मामले का आदेश उपलब्ध कराया गया, जिसमें न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने कहा है कि केंद्र सरकार के अधिकारी रिकॉर्ड के साथ उपस्थित थे, लेकिन यह कोर्ट इस स्टेज पर राहुल गांधी के खिलाफ लगाए गए आरोपों की सत्यता की जांच नहीं करने जा रही, लिहाजा रिकॉर्ड का परीक्षण भी नहीं किया गया है। यह आदेश भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की याचिका पर पारित किया गया। याची ने 28 जनवरी 2026 को लखनऊ की विशेष एमपी/एमएलए अदालत के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग को खारिज कर दिया गया था। निचली अदालत ने कहा था कि नागरिकता का मुद्दा तय करने का अधिकार उसके पास नहीं है। याची ने राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और विस्तृत जांच की मांग की है। उन्होंने भारतीय न्याय संहिता, गोपनीयता अधिनियम, विदेशी अधिनियम और पासपोर्ट अधिनियम के तहत कई आरोप लगाए हैं।

रायबरेली में गैस रिसाव ने छीना दंपति का जीवन

सरेनी थाना क्षेत्र के लाला खेड़ा मजरे चहोतर गांव का मामला

संवाददाता, सरेनी-रायबरेली

अमृत विचार: एक साधारण सी रसोई, जहां हर रोज परिवार के लिए भोजन बनता था, वही बीती रात एक भयावह त्रासदी का कारण बन गई। गैस सिलेंडर से हुए रिसाव ने ऐसी आग पकड़ी कि उसने एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियां हमेशा के लिए छीन लीं। इस दर्दनाक हादसे में दंपति की मौत हो गई, जिससे पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है।

सरेनी क्षेत्र के लालाखेड़ा गांव में हादसे के बाद मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

थाना क्षेत्र के लाला खेड़ा मजरे चहोतर गांव निवासी छेदीलाल की पत्नी मालती देवी (50) मंगलवार की रात करीब आठ बजे घर में खाना बना रही थीं। इस दौरान अचानक गैस सिलेंडर से रिसाव हुआ और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की लपटों में घिरी मालती देवी की चीखें सुनकर उनके पति छेदीलाल उन्हें बचाने दौड़े, लेकिन वह भी इस हादसे का शिकार हो गए। ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर काबू पाया और दोनों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। आग से झुलसे दोनों को जलन ज्यादा होने के कारण डॉक्टर ने उन्हें लखनऊ रेफर कर दिया। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में देर रात करीब 12 बजे दोनों ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आपूर्ति निरीक्षक प्रदीप मिश्रा ने कहा कि पीड़ित परिवार को प्रशासन की ओर हर संभव मदद उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही लीकेज के कारण का भी पता लगाया जा रहा है। इसके बाद संबंधित पर कार्रवाई की जाएगी।

वहीं सरेनी थानाध्यक्ष रमेश चंद्र यादव ने कहा कि शार्ट-सर्किट से आग लगी है। मामले की मौके पर पहुंच कर जांच की गई है। कोई सिलेंडर फटने की खबर नहीं है। पोस्टमार्ट रिपोर्ट आने के बाद शासन से आर्थिक मदद दिलाई जाएगी।

सीवर, सड़क और शौचालय निर्माण की दें रिपोर्ट

ऐशबाग वार्ड में नगर आयुक्त ने किया औचक निरीक्षण, दिए सख्त निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मंगलवार को जोन-2 स्थित ऐशबाग वार्ड का औचक निरीक्षण किया। पीली कॉलोनी, रामनगर कॉलोनी समेत अन्य कॉलोनी में सीवर समस्या पर गंभीरता दिखाई और जीएम जलकल कुलदीप सिंह को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में सीवर कनेक्शन और पाइपलाइन नहीं है वहां का विस्तृत प्रस्ताव तैयार कर प्रस्तुत करें।

इसके अलावा नगर आयुक्त ने जोन-2 में निर्माणाधीन पीसीटीएस और सामुदायिक शौचालयों का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि इन कार्यों को एक माह के भीतर हर हाल में पूर्ण कराएं, ताकि आमजन को जल्द से जल्द इन सुविधाओं का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र में कई स्थानों पर जर्जर सड़कों और क्षतिग्रस्त नालियों की स्थिति भी सामने आई। इस पर नगर आयुक्त ने अभियंत्रण विभाग को निर्देश दिए कि सभी खराब सड़कों और नालियों की मरम्मत के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करें। उपलब्ध बजट के अनुसार प्राथमिकता तय करते हुए इन कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए। अमृत योजना के तहत बन रहे सेंट्रल पार्क का भी संज्ञान लिया और अधिकारियों को निर्देशित किया कि पार्क के हैंडओवर की प्रक्रिया से जल्द पूर्ण कर लें।

ऐशबाग क्षेत्र का निरीक्षण करते नगर आयुक्त गौरव कुमार। अमृत विचार

कूड़ा उठान और शिकायत निस्तारण में लाएं तेजी

नगर आयुक्त ने मंगलवार को स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से शहर के सभी आठों जोनों के कार्यों की समीक्षा की। सभी जोनल अधिकारी, जोनल सेनेटरी अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि ऑनलाइन जुड़े। नगर आयुक्त ने शहर में साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया और कूड़ा उठान में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए। अधिकारियों को चेतावनी दी कि कार्य में कमी मिली तो संबंधित एजेंसी और अधिकारियों पर कार्रवाई करेंगे। कहा कि स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम शहर की निगरानी का प्रमुख केंद्र है, इसलिए यहां से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर तुरंत कार्रवाई करें।

बाग में फंदे से लटका मिला युवक का शव, चल रहा था प्रेम प्रसंग, हत्या का आरोप

अमृत विचार, हरदोई: पिहानी क्षेत्र के ग्राम पंडरवा किला में मंगलवार सुबह युवक का शव गांव के बाहर आम के बाग में फंदे से लटका मिला। घटना की खबर फैलते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान अतुल (28) पुत्र महेंद्र के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि अतुल का गांव की ही एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था। युवती की शादी हो जाने की खबर मिलने के बाद वह 6 अप्रैल को दिल्ली से गांव लौटा था। परिजनों ने इस मामले में वाल्मीकि समाज के कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है।

लोको पायलट की सतर्कता से टला हादसा

संवाददाता, कमरौली-अमेठी

- तकनीकी खराबी आने से रोकी गई बेगमपुरा एक्सप्रेस यातायात रहा प्रभावित

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के सिन्दूरवा रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार को प्वाइंट 90 बी में आई तकनीकी खराबी के चलते रेल और सड़क यातायात बुरी तरह प्रभावित हो गया। वाराणसी से जम्मू तवी जा रही बेगमपुरा एक्सप्रेस को शाम करीब 4 बजे अचानक रोकना पड़ा। लोको पायलट की सतर्कता से संभावित बड़ा हादसा टल गया और हजारों यात्रियों की जान सुरक्षित रही।

ट्रैक पर रुकी बेगमपुरा एक्सप्रेस।

जानकारी के मुताबिक, रेलवे क्रॉसिंग से करीब 100 मीटर पहले स्थित प्वाइंट में गड़बड़ी का संकेत मिलते ही लोको पायलट ने तुरंत ट्रेन की रफ्तार धीमी कर सुरक्षित रूप से रोक दिया। तकनीकी खराबी के कारण ट्रेन करीब एक घंटे तक खड़ी रही, जिससे यात्रियों को परेशानी उठानी पड़ी। इस दौरान सद्भावना एक्सप्रेस, श्रमजीवी एक्सप्रेस, हिमगिरी एक्सप्रेस, फरक्का एक्सप्रेस और महाकाल एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनें प्रभावित रहीं।

उधर, रेलवे क्रॉसिंग का बैरियर लंबे समय तक बंद रहने से कमरौली-रजखेता मार्ग पर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया। स्कूली बच्चे, मरीज और रोजाना सफर करने वाले लोग घंटों फंसे रहे। कई लोग वैकल्पिक रास्तों की तलाश में भटकते नजर आए। सूचना पर पहुंची रेलवे की तकनीकी टीम ने काफी मशक्कत के बाद शाम 7:32 बजे खराबी दूर कर बैरियर खोला, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हुआ।

शिक्षा में एआई के उपयोग पर हुई चर्चा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश की परिषदीय शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और तकनीक आधारित बनाने की दिशा में सरकार ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को शामिल करने की पहल तेज कर दी है। इसी क्रम में लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 'एआई फॉर एजुकेशन इम्पैक्ट' स्टेट एक्शन डायलॉग आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षा में एआई के उपयोग पर व्यापक चर्चा हुई।

कार्यक्रम को संबोधित करते अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा। अमृत विचार

- 'एआई फॉर एजुकेशन इम्पैक्ट' स्टेट एक्शन डायलॉग आयोजित

अपर मुख्य सचिव पार्थ सारथी सेन शर्मा ने कहा कि एआई शिक्षकों का विकल्प नहीं, बल्कि उन्हें सशक्त बनाने का माध्यम है। बदलते समय में छात्रों को तकनीकी रूप से सक्षम बनाना जरूरी है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने रटने की बजाय नवाचार आधारित शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि एआई से ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों को भी आधुनिक तकनीक का लाभ मिलेगा। संपर्क फाउंडेशन के सहयोग से प्रदेश में एआई मॉडल को तेजी से लागू किया जा रहा है। अब तक 34 लाख बच्चों तक इसकी पहुंच बन चुकी है और 19 हजार विद्यालयों में एक लाख से अधिक शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है।

कृषि विज्ञान कांग्रेस आज से, योगी करेंगे उद्घाटन

- तीन दिन तक जुटेंगे देशभर के कृषि वैज्ञानिक

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में कृषि नवाचार और वैज्ञानिक शोध को बढ़ावा देने के उद्देश्य से त्रिदिवसीय उप्र. कृषि विज्ञान कांग्रेस 2026 का आयोजन बुधवार 8 अप्रैल से किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इसका उद्घाटन करेंगे और उत्कृष्ट कार्य के लिए चयनित 15 वैज्ञानिकों को सम्मानित भी करेंगे।

उप्र. कृषि अनुसंधान परिषद (उपकार) द्वारा आयोजित यह छठवीं कृषि विज्ञान कांग्रेस "ट्रांसफॉर्मिंग एग्रीकल्चर फॉर विकसित कृषि-विकसित भारत@2047" विषय पर केंद्रित होगी। कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ स्थित भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान में किया जाएगा, जहां तीन दिनों तक कृषि क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर मंथन होगा। उपकार के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह के अनुसार, आयोजित कार्यक्रम में देशभर के नामचीन कृषि वैज्ञानिक, शोधकर्ता और विशेषज्ञ भाग लेंगे। विभिन्न तकनीकी सत्रों के माध्यम से आधुनिक खेती, नई तकनीकों, जलवायु परिवर्तन, फसल उत्पादकता और किसानों की आय बढ़ाने जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

बाइक खाई में गिरी, युवक की मौत

अमृत विचार, हरदोई : सुरसा-बन्नापुर रोड तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर खाई में जा गिरी। जिससे उस पर सवार युवक ज़ख्मी हो गया। उसे इलाज के लिए डाक्टर के पास पहुंचाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। सुरसा थाने के गुलेलपुरवा मजरा मरसा निवासी 40 वर्षीय राकेश पुत्र जागेश्वर खेती-बाड़ी करता था। पिता जागेश्वर ने बताया कि सोमवार की देर रात राकेश बाइक से खेत पर जाने के लिए निकला, लेकिन उसी बीच सड़क के किनारे खाईं में जा गिरी।

नदी से शव खोजने वालों को पुलिस ने किया सम्मानित

अमृत विचार, हरदोई: शाहाबाद क्षेत्र में नदी में डूबे युवक के शव को खोजने वाले युवकों को पुलिस द्वारा सम्मानित किया गया। चार मार्च को ग्राम उधरनपुर निवासी एक युवक नहाने के लिए गर्रा नदी स्थित बेहटा कोला घाट गया था, जहां गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद उसकी तलाश लगातार जारी रही। अगले दिन पांच मार्च को जनपद शाहजहांपुर के थाना सेहरामऊ दक्षिणी क्षेत्र के ग्राम भरिगवां निवासी युवकों दिनेश पुत्र बाबूराम, रजत कश्यप पुत्र राजपाल, परशुराम, अनुज कश्यप, भन्नु और अंकज ने साहस और तत्परता दिखाते हुए नदी में उतरकर कड़ी मशक्कत के बाद शव को खोज निकाला। इन युवकों के इस सराहनीय कार्य के लिए अपर पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण ने सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री को किया गया दरकिनार : अजय राय

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्थापना दिवस कार्यक्रम में योगी की अनुपस्थिति पर कांग्रेस ने साधा निशाना

अमृत विचार: प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने भाजपा के स्थापना दिवस कार्यक्रम को लेकर सत्तारूढ़ दल पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को कार्यक्रम से दूर रखना भाजपा के भीतर गहरे असंतोष का संकेत है।

प्रेसवार्ता करते कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय।

मंगलवार को प्रेसवार्ता में अजय राय ने कहा कि स्थापना दिवस जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति और उन्हें वर्चुअल माध्यम से भी शामिल न किया जाना यह दर्शाता है कि पार्टी के अंदर मतभेद चरम पर हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल राजनीतिक संकेत नहीं, बल्कि भाजपा की आंतरिक स्थिति को उजागर करता है।

उन्होंने रोजगार, किसानों की आय दोगुनी करने और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरते हुए कहा कि 2022 के चुनावों में किए गए वादे आज भी अधूरे हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने वाराणसी का उदाहरण देते हुए कहा कि सरकार गोसंरक्षण के दावे करती है, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यवस्थाएं कमजोर हैं और गौमाता की दुर्दशा हो रही है। अजय राय ने बताया कि कांग्रेस पार्टी महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के अवसर पर अधिवक्ता सम्मेलन आयोजित करेगी। इसमें वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुर्शीद शामिल होंगे।

एसआई भर्ती में पद बढ़ाने को लिखा पत्र

अमृत विचार, लखनऊ : उप्र. कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने यूपीएसआई भर्ती 2025 को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर पदों में वृद्धि और चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने प्रतिवेदन देकर अपनी चिंताएं जताई हैं। करीब पांच वर्षों बाद हो रही इस भर्ती में लगभग 10.77 लाख अभ्यर्थी शामिल हुए हैं, जबकि पदों की संख्या कम है। अजय राय ने कहा कि पिछली भर्ती में 9534 पद थे, लेकिन इस बार पद कम होना युवाओं के साथ अन्याय है। उन्होंने रिक्त पदों को जोड़कर संख्या बढ़ाने की मांग की। साथ ही परिणाम के साथ नॉर्मलाइज्ड व सेक्शनल मार्क्स सहित स्कोरकार्ड जारी करने और अंतिम चयन के बाद वेटिंग लिस्ट जारी करने की भी अपील की, ताकि भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी और न्यायसंगत बन सके।

कब्र से शव निकालकर कराया पोस्टमार्टम

संवाददाता, हरदोई

- 27 मार्च को हादसे में हुई थी मौत सरकारी मदद के लिए परिजन ने डीएम से लगाई थी गुहार

अमृत विचार: सड़क हादसे में एक किशोर की मौत के बाद बगैर पोस्टमार्टम के उसका शव दफन कर दिया गया था, लेकिन बाद में उसके घर वालों ने सरकारी मदद की दरकार के साथ डीएम को अर्ज़ी दी, जिस पर हुए आदेश के तहत मंगलवार को कब्र खोद कर उसमें दफन किशोर का शव बाहर निकाल कर उसका पोस्टमार्टम कराया गया है, पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कब्र से किशोर का शव निकलवाते पुलिसकर्मी व मृतक की फाइल फोटो (इनसेट में)।

बतातें चलें कि पिहानी कोतवाली के सहादत नगर के 16 वर्षीय उज्जवल पुत्र अजीत सिंह 27 मार्च को बाइक से जा रहा था, उसी बीच बद्दापुर और पतौन मिश्र की पुलिया पर ट्रैक्टर की टक्कर से बुरी तरह से ज़ख्मी हो गया था, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। घर वालों ने बगैर पोस्टमार्टम कराए उसका शव दफन कर दिया था। बाद में उन्हें पता चला कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बिना कोई सरकारी मदद होना मुमकिन नहीं है, उसके बाद डीएम को अर्ज़ी देते हुए शव का पोस्टमार्टम कराने की मांग की थी, उसी के तहत डीएम के आदेश पर मंगलवार को नायव तहसीलदार अजीज़ अहमद, एसएचओ पिहानी छोटेलाल, राजेंद्र सहित हल्का नंबर 3 के पुलिसकर्मी व राजस्व टीम की मौजूदगी में वीडियोग्राफी के बीच कब्र खोद कर उसमें दफन किए गए शव को बाहर निकाल कर उसका पोस्टमार्टम कराया गया, पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

> 'घर वालों की मांग के चलते डीएम के आदेश पर पूरी कानूनी प्रक्रिया को अपनाते हुए कब्र खोद कर उसमें दफन शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है, पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई है'
>
> -अजीज अहमद, नायब तहसीलदार

6 अरब पी गईं जलजीवन मिशन की टंकियां, पीने को पानी नहीं

अरुण कुमार मिश्र, गोंडा

गौरवा गांव में अधूरी पानी की टंकी।

जल निगम के अनुसार

- 760- निर्मित एवं निर्माणाधीन पानी टंकी। ● 360- अधूरी। ● 400- का काम पूरा। ● 1400 करोड़ कुल लागत। ● 600 करोड़ मिले। ● 800 करोड़ की जरूरत। ● 1.5 साल से नहीं मिला बजट।

अमृत विचार : जल निगम के झूठ का पिटारा खुल गया है। जल निगम के प्रदेश कार्यालय से जारी पत्र में केवल तीन जगह जलापूर्ति बाधित दिखायी गयी है, जबकि जल जीवन मिशन ग्रामीण के तहत निर्माणाधीन पानी टंकियों में 50 प्रतिशत का निर्माण ही पूरा नहीं हुआ है। 1400 करोड़ से बनने वाली पानी टंकियां अब तक छह अरब रुपए पी गईं लेकिन ये टंकियां किसी की प्यास बुझाने के लायक तक नहीं हैं। इसके पीछे का कारण बजट का न मिलना है। अब 800 करोड़ रुपए की जरूरत है।

वर्ष 2022-23 में जल जीवन मिशन ग्रामीण के तहत जिले में 760 पानी की टंकियों के निर्माण की कवायद शुरू की गई। करीब 1400 करोड़ की लागत से इन टंकियों का निर्माण होना है। परियोजना के समापन का समय 2025 रखा गया था। लेकिन अब तक 50 प्रतिशत पानी टंकियों का निर्माण ही नहीं हो सका है।

मिशन को रफ्तार देने के लिए बंद कमरे में अधिकारी हर माह मीटिंग करते रहे लेकिन मौके पर अधिकारी जाने से कतराते रहे। इसके पहले की योजना के तहत बनाई गईं पानी टंकियों में भी 60 प्रतिशत निष्प्रयोज्य हैं। परसपुर के डोमाकल्पी में पंप भवन बना है लेकिन मोटर नहीं लगा। टंकी भी नहीं बनी है। कटरा बाजार के तिलका में पानी टंकी कंप्लीट है लेकिन जलापूर्ति नहीं शुरू हुई है। गंडाही में निर्माण अधूरा है। रायपुर में आधी जगह पाइप लाइन डाली गई है। पूरे बहोरी में ठेकेदार काम अधूरा छोड़ गया। चुर्रामुर्रा गांव पंचायत में आधी अधूरी पाइप लाइन डाली गई है। पंप भवन बन गया तथा मोटर भी लग गया लेकिन पानी टंकी का निर्माण नहीं कराया गया। रामापुर में भी आधा काम छोड़ कर एक साल से ठेकेदार फरार है।

जल निगम का आयुक्त को लिखा गया पत्र

उत्तर प्रदेश जल निगम के प्रबंध निदेशक डॉ. राजशेखर ने आयुक्त देवीपाटन मंडल को पत्र लिखकर जलापूर्ति बाधा दूर करने की अपेक्षा की। इसमें दिखाया गया है कि जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल उपलब्ध कराने के लिए निर्माण कार्य प्रगति पर है। कुछ जगहों पर अस्थाई बाधाएं हैं जिनमें उपकरणों की चोरी, विद्युत आपूर्ति की समस्या, अनधिकृत टुल्लू पंप, लोकल रिपेयरिंग के कारण आपूर्ति बाधित है। इसमें गोंडा जिले में तीन जगहों पर रोड चौड़ीकरण को बाधा दिखा गया है। बलरामपुर में आठ जगह पर उपकरण चोरी, सात जगह रोड चौड़ीकरण सहित अन्य दोष दर्शाए गए हैं। इसी तरह श्रावस्ती में भी दिखा गया है। सवाल यह है कि जब 50 प्रतिशत काम ही नहीं हुआ तो जलापूर्ति कैसे बाधित है?

15 अप्रैल तक बजट मिलने का अनुमान

आधी से अधिक पानी टंकी का निर्माण पूरा हो गया है। 1400 करोड़ लागत का 40 प्रतिशत बजट मिला था। पिछले डेढ़ साल से बजट ही नहीं आया। कुछ बजट अभी मिला है और 15 अप्रैल तक बजट मिलने का अनुमान है। बजट मिलते ही सभी अधूरे कार्य पूरे करा दिए जाएंगे।

– **महेंद्र सिंह**, अधिशासी अभियंता, जल निगम, गोंडा

विवाहिता को गर्म चिमटे से दागा

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : दहेज उत्पीड़न के पुराने मामले में सुलह के बावजूद ससुराल आई विवाहिता के साथ न सिर्फ मारपीट की गई बल्कि उसे गर्म चिमटे से जलाया गया। यही नहीं उसे ससुराल से भगा दिया गया। मायके में रह रही विवाहिता ने ससुरालियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के ग्राम बांसा की रहने वाली सीमा देवी के अनुसार, उसका विवाह करीब दो साल पहले लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र के फैजुल्लागंज निवासी रमेश चंद्र कश्यप के साथ हुआ था। शादी के बाद से ही पति, सास, जेठ और ननद द्वारा दहेज में एसी और 10 लाख की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जाता था। पहले भी महिला थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

सूर्य कुंड के पड़ाव पर पहुंची 84 कोसी परिक्रमा यात्रा

आस्था

- जय श्रीराम के जयकारों से गूंज रहा परिक्रमा पथ

रामपुरभगन, अयोध्या।

अमृत विचार: ऊंच गांव स्थित सूर्यकुंड में अयोध्या धाम की 84 कोसी परिक्रमा करने वालों ने ठहराव किया। पड़ाव स्थल पर श्रद्धालुओं की सेवा में सामाजिक कार्यकर्ता पवन कुमार मिश्रा अपनी टीम के साथ जुटे रहे। चरावां ग्राम सभा के पूर्व प्रधान संदीप तिवारी ने भी सेवा कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई। श्रद्धालु रात्रि विश्राम कर अगले दिन यात्रा के लिए प्रस्थान करेंगे।

श्रीरामलला चैरिटेबल ट्रस्ट एवं श्री सद्गुरु कृपा मण्डल के तत्वावधान में आयोजित यह परिक्रमा महंत स्वामी गया शरण जी महाराज के नेतृत्व में आगे बढ़ रही है। करीब 240 किलोमीटर लंबी यह परिक्रमा पांच जिलों से होकर गुजरती है। लगभग 22 दिनों तक चलती है। यात्रा के दौरान साधु-संतों और श्रद्धालुओं का जत्था विभिन्न पड़ावों पर रुककर पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेता है। पूरे क्षेत्र में जय श्रीराम के जयकारों से माहौल भक्तिमय बन गया है।

वैश्विक शांति के लिए तीर्थ यात्रा पर आ रहे भक्त

अयोध्या, अमृत विचार : अमेरिका-ईरान-इजराइल व रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति व वैश्विक शांति, सद्भाव के लिए 101 भक्तों का जत्था राम मंदिर तीर्थ यात्रा पर 9 अप्रैल को अयोध्या पहुंच रहा है। वैश्विक भारत ब्रांड एंबेस्डर व अध्यक्ष दिल्ली स्ट्डी ग्रुप डॉ. विजय जौली के द्वारा चौथी बार 9 अप्रैल को अयोध्या की यात्रा पहुंच रहे है। वह सरयू नदी में स्नान कर हनुमानगढ़ी, कनक भवन, नागेश्वरनाथ मंदिर, गुप्तार घाट व अन्य पौराणिक स्थलों का भ्रमण कर पूजन अर्चन करेंगे, 10 अप्रैल को सुबह 9 .30 बजे अयोध्या राम मंदिर में सभी राम भक्त एक साथ दर्शन करेंगे। डॉ. जौली ने बताया कि दर्शन के पहले सुबह जानकी महल धर्मशाला में विशेष अनुष्ठान पूजन और हवन का आयोजन किया जायेगा। जहां सभी तीर्थ यात्री वर्तमान युद्ध की समाप्ति के लिए विशेष प्रार्थना करेंगे।

बरेली में मदरसे की छात्रा से कैफे में सामूहिक दुष्कर्म, हालत बिगड़ी

पहले दोस्त ने रेप किया, फिर साथियों से कराया सामूहिक दुष्कर्म, 7 पर एफआईआर

संवाददाता, भोजीपुरा, बरेली

घिनौना कृत्य

- अश्लील वीडियो बनाकर छात्रा को किया गया ब्लैकमेल
- कैफे संचालक भी निकला शैतान तलाश में जुटी पुलिस

अमृत विचार : मार्कशीट लेने जा रही मदरसे की छात्रा से कैफे में गैंगरेप का सनसनीखेज मामला सामने आया है। नाबालिग लड़की को पहले उसका दोस्त बहाने से ले गया था और रेप कर अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद ब्लैकमेल करते हुए छात्रा से दूसरे बार 7 लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया। हालत बिगड़ने पर परिवार को पता लगा तो थाने में शिकायत की गई। पुलिस ने घटना में शामिल कैफे संचालक सहित 7 लोगों के खिलाफ पॉक्सो सहित संगीन धाराओं में केस दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, भोजीपुरा थाना क्षेत्र की रहने वाली नाबालिग किशोरी मदरसे में पढ़ती है। 19 मार्च को उसे खजुरिया निवासी असद हैदर उर्फ करन फुसलाकर जादौंपुर स्थित एक कैफे में ले गया। कैफे की छत पर बने कमरे में असद ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया और उसके अश्लील वीडियो भी बना लिया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसने छात्रा को चुप रहने के लिए मजबूर कर दिया। डर के मारे छात्रा ने परिजनों को कुछ नहीं बताया। घटना के पांच दिन बाद 2 अप्रैल को छात्रा जादौंपुर के पास स्कूल से अंकपत्र लेने जा रही थी। तभी कस्बे का चांद उसो मिला और बाइक पर बिठाकर फिर उसी कैफे में ले गया। वहां असद हैदर के साथ छह अन्य युवक पहले से मौजूद थे। आरोप है कि चांद के साथ उसके साथियों ने बारी-बारी से छात्रा के साथ दरिंदगी की। फिर जान से मारने व वीडियो वायरल करने की धमकी दी।

पीड़ित छात्रा ने परिजनों को बतायी आपबीती

पांच दिन में दो बार रेप व गैंगरेप का शिकार बनी पीड़ित छात्रा कैफे में हैवानियत के बाद किसी तरह घर पहुंची। उसकी तबियत खराब थी। परेशान होकर उसने घरवालों से दवा दिलाने को कहा। उसकी हालत देख परिजनों ने समझाकर पूछताछ की, तब उसने रोते हुए आपबीती सुनाई। बेटी के साथ हुई घटना से परिवार परेशान हो गया। छात्रा के ताऊ ने कार्रवाई के लिए थाना भोजीपुरा में शिकायत की तो पुलिस तुरंत कार्रवाई में जुट गई। थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी असद हैदर उर्फ करन निवासी खजुरिया के अलावा चांद, समीर अहमद, बंटी, सैफी (कैफे संचालक) व दो अज्ञात के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। एसपी नार्थ मुकेश चन्द्र मिश्र का कहना है कि पुलिस तेजी से जांच में जुटी है। दोषियों पर कड़ा एक्शन लिया जाएगा।

कारागार में बंदी की संदिग्ध हालात में मौत

संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: जिला कारागार में बंद एक बंदी की संदिग्ध परिस्थितियों में आत्महत्या से हड़कंप मच गया। धनपतगंज थाना क्षेत्र के सेवरा चरथई गांव निवासी नकछेद (45) का शव सोमवार देर रात बैरक के शौचालय में प्लास्टिक की रस्सी के सहारे लटका मिला।

नकछेद को बीते 25 मार्च को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया था। उस पर आरोप था कि उसने 23 मार्च की रात फोन न उठाने से नाराज होकर अपनी पत्नी कुसुम (42) की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी थी। घटना के वक्त उसके छोटे बच्चे भी घर में मौजूद थे।सोमवार की रात करीब डेढ़ बजे जेल में उसका शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। इस घटना के बाद परिजनों ने जेल प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

मृतक के बड़े बेटे तिलक राज, जो पंजाब में काम करता है, ने बताया कि सुबह सूचना मिलने पर वह जेल पहुंचा, लेकिन तब तक शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा चुका था। उसने कहा कि अब माता-पिता दोनों के न रहने से छोटे भाई-बहनों की जिम्मेदारी उसके कंधों पर आ गई है। परिवार में 9 वर्षीय उदयभान और 8 वर्षीय दीक्षा सहित तीन बच्चे हैं, जिनके सामने अब भविष्य की बड़ी चुनौती खड़ी हो गई है। फिलहाल प्रशासन मामले की जांच में जुटा है और जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं०	106–सिग/टेंडर/01/2026–27
कार्य का नाम: एस एंड टी कार्य आई.सी.डब्ल्यू, उत्तर रेलवे के एलकेओ डिवीजन पर नवीनतम आरडीएसओ दिशानिर्देश संख्या– आरडीएसओ–एसआईजीओएसपीडी (पीआरओजे)/1/2020, दिनांक 01.01.2025 के अनुसार अर्थिंग व्यवस्था में सुधार।	
अनुमानित लागत	रु 52842608.35/–
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु 1056900.00/–
कार्य पूरा करने की अवधि	365 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	27.04.2026 15:30 Hrs.
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/म.रे.प्र. कार्यालय परिसर/उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in के अन्तर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।

- समस्त नियम एवं शर्तें निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
- मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी।
- निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू० सं०–106–सिग/टेन्डर/01/2026–27 दिनांक: 06.04.2026

1150/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

युवक का अपहरण कर पीटा, पार्क में फेंका

कानपुर, अमृत विचार : चकेरी के श्याम नगर में सोमवार रात को कार सवार बदमाशों ने पुराने विवाद में अंडा दुकानदार को अगवा कर लिया। इसके बाद कार में उसे मारापीटा। घटनास्थल से 150 मीटर दूर एक पार्क में फेंककर भाग निकले। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुलिस से शिकायत की। युवक को कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। श्यामनगर निवासी अभिषेक गुप्ता पीएसी मोड़ के पास अंडे की दुकान लगाते हैं। अभिषेक के दोस्त सनी ने बताया कि सोमवार रात अभिषेक के ठेले पर कार सवार चार-पांच बदमाश आए और पुराने विवाद को लेकर अभिषेक को गालियां देकर कार से अगवा कर लिया। अभिषेक को चलती कार में पीटा। फिर घटनास्थल से करीब 150 मीटर दूर महाराजा पार्क में फेंक दिया और भाग निकले।

महापंचायत की तैयारियों पर चर्चा

हैदरगढ़, बाराबंकी, अमृत विचार : भाकियू आराजनैतिक की बैठक ब्लॉक परिसर स्थित शिव मंदिर में हुई। अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष आदिल खान ने की और तहसील अध्यक्ष कुंवर बहादुर सिंह की उपस्थिति रही। संचालन युवा ब्लॉक अध्यक्ष फूल चन्द्र रावत ने किया। बैठक में तहसील अध्यक्ष ने आगामी 9 अप्रैल को बाराबंकी गन्ना दफ्तर में होने वाली महापंचायत की सफलता की रणनीति बनायी गयी।

ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या करने वाले 6 आरोपी बंदी

नवाबगंज, गोंडा, अमृत विचार: तुलसीपुर माझा में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने 7 घंटे के भीतर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अन्य पांच आरोपियों को भी गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष अभय सिंह के नेतृत्व में पुलिस मुख्य आरोपी राहुल यादव को गिरफ्तार कर लिया, जबकि अन्य पांच आरोपियों को भी दबोच लिया गया। बीते रविवार की शाम पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों ने रामरंग पर हमला कर दिया। राहुल ने ट्रैक्टर से उसे कुचल दिया। वहीं अंकित ने बांका से हमला कर दिया था। रामरंग को गंभीर हालत में जिला अस्पताल गोंडा में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। मृतक के भाई उमेश यादव की तहरीर पर पुलिस ने सात नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी थी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना सं. माँ/246/1/15/26–27/ओटी–02 मुख्य कारखाना प्रबंधक, पूर्वोत्तर रेलवे इज्जतनगर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए निविदा प्रपत्र में अंकित योग्यता मापदंडो के अनुसार ई–निविदाएँ आमंत्रित की जाती है, **क्रम सं. : 1, कार्य का संक्षिप्त विवरण :** यॉत्रिक कारखाना, इज्जतनगर में ग्लोबल इंजीनियरिग लिमिटेड नयी दिल्ली मेक के स्प्रे पेंटिंग बूथ बेकिंग अवन सहित के संचालन एवं बीजी आईसीएफ/स्पार्ट/एनएमजीएच/एनएमजीएचएस/आईओएच/एमजी बोगी व उनके अवयवों की पेंटिंग का कार्य 20 माह अवधि हेतु एच (स्कोप ऑफ वर्क के अनुसार) **अनुमानित मूल्य (रु० में) : ₹** 5432169.32 (रुपये चौवन लाख बत्तीस हजार एक सौ उनहत्तर और बत्तीस पैसे मात्र), **बिड सिक्योरिटी (रु० में) :** ₹1,08,700/– (रुपये एक लाख आठ हजार सात सौ रूपये मात्र), **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु०) :** शून्य, **कार्य अवधि :** 20 माह, **निविदा खुलने की तिथि व समय : 27.04.2026 15:30 बजे, नोटः–** 1. उपरोक्त ई–निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित दिनांक 04.04.2026 को समय 13:00 बजे से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर टेंडर खुलने की तिथि 27.04.2026 को 15:00 बजे तक उपलब्ध है। 2. उपरोक्त निविदा में ई–बिड के अतिरिक्त किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेंडरों को चाहिए कि वो अपने आपको IT Act 2000 के अंतर्गत CA द्वारा जारी क्लास–।।। डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ ireps वेबसाइट पर पंजीकृत कराएं। 3. निविदा की दरे केवल डिजिटल हस्ताक्षरित ऑनलाइन दर्ज करने पर ही विचारणीय हैं। यदि निविदा प्रपत्र में विशेषतः उल्लेखित नहीं है, ऐसी स्थिति में दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी लैटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तोर पर अस्वीकृत कर दिया जायेगा। 4. ई– निविदा हेतु बिड सिक्योरिटी का भुगतान नेट बैंकिंग अथवा भुगतान गेटवे अथवा निविदा प्रपत्र के अनुसार स्वीकार किया जायेगा।

उपमुयाँइ/उत्पादन

यांत्रिक कारखाना, पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर

मुजाधि/यांत्रिक–03

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

राजनीतिक कनेक्शन व बड़े-बड़े डॉक्टरों के नाम बताए

किडनी कांड

- कोर्ट के आदेश पर मंगलवार को हुई पूछताछ, दलाल शिवम से पुलिस ने पूछे 144 सवाल
- एक फरार सदस्य की लोकेशन साइबर टीम को महाराष्ट्र में मिली, रवाना

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। न्यायालय के आदेश पर मंगलवार को पुलिस टीम ने किडनी कांड में दलाल शिवम अग्रवाल उर्फ शिवम काणा से पूछताछ की। 144 सवालों पर काणा बौखला गया। शुरूआत में वह मौन रहा, हालांकि बाद में उसने चुप्पी तोड़ी। उसने राजनीतिक कनेक्शन का खुलासा और शहर के कई बड़े डॉक्टरों के भी नाम बताए। पुलिस के क्रास सवालों में फंसकर वह घबराया तो कई बार पानी मांगा। पुलिस ने शिवम व उससे जुड़े बैंक खातों की भी जानकारी की। ट्रांजेक्शन की भी जांच की है। वहीं किडनी कांड की जांच में लगी साइबर टीम को एक सदस्य की लोकेशन महाराष्ट्र में मिली है। टीम वहां रवाना हुई है।

किडनी ट्रांसप्लांट मामले में जांच में लगी साइबर टीम को सिंडिकेट के एक सदस्य की लोकेशन महाराष्ट्र में मिली है। टीम वहां के लिए रवाना हुई है। वहीं, लखनऊ के राम मनोहर लोहिया हॉस्पिटल में आयुष से भी पूछताछ करने एक टीम पहुंची। पता चला कि देहरादून की ग्राफिक एरा से उसने पढ़ाई ही नहीं की। वह उत्तरांचल यूनिवर्सिटी का छात्र है, उसने झूठ बोला था। किडनी कांड में दलाल शिवम अग्रवाल उर्फ शिवम काणा से मंगलवार को कोर्ट के आदेश पर पुलिस की एक टीम ने पूछताछ की। टीम के तीन लोगों ने उससे 144 सवाल किए। कई सवालों के जवाब पर वह खामोश रहा।

उसने शहर के कई बड़े डॉक्टरों के नाम भी बताए। पूछताछ के बाद पुलिस टीम बयानों को पुख्ता करने की जांच में जुटी है। हालांकि किसी भी बड़े डॉक्टर की अभी तक किडनी कांड में संलिप्तता के प्रमाण नहीं मिले हैं। शिवम के बैंक खातों की भी पुलिस ने पड़ताल की है। शिवम के खाते से कई बड़े ट्रांजेक्शन भी हुए हैं। लोगों से उसका व्यापारिक संबंद्ध भी है। उसने बताया कि वह हेल्थ से जुड़े इक्विपमेंट सप्लाई करता है। पुलिस टीम लेनदेने से जुड़े लोगों की तलाश में भी है। यह पता किया जा रहा है कि लेनदेन किडनी के संबंद्ध में तो नहीं है।

टेलीग्राम पर दो डॉक्टर भेजते थे गेम के लिंक

पुलिस जांच में सामने आया कि डॉक्टर व उनकी टीम टेलीग्राम मैसेजिंग एप पर गेमिंग के ग्रुप बनाए थे। जिसे डॉ. अफजाल व डॉ. मुदस्सिर अली चलाते थे और टास्क वाले गेम के लिंक भेजे जाते थे। लॉग इन करने पर खिलाड़ी को अपना अकाउंट बनाना होता था। हर खिलाड़ी को बोनस फंड देकर खेलने के लिए उत्साहित किया जाता था। पहले आसान टास्क दिया जाता फिर जीती रकम उनके अकाउंट में ट्रांसफर की जाती। फिर गेम मुश्किल होता जाता। लोग हारने लगते। जीतने के चक्कर में लोग उधार लेकर खेलते व हारते। इसके बाद उनसे डॉ. अफजाल टीम का सदस्य संपर्क करता। हारी हुई रकम चुकाने का दबाव बनाता। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि किडनी डोनेट करने के लिए लोगों मनोवैज्ञानिक दबाव बनाया जाता।

ब्रेनवॉश के लिए सिंडिकेट में मौजूद थे सदस्य

डोनर का ब्रेनवॉश करने के लिए सिंडिकेट में सदस्य मौजूद थे। जो एक किडनी से सामान्य जीवन जीने की बात कहते। देश में बड़ी हस्तियों का नाम लेकर डोनर को तैयार करते थे। इनकार पर डोनर को अमेरिका व लंदन की रिसर्च भेजी जाती।

चकबंदी से जुड़े मामलों का जल्द करें निस्तारणः डीएम

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी की अध्यक्षता में जनपद के चकबंदी कार्यों एवं लंबित वादों की अद्यतन समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट परिसर स्थित लोकसभागार में आयोजित की गई। बैठक में बताया गया कि विगत एक वर्ष में जनपद के छह ग्राम कुड़ीन, बछराजमऊ, बाबुआपुर, खंडसरा, ओदार और खुज्जी में धारा-52 का प्रकाशन कराया गया है। यह चकबंदी प्रक्रिया का अंतिम और महत्वपूर्ण चरण है, जिसके बाद ग्राम के अंतिम अभिलेख व खतौनी विधिवत प्रकाशित होकर नवीन अभिलेख प्रभावी हो जाते हैं। इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों की सराहना की और निर्देश दिए कि अन्य ग्रामों में भी चकबंदी कार्यों को इसी गति से पूरा किया जाए। जिलाधिकारी ने प्रत्येक पीठासीन अधिकारीवार लंबित वादों की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि 3 से 5 वर्ष तथा 5 से 10 वर्ष तक लंबित मुकदमों की साप्ताहिक सुनवाई सुनिश्चित की जाए और उनका गुण-दोष के आधार पर शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में पुराने वाद अनावश्यक रूप से लंबित न रहें। उन्होंने यह भी कहा कि चकबंदी से जुड़े मामलों का समयबद्ध निस्तारण कास्तकारों को त्वरित न्याय प्रदान करेगा।

लखनऊ विकास प्राधिकरण

(ISO 14001:2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)

प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.), पी.बी.एक्स. नं. : 1800 1800 5000, वेबसाइट : www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की आवासीय/व्यावसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामान्तरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना–पत्र प्रस्तुत किया गया है :–

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन/भूखण्ड संख्या	योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्ति कर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से (मृतक) सम्बन्ध
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	स्व० पंकज कुमार धानुक	फ्लैट सं०– E-6/433 से०–6 गोमती नगर विस्तार, लखनऊ	गोमती नगर विस्तार योजना	मृत्यु दिनांक 26.03.2024	श्री आशीष कुमार धानुक	श्रीमती रंजना कुमारी श्री रजनीश कुमार धानुक श्री मनीष कुमार धानुक	बहन (विवाहित) भाई भाई
2.	आवंटी/मृतक श्री ओमप्रकाश सिंह	भूखण्ड संख्या– बी० 2/19, सेक्टर–एच	कानपुर रोड	01.04.2017	श्री निरंजन लाल सिंह	श्री हरी राम सिंह श्री कन्हैया लाल सिंह	भाई
3.	स्व० साधना	भूखण्ड सं०– ए–2/86	विजय खण्ड गामती नगर	09.07.2022	श्री प्रतीक कुमार यादव (पुत्र)	–––	पुत्र
4.	आवंटी/मृतक श्रीमती जगन्नाथी देवी	भवन संख्या– 3/658, सेक्टर–एच	कानपुर रोड	27.07.2008	श्री लखन लाल गुप्ता	श्री भगवती प्रसाद गुप्ता श्री देवी प्रसाद गुप्ता श्री रामजी लाल गुप्ता	पुत्र
5.	श्री अर्जुन सिंह	भूखण्ड संख्या– S-265 फेज–1	ट्रांसपोर्ट नगर	05.05.1997	श्री सुरेन्दर पाल सिंह	श्रीमती पुष्पिन्दर कौर श्रीमती दरविन्दर कौर	पुत्र

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से **30 दिनों** के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम–6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैने अपने पुत्र विराज (जन्मतिथि 9/10/2023) का नाम बदलकर राजविक कर लिया है सभी शैक्षिक दस्तावेजों आधार में राजविक नाम से जाना व पहचाना जाय। **विकास कुमार** 125 A -W2 **संकल्प सदन अपार्टमेंट फ्लैट न 2 जूही कला कानपुर नगर**

सूचना

मैं अनुज कुमार पुत्र श्री कृष्ण बाबू ,निवासी ग्राम दुवाई, पो0–गडाथा घाटमपुर जनपद–कानपुर नगर, मेरा हाईस्कूल यूपी बोर्ड परीक्षा वर्ष 2019 अनुकमांक 1281217 का अंक पत्र प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है।

सूचना

मैंने अपने पुत्र सुधीर व पुत्रवधू सुधा पत्नी सुधीर के गलत आचरण एवं चाल चलन के चलते संबंध विच्छेद कर समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उनके किसी भी कात्य या लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता या सरोकार नहीं होगा वह स्वयं जिम्मेदार होगें– **रामसिंह पुत्र रामेश्वर दयाल –निवासी– ग्राम व पोस्ट उमरैन–थाना ऐरवाकटरा–तहसील–बिधूना–जिला –औरैया।**

सूचना

I SATYAVATI IS MOTHER OF ARMY NO 14659427P HAV SHIV KUMAR TIWARI IS SERVING AT 201 FD WKSP COY EME C/O 56 APO AT VILL SIRHI POST ITARA DIST KANPUR NAGAR STATE UP PIN 209214 I HAVE CHANGED MY NAME FROM SATYAVATI TO SATYAWATI AND DOB FROM 01/07/1966 TO 04/06/1964 IN MY ALL DOCUMENTS AFFIDAVITE DATE 07 APR 2026 BEFORE THE DISTRICT COURT KANPUR NAGAR (UP)

सूचना

मैने अपना नाम VIJAY KUMAR से बदलकर VIJAY KUMAR SINGAL रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-ROOPCHAND SINGAL ADD-B-5 SECTOR-E, PO-ALIGANJ DIST-LUCKNOW-226024 (U.P.)

सूचना

This is to inform the general public that my daughter, Akanksha Srivastava, is a student of Class 9-C at St. Joseph Montessori School, Rajajipuram, Lucknow. While all her records list her father's name as Pawan Kumar Srivastava and her mother's name as Shalinee Shree. The school records erroneously list her mother's name as Shalini Srivastava. The correct name is Shalinee Shree, which should be duly recorded in the school records. Resident: C-2292, Rajajipuram, Lucknow

सूचना

मैंने अपना नाम ABDUL AHAD से बदल कर ABDUL AHAD AB RAUF KHAN रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: ABDUL RAUF R/O: POORE GANESH SEWARA PO SUKUL KA BAZAR AMETHI UTTAR PRADESH - 227405

सूचना

मै **विपिन कुमार पुत्र रामफेर पाल, निवासी– ग्राम पूरे शीतल मजरे खालिसपुर ब्लाक बहादुरपुर तहसील तिलोई, जनपद –अमेठी,** मेरी तीन सन्तानें क्रमशः 1. ऐल्जा पाल, 2. ऐल्सा पाल, 3. आयू पाल है तथा जन्मतिथि–17/07/2021 है। जिनका नाम बदलकर मैने क्रमशः 1. ऋषिका पाल, 2. हर्षाली पाल, 3. प्रतीक पाल रख लिया है। भविष्य में उन्हें उपरोक्त नामों से ही जाना व पहचाना जाय।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पिता का नाम राकेश कुमार सक्सेना है परन्तु मैने अपने सभी अभिलेंखो मे अपने पिता के नाम का सरनेम सक्सेना हटा दिया है। अब मुझे हर्ष श्रीवास्तव पुत्र राकेश कुमार के नाम से जाना व पहचाना जाय। **हर्ष श्रीवास्तव पुत्र राकेश कुमार, निवासी–सी 4124 से0–12 राजाजीपुरम् लखनऊ।**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मै अपने बड़े पुत्र सतीश कुमार के गलत चाल–चलन एवं चरित्र से मै और मेरा पूरा परिवार काफ़ी परेशान हो गया है, मै अपने पूरे होश–हवाश में अपने बड़े पुत्र सतीश कुमार को अपने संपूर्ण चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ, सतीश कुमार द्वारा किये गए किसी भी कृत्य या लेनदेन से मेरा और मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा उसकी जिम्मेदारी उसकी स्वयं होगी। **प्रेम चन्द पुत्र राम लाल ग्राम–गायघाट, वि.ख.एवं थाना–छपिया, तहसील–मनकापुर, जिला–गोण्डा।**

न्यूज ब्रीफ

रोवर्स रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ

शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश जनपद के तत्वाधान में मंगलवार को शिवपति स्नातकोत्तर महाविद्यालय शोहरतगढ़ में रोवर्स रेंजर्स प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ स्काउट और गाइड ध्वजारोहण के साथ हुआ। प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो0 डा0 अरविन्द कुमार सिंह द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया गया। प्राचार्य ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण से बच्चों के अन्दर मानसिक शारीरिक, आध्यात्मिक, चारित्रिक आदि गुणों का विकास होता है। मुख्यालय से प्रशिक्षण दे रहे जिला संगठन आयुक्त शिविर संचालक अमित कुमार शुक्ल ने टोली विधि, टोली नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, उद्देश्य, सिद्धान्त, सैल्यूट आदि की जानकारी दी। सहयोगी प्रशिक्षक राम शर्मा ने शिविर के नियम प्रतिज्ञा आदि की जानकारी दी।

रोमनदेई में कई बीघे गेहूं की फसल जली

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड बढ़नी के रोमनदेई गांव में सोमवार शाम को बिजली के पोल से निकली चिंगारी से भीषण आग लग गई। इस घटना में 15 बीघा गेहूं की खड़ी फसल जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई। ग्रामीणों के मुताबिक, आग लगने का मुख्य कारण बिजली के पोल से निकली चिंगारी थी। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आग बुझाने के लिए रोमनदेई और आस-पास के गांवों से बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे। कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने मिलकर आग पर काबू पाया। इस अग्निकाण्ड में कई किसानों की खड़ी गेहूं की फसल पूरी तरह खाक हो गई।

नेपाल में पेट्रोलियम संकट गहराया, किए जा रहे उपाय

- वाहनों पर ऑड-ईवन सिस्टम लागू करने की तैयारी
- संकट के गंभीर होने पर दो दिन हो गया साप्ताहिक अवकाश
- इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग पर जोर, वर्क फ्रॉम होम की अपील

काठमांडू, नेपाल। मध्य पूर्व के संघर्ष के कारण नेपाल में भी ईंधन संकट काफी गहरा गया है।नेपाल सरकार ने ईंधन खपत को नियंत्रित करने के निहितार्थ शनिवार के साथ ही रविवार को भी साप्ताहिक अवकाश घोषित कर दिया है। सरकार ने लोगों से वर्क फ्रॉम होम करने का आग्रह किया है और कुछ ही दिनों में ऑड-ईवन सिस्टम लागू करने की तैयारी में भी है।

विश्व बाजार में ईंधन संकट गहराने व मूल्य वृद्धि के कारण नेपाल सरकार की पेशानी पर गहरे बल पड़ गए हैं।सरकार ने ईंधन की खपत को नियंत्रित करने के लिए सरकारी कार्यालयों, शैक्षिक संस्थाओं आदि में साप्ताहिक अवकाश 2 दिन कर दिया है,हालांकि कार्यालयों में वर्किंग आवर प्रातः10 बजे की बजाय अब 9 बजे कर दिया गया है।इसके अलावे आज संपन्न हुए मंत्रिमंडल की बैठक में लोगों से वर्क फ्रॉम होम करने की अपील की गई है। मंत्रिपरिषद के फैसले को बताते हुए केंद्रीय मंत्री प्रतिभा रावल ने लोगों से ऑफिस का काम घर से ही करने का आह्वान किया।उन्होंने बताया कि नेपाल में पेट्रोल, डीजल और केरोसिन को सस्ता बेचने के लिए इस पर लगने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट टैक्स में 50 फीसदी की छूट देने और राजपत्र में इसे प्रकाशित करने का भी निर्णय लिया गया है। उल्लेख कर दे कि नेपाल में पेट्रोलियम पदार्थों में करीब 30 रुपए तक की मूल्यवृद्धि होकर पेट्रोल करीब 202 तथा डीजल 182 ने.रू. में बिक रहा है। मंत्री रावल ने कहा 'विश्व बाजार में ईंधन की कीमत काफी बढ़ गई है।इसके मूल्य समायोजन की व्यावहारिक आवश्यकता है।' पेट्रोलियम उत्पादों की खपत को नियंत्रित करने के लिए रविवार को भी सार्वजनिक छुट्टी, शैक्षणिक संस्थाओं को 15 मई से शुरू करने,थोक बिक्री पर नियंत्रण, उच्च पदस्थ अधिकारियों के ईंधन कोटा में कटौती का निर्णय किया जा चुका है।उन्होंने कहा कि यदि जरूरत पड़ी तो देश भर में ऑड-ईवन सिस्टम लागू किया जाएगा।सरकार ने लोगों से वर्क फ्रॉम होम करने और इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग बढ़ाने का आग्रह किया है।

लाखों का फर्जीवाड़ा करने के आरोपियों को नहीं दी राहत

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फर्जी पीएचडी डिग्री और विश्वविद्यालय में नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपयों की ठगी करने वाले आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी रद्द करने से इनकार करते हुए कहा कि यह मामला समाज में एक चिंताजनक प्रवृत्ति को उजागर करता है, जहां लोग यह मानने लगे हैं कि धन देकर किसी भी प्रक्रिया, जैसे पीएचडी डिग्री या विश्वविद्यालय नियुक्ति को प्राप्त किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रवेश और नियुक्ति केवल निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया के तहत ही संभव है और इस प्रकार के अपराध समाज के नैतिक स्तर को प्रभावित करते हैं, जिन्हें दंडित किया जाना आवश्यक है। यह आदेश न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने प्रियंका सिंह सेंगर की याचिका को खारिज करते हुए दिया। याचिका में पुलिस स्टेशन स्वरूप नगर, कानपुर नगर में 14 सितंबर 2024 को आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज एफआईआर को निरस्त करने की मांग की गई थी।

11 को गणेश और 15 को शेषावतार मंदिर शिखर पर होगा ध्वज आरोहण

गणेश जी के मंदिर पर एलएंडटी के चेयरमैन व कंसलटेंसी के प्रबंध निदेशक चढ़ाएंगे ध्वज

अयोध्या कार्यालय।

अमृत विचार : राममंदिर के उप मंदिरों में ध्वज आरोहण कार्यक्रम के तहत 11 अप्रैल को गणेश मंदिर के शिखर पर ध्वज आरोहण होगा। कार्यक्रम एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रमण्यम व टाटा कंसलटेंसी के प्रबंध निदेशक अमित शर्मा द्वारा संपन्न होगा। वहीं शेषावतार मंदिर पर भी ध्वज आरोहण 15 अप्रैल को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य द्वारा किये जाने की संभावना है। शिव मंदिर पर ध्वजारोहण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों संपन्न होगा। जिसकी तिथि अभी सामने नहीं आई है। सभी कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट तैयारियों में जुटा है।

राम जन्मभूमि परिसर स्थित एक मंदिर में विराजमान शेषावतार।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा ने मंगलवार को बताया कि अप्रैल माह में राम जन्मभूमि परिसर में बेहद खास कार्यक्रम होने जा रहा है, 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के दिन हनुमान मंदिर के शिखर पर ध्वज आरोहण बजरंग दल के संस्थापक से लेकर पूर्व संयोजक और वर्तमान पदाधिकारियों के द्वारा किया गया था। राम मंदिर के मुख्य गर्भगृह के शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा ध्वजारोहण संपन्न हो चुका है।

तीन उप मंदिरों के शिखर पर हो चुका ध्वज आरोहण

राम मंदिर के 800 मीटर की परिधि में बने छह उप मंदिरों में से अब तक तीन पर ध्वजआरोहण हो चुका है। इसमें प्रण प्रतिष्ठा के वार्षिक उत्सव के दौरान 31 दिसंबर को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मां अन्नपूर्णा देवी मंदिर के शिखर पर ध्वज आरोहण किया था। इसके बाद अयोध्या के प्रमुख साधु-संतों के द्वारा सूर्य मंदिर पर और 2 अप्रैल को हनुमान मंदिर के शिखर पर बजरंग दल ने ध्वज का आरोहण किया है।

हिन्दुओं का जबरन हो रहा धर्म परिवर्तन

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जनपद के मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के ग्राम धोबही में हिंदू अल्पसंख्यक धर्म परिवर्तन को लेकर जहां एक तरफ गांव से पलायन कर रहे हैं वहीं सड़कों पर आकर धर्म परिवर्तन से परेशान होकर अपना आशियाना बना रहे हैं।

यह बातें भाजपा के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने जनपद मुख्यालय के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पीड़ितों के साथ एक प्रेस वार्ता में कही। कहा कि मिश्रौलिया थाना क्षेत्र के उक्त गांव में फारूक गुलाम हुसैन और हदीस व अन्य लोगों द्वारा संगठित रूप से हिंदुओं को लालच और दबाव डालकर धर्म परिवर्तन को मजबूर कर रहे हैं। जिससे गांव के हिन्दू परिवार परेशान हैं।

इस संबंध में हिंदू परिवार के बाबूलाल विश्वकर्मा ने थाने में तहरीर भी दी है। इस संबंध में मिश्रौलिया पुलिस ने उक्त तीन लोगों को खिलाफ संबंधित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर मामले की जांच कर रही है। प्रेस वार्ता में डॉक्टर सतीश ने कहा कि इस मामले को लेकर गांव में पूरी तरह से दहशत का माहौल है। श्री द्विवेदी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडे गांव में पहुंचकर धर्म परिवर्तन को सिरे खारिज कर रहे हैं और इसे बंटवारे से जोड़ रहे हैं, जो उनके द्वारा हिंदुओं के प्रति अन्यायपूर्ण व्यवहार है। डॉक्टर सतीश ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में पुलिस कप्तान को भी अवगत कराते हुए जांच की मांग की है। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दहशत में आए हिंदुओं को न्याय दिलाने की मांग की है।

प्रेस वार्ता करते भाजपा के पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी।

- भाजपा सरकार में शिक्षा मंत्री रहे डॉ. सतीश द्विवेदी ने प्रेस वार्ता कर लगाया आरोप, कार्रवाई की मांग

धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

संवाददाता कुशीनगर

अमृत विचारः रामकोला विकास खंड के खोटही बनकट टोले में स्थित पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय में सोमवार की शाम भव्य वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रामकोला विधायक विनय प्रकाश गौड़ एवं मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव उपस्थित रहीं। इसके साथ ही जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राम जीवायन मौर्य, तहसील कप्तानगंज के उपजिलाधिकारी विनोद गुप्ता तथा जेपी इंटरमीडिएट कॉलेज के प्रधानाचार्य सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। विद्यालय के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथि गण।

कार्यक्रम के समापन के बाद विधायक और मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यालय परिसर एवं आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीडीओ वंदिता श्रीवास्तव ने ग्राम पंचायत सचिव खोटही के सचिव को निर्देशित किया कि विद्यालय परिसर के बाहर फैली घास-फूस एवं गंदगी की तत्काल साफ-सफाई कराई जाए। उन्होंने स्वच्छता अभियान को प्राथमिकता देते हुए जिले के पूरे ग्राम पंचायतों की नालियों की गहन सफाई कराने के निर्देश दिए।

बिडहर घाट पर बैठे वैद्य की कुर्सी से गिरकर हुई मौत

संतकबीरनगरः अमृत विचार। धनघटा थाना क्षेत्र के बिड़हरघाट पर कुर्सी से गिरकर एक वैद्य की मंगलवार की सुबह मौत हो गई। वह आयुर्वेदिक दवाएं देकर लोगों का उपचार करते थे। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बस्ती जिले के दुबौलिया थाना क्षेत्र के नानदेय कुआं गांव निवासी अशोक कुमार विश्वकर्मा (45) की मंगलवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह आयुर्वेदिक दवाएं देकर लोगों का उपचार करते थे। वह सप्ताह में शनिवार को बिडहर घाट पहुंचते थे और हनुमान मंदिर के पास बैठकर दो दिनों तक मरीजों को दवाएं देते थे। मंगलवार की सुबह वह घाट पर स्नान करने के बाद कुर्सी पर बैठे थे। इसी दौरान अचानक कुर्सी से नीचे गिर पड़े और अचेत हो गए। घटना के समय मौजूद साधु-संतों ने तत्काल उन्हें उठाकर एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मलौली पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया।

स्मार्ट मीटरों के विरोध में सपा का प्रदर्शन

संवाददाता, संतकबीरनगरः

अमृत विचार। बिजली के स्मार्ट मीटरों के विरोध में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और उपभोक्ताओं ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान जिलाधिकारी आलोक कुमार को संबोधित ज्ञापन सौंपकर स्मार्ट मीटर व्यवस्था को तत्काल बंद कर पुराने पारंपरिक मीटरों को पुनः लागू करने की मांग की गई। आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ताओं को कई तरह की व्यावहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सपा नेताओं ने मीटर की रीडिंग और बिलिंग प्रणाली की पारदर्शिता पर सवाल खड़े किए।

जिलाध्यक्ष अब्दुल कलाम ने कहा कि स्मार्ट मीटर प्रणाली गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है। उनका आरोप है कि मीटर की तेज रीडिंग के कारण बिजली बिलों में लगातार अनियमित बढ़ोतरी हो रही है। कार्यकर्ताओं ने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं की सहमति के बिना पारंपरिक मीटर हटाया जाना उनके अधिकारों का उल्लंघन है। उन्होंने जिलाधिकारी से जनहित में स्मार्ट मीटरों को हटाकर पुरानी व्यवस्था बहाल करने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो समाजवादी पार्टी व्यापक जनआंदोलन करने को बाध्य होगी। प्रदर्शन में वरिष्ठ नेता लोरिक यादव, राहुल यादव बादल, जिला पंचायत सदस्य शैलेंद्र यादव, आलोक यादव सोनू, गौहर अली खान, सुनील सिंह, सुबोध यादव, रामवृक्ष यादव और मनोहर सिंह समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट परिसर में स्मार्ट मीटर के विरोध में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपते सपा कार्यकर्ता।

104वीं रैंक हासिल कर संदीप कुमार बने समीक्षा अधिकारी

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धनघटा क्षेत्र के हैसर बाजार निवासी हरिश्चंद्र अग्रहरि के बड़े पुत्र संदीप कुमार अग्रहरि ने समीक्षा अधिकारी पद पर चयनित होकर जिले का नाम रोशन किया है। वर्ष 2023 की परीक्षा में उन्होंने प्रदेश स्तर पर 104वीं रैंक प्राप्त की है।

संदीप की प्रारंभिक शिक्षा हैसर बाजार के प्राथमिक विद्यालय से शुरू हुई। इसके बाद उन्होंने गोरखपुर स्थित राजकीय जुबली कॉलेज से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के लिए वह प्रयागराज (इलाहाबाद) गए, जहां रहकर उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की। हालांकि वर्ष 2024 में वह यूपीएस परीक्षा में सफल नहीं हो सके, लेकिन वर्ष 2023 की समीक्षा अधिकारी परीक्षा में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

संदीप कुमार अग्रहरि।

हारे के सहारे श्याम हमारे का गूंजा उद्घोष

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। विकास खण्ड शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत चिल्हियां में कलश शोभायात्रा के साथ सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारम्भ भक्ति और उत्साह के बीच हुआ। गाजे-बाजे और जयघोष के साथ निकली शोभायात्रा ने पूरे ग्राम पंचायत चिल्हियां को वातावरण भक्तिमय बना दिया।

शोभायात्रा में बड़ी संख्या में युवक बाइक पर धर्म ध्वज लहराते हुए 'हारे के सहारे श्याम हमारे', 'जय श्रीराम' और 'जय श्री श्याम' के जयघोष करते चल रहे थे। वहीं महिलाएं और नवयुवतियां नंगे पांव सिर पर कलश रखकर भजन-कीर्तन करते हुए आगे बढ़ रही थीं। एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाते हुए श्रद्धालुओं ने भक्ति का अनूठा उत्साह प्रदर्शित किया। शोभायात्रा चिल्हियां से प्रारम्भ होकर थाना परिसर स्थित पवित्र सरोवर तक पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलशों में जल भरा गया। इसके पश्चात विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर यज्ञ स्थल पर वेदियों की स्थापना की गई और कथा का शुभारम्भ हुआ। कलश यात्रा में यजमान के रूप में डॉ. राम प्रसाद गुप्ता, डा. राजेश गुप्ता, शैलेन्द्र सिंह, सुरेन्द्र नारायण विश्वकर्मा, धनंजय सिंह, गंगासागर विश्वकर्मा, सुरेन्द्र विश्वकर्मा, घनश्याम गुप्ता, संजय कुमार, सुभाष, शनि, अंकित त्रिपाठी, तौलेश्वर, राहुल वर्मा, सन्तोष चौधरी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कलश यात्रा में शामिल महिलाएं। अमृत विचार

- कलश शोभायात्रा के साथ श्रीमद् भागवत कथा का शुभारम्भ

फॉयरिंग में सभासद सहित 9 पर केस दर्ज

कुशीनगर, अमृत विचारः कप्तानगंज कस्बे की मंगल बाजार कॉलोनी सोमवार देर रात गोलियों की तड़तड़ाहट से गूंज उठी। नकाबपोश बदमाशों ने कस्बे के रहने वाले कुख्यात सूजा पठान के घर पर चार राउंड फायरिंग की और ईंट-पत्थर चलाए। घर में मौजूद सूजा और परिवार के सदस्यों ने छिपकर जान बचाई। हमलावरों को पकड़ने की कोशिश में मोहल्ले की एक महिला भी घायल हो गई। सूजा के पिता मुश्ताक की तहरीर पर पुलिस ने वार्ड नंबर 11 के सभासद संजय पटेल समेत नौ लोगों पर प्राथमिकी दर्ज कर पांच आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। सूजा पठान जानलेवा हमला, धमकी, मारपीट के कई मामलों में आरोपी है।

मुशायरों से गंगा-जमुनी तहजीब को मिलती है मजबूती : रिजवान

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिले की ब्लाक उसका बाजार के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सोहास खास में स्थित सोहराब खान पब्लिक स्कूल सोहास बाजार में आयोजित ऑल इंडिया मुशायरा व कवि सम्मेलन का आयोजन बड़े ही शानदार और साहित्यिक माहौल में सम्पन्न हुआ। वहीं कार्यक्रम में देश के नामचीन कवियों, शायरों और कवित्रियों ने अपनी शायरी और कविताओं के माध्यम से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। देर रात तक चले इस साहित्यिक आयोजन में मोहब्बत, भाईचारे और इंसानियत के पैगाम गूंजते रहे। कार्यक्रम में ब्रह्म देव शास्त्री, रुचि द्विवेदी, वसीम मजहर, अकमल बलरामपुरी, गुफरान चुलबुल, डॉ0 अरमान कुरैशी, अजमल सिद्धार्थनगरी, शाहिद बस्तवी, शिवसागर, शादाब शब्बीर, संगशील झलक और सहर अंजुम सहित कई प्रतिष्ठित कवियों और शायरों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। कवियों और शायरों की बेहतरीन प्रस्तुति पर श्रोताओं ने तालियों की गूंज से उनका उत्साहवर्धन किया। वहीं मुशायरे की अध्यक्षता इटवा के मशहूर समाजसेवी रिजवान बिल्डर ने किया। इस मौके पर समाजसेवी रिजवान बिल्डर ने कहा कि मुशायरों से भारत की गंगा जमुनी तहजीब व भाईचारा को मजबूती मिलती है। हिन्दी और उर्दू साहित्य भारत की गंगा-जमुनी तहजीब और साझा सांस्कृतिक विरासत का अहम हिस्सा है।

योजना | जन आकांक्षाओं को पूरा करेगा रेलवे स्टेशन

28 करोड़ से पुनर्विकसित हो रहा डालीगंज स्टेशन

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोरखपुर-लखनऊ रेल खंड पर स्थित डालीगंज स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत रु. 28.45 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित किया जा रहा है।

डालीगंज स्टेशन मध्य उत्तर प्रदेश का महत्वपूर्ण स्टेशन है। यह स्टेशन बरेली, मुरादाबाद, सहारनपुर, पीलीभीत, इज्जतनगर, मैलानी, सीतापुर जैसे प्रमुख नगरों से सीधी ट्रेन सेवा से जुड़ा हुआ है। यहां यात्रियों के बढ़ते आवागमन एवं आगामी 50 वर्षों की यातायात आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुये स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तेजी से किया जा रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना का उद्देश्य रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से युक्त कर यात्री अनुकूल बनाते हुये आगामी चुनौतियों से निपटना है। पुनर्विकास के अन्तर्गत स्टेशन भवन का सौंदर्यीकरण, बेहतर प्रवेश एवं निकास द्वार, यात्रियों के लिये प्रतीक्षालय, आधुनिक सुविधाओं से युक्त प्रसाधन, स्टेशन पर उन्नत प्रकाश व्यवस्था, यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने/उतरने हेतु प्लेटफॉर्म के उच्चीकरण एवं विस्तार के साथ यात्रियों के बैठने की समुचित व्यवस्था, एक प्लेटफॉर्म से दूसरे प्लेटफॉर्म पर जाने हेतु फुट ओवर ब्रिज (एफ.ओ.बी.) का निर्माण सहित विभिन्न यात्री सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। इन कार्यों में डालीगंज स्टेशन पर 1,120 वर्ग मीटर में फसाड के साथ ही 608 वर्ग मीटर में स्टेशन भवन एवं पोर्च का कार्य पूर्ण हो चुका है। आकर्षक फसाड लाइटें लगाई गई हैं। स्टेशन एप्रोच मार्ग को सुगम बनाया गया है, साथ ही सर्कुलेटिंग एरिया में 1,200 मीटर में ड्रेनेज, 1,947 मीटर में बाउंड्री वॉल, 7,400 वर्ग मीटर में सर्कुलेटिंग रोड, 5,400 वर्ग मीटर में पार्किंग का कार्य पूरा कर लिया गया है।

डालीगंज रेलवे स्टेशन का प्रस्तावित मॉडल।

आरक्षित विशेष गाड़ी के संचलन का निर्णय

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा के लिए 04316/04315 योग नगरी ऋषिकेश-गोरखपुर-योग नगरी ऋषिकेश ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक आरक्षित विशेष गाड़ी का संचलन योग नगरी ऋषिकेश से 21 अप्रैल से 14 जुलाई तक प्रत्येक मंगलवार को तथा गोरखपुर से 22 अप्रैल से 15 जुलाई तक प्रत्येक बुधवार को 13 फेरों के लिये किया जायेगा।

इसके अलावा रेलवे प्रशासन द्वारा अपरिहार्य कारणों से 15080/15079 गोरखपुर-पाटलिपुत्र-गोरखपुरम एक्सप्रेस 10 से 28 अप्रैल, 2026 तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को निरस्त करने का निर्णय लिया गया है।

श्री हनुमत चरित्र कथा का किया वर्णन

संवाददाता, गोरखपुर

अमृत विचार। विकास नगर वार्ड संख्या 60 में संगीतमय श्री हनुमत चरित्र कथा का दिव्य आयोजन संपन्न हुआ, कथा ब्यास के रूप में पंडित विद्यापति पाठक भरद्वाज, द्वारा मनोहरी कथा प्रस्तुत किया गया, चार दिवसीय कथा में अनेक अविस्मरणीय संदर्भ प्रस्तुत किये गये।

इस वार्ड में प्रथम बार हनुमत चरित्र का आयोजन हुआ, इस कथा में फर्टिलाइजर फैक्ट्री के मैनेजिंग डायरेक्टर यूनिट हेड, अखिलेंद्र सिंह, सीनियर सिटीजन ग्रुप के संरक्षक, गिरजा शंकर तिवारी संचालक, अशोक मिश्रा, अध्यक्ष प्रहलाद दास गुप्ता, ऋषि संगठन के महामंत्री विजय शंकर मिश्र, प्रवक्ता वीरेंद्र पांडे, वरिष्ठ समाजसेवी विश्वामित्र भट्ट, भूतपूर्व डी आई जी स्टांप अशोक त्रिपाठी वार्ड 60 के पार्षद अजय ओझा, प्रमोद द्विवेदी अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। कथावाचक की इस खास बात को लेकर लोगों ने खुशी व्यक्त की कि सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति के बाद इस प्रकार का कथा वाचन वह कर रहे हैं। श्री भारद्वाज ने बताया कि जो कथा उनके द्वारा कही जाती है वह पूर्ण रूप से निःशुल्क होती है। कथा का आयोजन उमेश मिश्र विकास नगर के द्वारा संपन्न हुआ। भंडारे की मुख्य भूमिका रघुनंदन उपाध्याय द्वारा किया गया।

श्री हनुमत चरित्र कथा का वाचन करते पंडित विद्यापति पाठक भरद्वाज।

ब्रीफ न्यूज

प्रधानमंत्री 21 को करेंगे रिफाइनरी का लोकार्पण

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 21 अप्रैल को राजस्थान की बहुप्रतीक्षित पचपदरा रिफाइनरी का लोकार्पण करेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार देर रात सोशल मीडिया के माध्यम से यह जानकारी दी। शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आगामी 21 अप्रैल को पचपदरा रिफाइनरी के लोकार्पण के लिए वीरधरा राजस्थान आयेंगे। यह रिफाइनरी मारवाड़ सहित पूरे राजस्थान के आर्थिक कायाकल्प और युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलने वाली 'भाग्यरेखा' सिद्ध होगी।

मानहानि मामले में आप नेता सिसोदिया तलब

ऊना। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले की एक अदालत ने आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष की ओर से दायर मानहानि मामले में पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को मंगलवार को समन जारी किया और उन्हें 12 मई को अदालत में पेश होने का निर्देश दिया। यह मामला ऊना के वकील अनूप केसरी ने दायर किया है। केसरी ने 2022 में अपने समर्थकों के साथ आप छोड़ दी थी और भाजपा में शामिल हो गए थे। केसरी उस समय आप की हिमाचल प्रदेश इकाई के अध्यक्ष थे।

दिल्ली में फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने फर्जी रोडसाइड असिस्टेंस पॉलिसी बेचकर लोगों को ठगने वाले एक फर्जी कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया है और इसके दो मालिकों समेत 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह गिरोह गुरु अर्जुन नगर इलाके से संचालित हो रहा था। चार अप्रैल को मिली सूचना के आधार पर एक टीम ने गुरु अर्जुन नगर स्थित रतन लाल कॉम्प्लेक्स पर छापा मारा और धोखाधड़ी के इस केंद्र का भंडाफोड़ किया। छापे में टीम ने कॉल सेंटर में मौजूद सभी 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

राजीव होंगे सोलोमन द्वीपसमूह में उच्चायुक्त

नई दिल्ली। पापुआ न्यू गिनी में भारत के उच्चायुक्त राजीव कुमार को इसके साथ-साथ सोलोमन द्वीपसमूह में देश के अगले उच्चायुक्त के रूप में मान्यता दी गई है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि भारतीय विदेश सेवा के बैच 2001 के वरिष्ठ अधिकारी श्री कुमार पापुआ न्यू गिनी में पोर्ट मोरेस्बी से ही काम करेंगे। मंत्रालय ने कहा है कि अधिकारी के शीघ्र ही अपना कार्यभार ग्रहण करने की संभावना है।

डिलीवरी ऐप से मंगाई शराब, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने डिलीवरी ऐप के माध्यम से संचालित हो रहे अवैध शराब आपूर्ति नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है और हरियाणा से लाई जा रही अवैध शराब जब्त की है। यह गिरोह ऐप-आधारित लॉजिस्टिक सेवाओं का फायदा उठाकर काम करता था, जिससे आरोपी गुप्त रूप से खेप को राज्य की सीमा के बाहर ले जाते थे।

दिव्यांग उम्मीदवारों के लिए अनारक्षित रिक्तियां खुला पूल, योग्यता ही निर्णायक

शीर्ष कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के एक फैसले को पलटते हुए की टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) के लिए अनारक्षित रिक्तियां एक खुला पूल हैं, जहां योग्यता ही निर्णायक कारक होती है और किसी भी सामाजिक या विशेष श्रेणी के पात्र उम्मीदवारों को नियुक्त किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक फैसले को रद्द करते हुए कहा कि अनारक्षित श्रेणी कोई अलग सामाजिक श्रेणी नहीं है, बल्कि यह सभी के लिए एक खुला क्षेत्र है। इसने व्यवस्था दी कि ओबीसी, एससी या एसटी जैसी आरक्षित श्रेणी से संबंधित, अधिक योग्य पीडब्ल्यूडी उम्मीदवार को किसी अनारक्षित पीडब्ल्यूडी पद से केवल इसलिए वंचित नहीं किया जा सकता, क्योंकि सामान्य श्रेणी का कोई अभ्यर्थी भी उपलब्ध है।

फैसला लिखने वाले न्यायमूर्ति सिंह ने कहा कि आरक्षण कानून में यह बात पूरी तरह से तय है कि 'अनारक्षित/खुली' श्रेणी का मतलब एससी, एसटी या ओबीसी जैसी किसी सामाजिक/सामुदायिक श्रेणी से नहीं है। दूसरे शब्दों में, अनारक्षित या खुली श्रेणी के तहत आने वाला कोई भी पद किसी खास सामाजिक श्रेणी से संबंधित नहीं होता, यह सभी के लिए एक खुला क्षेत्र या पूल होता है - इस अर्थ में कि यह सभी अभ्यर्थियों के लिए खुला है, चाहे वे किसी सामाजिक या विशेष श्रेणी से संबंधित हों या न हों।

' यह मामला पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड में कनिष्ठ अभियंता (सिविल) ग्रेड-2 के पद से संबंधित एक भर्ती अभियान से जुड़ा है।

स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति कर्मचारी का विशिष्ट अधिकार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति नौकरी छोड़ने या काम बंद करने की क्रिया नहीं है, बल्कि यह कर्मचारी का विशिष्ट अधिकार है जो निर्धारित वर्षों की सेवा पूरी होने के बाद प्राप्त होता है। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की पीठ ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 2019 के दो अलग-अलग आदेशों को चुनौती देने वाली अपीलों पर अपना फैसला सुनाया। एक बैंक ने यह अपील दायर की थीं उच्च न्यायालय ने एक बैंक कर्मचारी को सेवानिवृत्ति लाभ प्रदान करने का निर्देश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के नोटिस में निर्दिष्ट तीन महीने की नोटिस अवधि पूरी होने के बाद या काम पर आना बंद करने की तारीख से, उसे स्वैच्छिक रूप से सेवानिवृत्त माना जाए। उच्चतम न्यायालय ने गौर किया कि कर्मचारी की नियुक्ति सितंबर 1983 में हुई थी और अप्रैल 2007 में उसे प्रबंधक के पद पर पदोन्नत किया गया।

ताज...बादलों का राज

ताज नगरी आगरा में मंगलवार को मौसम खुशगवार रहा, आसमान पर बादल छाए तो लोग ताज के दीदार को पहुंच गए।

नारायण साईं के खिलाफ पत्नी की तलाक की अर्जी मंजूर

इंदौर, एजेंसी। इंदौर के कुटुम्ब न्यायालय ने स्वयंभू संत आसाराम के जेल में बंद बेटे नारायण साईं की पत्नी की ओर से दायर तलाक अर्जी मंजूर कर ली है और उसे तीन महीने के भीतर इस महिला को दो करोड़ रुपये की स्थायी भरण पोषण राशि देने का आदेश दिया है। महिला के वकील ने मंगलवार को यह जानकारी दी। नारायण साईं बलात्कार के एक मामले में उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद गुजरात के सूरत के जेल में बंद है। नारायण साईं की इंदौर निवासी पत्नी जानकी हरपलानी के वकील अनुरागचंद्र गोयल ने संवाददाताओं को बताया कि उनकी मुवक्किल ने अपने पति पर मानसिक क्रूरता और अन्य आरोप लगाते हुए स्थानीय कुटुम्ब न्यायालय में 2018 में तलाक की अर्जी दायर की थी जिसमें एकमुश्त पांच करोड़ रुपये की स्थायी भरण-पोषण राशि की मांग की गई थी।

- दो करोड़ रुपये की भरण-पोषण राशि देने का आदेश

नोट के धागे की आपूर्ति मामले में पूर्व वित्त सचिव से पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीबीआई अधिकारियों ने भ्रष्टाचार को लेकर दर्ज किया बयान

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने भारतीय नोटों के लिए विशेष रंगीन सुरक्षा धागे की आपूर्ति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर पूर्व वित्त सचिव अरविंद मायाराम और ब्रिटेन स्थित एक कंपनी के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के संबंध में उनसे मंगलवार को पूछताछ की।

अधिकारियों ने बताया कि मायाराम को रविवार को एक नोटिस के जरिए एजेंसी मुख्यालय बुलाया गया था। उन्होंने बताया कि एजेंसी की भ्रष्टाचार रोधी इकाई के अधिकारियों की एक टीम ने दिन भर उनसे पूछताछ की। सीबीआई अधिकारियों ने उनका बयान दर्ज किया। मायाराम के वकील तरन्नुम चीमा ने बताया कि मामला विचाराधीन है, इसलिए टिप्पणी नहीं करेंगे। सीबीआई ने 2023 में दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि मायाराम, ब्रिटेन स्थित कंपनी डी ला रू इंटरनेशनल लिमिटेड और वित्त मंत्रालय तथा आरबीआई के अज्ञात अधिकारियों ने कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए आपराधिक साजिश रची थी।

घूस मामले में रेलवे के पूर्व अधिकारी को पांच साल की सजा

नई दिल्ली। जयपुर की एक विशेष सीबीआई अदालत ने रिश्वतखोरी मामले में पश्चिम मध्य रेलवे (डब्लूसीआर) के पूर्व मुख्य कार्यालय अधीक्षक को पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने राजस्थान के सवाई माधोपुर में तैनात रहे आरोपी जालंधर योगी को यह सजा सुनायी और इस अपराध के लिए उन पर 25,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया।

सीबीआई ने यह मामला 2020 में दर्ज किया था। आरोप था कि जालंधर योगी ने किये गये काम से संबंधित लंबित अंतिम बिल पास करने के बदले शिकायतकर्ता से 11,500 रुपये की रिश्वत मांगी थी। सीबीआई ने जाल बिछाया और आरोपी को 10,000 रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ लिया।

मार्च में भारत का सबसे प्रदूषित शहर रहा गुड़गांव

नई दिल्ली, एजेंसी

- रिपोर्ट में दावा, देश के सबसे प्रदूषित शहरों में हरियाणा के चार
- उत्तर प्रदेश के नौ शहरों में 2017-18 की तुलना में आई कमी

मार्च महीने में गुड़गांव भारत का सबसे प्रदूषित शहर था और देश के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में से चार शहर हरियाणा के थे। ''सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर'' (सीआरईए) की एक नई रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। मार्च में घोषित शीर्ष 10 प्रदूषित शहरों की सूची में बहादुरगढ़, फरीदाबाद, सिंगरौली, मंडीदीप, गाजियाबाद, मानेसर, भिवाड़ी, नोएडा और नंदेसरी भी शामिल थे।

पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, गाजियाबाद सबसे प्रदूषित शहर था। रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में गुड़गांव भारत का सबसे प्रदूषित शहर था, जिसका महीने में पीएम2.5 का औसत 116 माइक्रो ग्राम प्रति घन मीटर था। भारत के सबसे प्रदूषित 10 शहरों में हरियाणा के चार शहर थे, इसके बाद मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के दो-दो शहर और राजस्थान और गुजरात का एक-एक शहर था।

इसमें कहा गया कि हरियाणा में अधिक राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक (एनएएक्यूएस) वाले ज्यादा शहर थे, जहां 24 में से नौ शहरों में पीएम2.5 एनएएक्यूएस से ज़्यादा दर्ज किया गया। इसके बाद उत्तर प्रदेश का नंबर आता है, जिसके 21 में से आठ शहरों में पीएम2.5 एनएएक्यूएस से अधिक रहा। भारतीय राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के एक विश्लेषण में पता चला कि कुछ ही शहर एनसीएपी लागू होने के सात साल बाद भी उसके लक्ष्य हासिल कर पाए।

देश के कई शहरों में आई प्रदूषण में कमी

रिपोर्ट में कहा गया है कि सुधार दिखाने वाले शहरों में, उत्तर प्रदेश के नौ शहरों में एनसीएपी बेसलाइन साल (2017-18) की तुलना में पीएम10 स्तर में 40 प्रतिशत से ज़्यादा की कमी दर्ज की गई। महाराष्ट्र के तीन शहरों और पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, पंजाब और राजस्थान के दो-दो शहरों और तमिलनाडु, झारखंड, नगालैंड, जम्मू और कश्मीर, छत्तीसगढ़, बिहार और असम के एक-एक शहर में भी इसी तरह की कमी देखी गई। देहरादून (उत्तराखंड) में 2017-18 के मुकाबले पीएम10 स्तर में सबसे ज़्यादा 75 प्रतिशत की कमी आई, जबकि विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में सबसे ज़्यादा 73 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इसी समय में दिल्ली में पीएम10 के स्तर में 17 प्रतिशत की कमी आई। सीआरईए के विश्लेषक मनोज कुमार ने कहा कि कई शहर अब भी संशोधित एनसीएपी लक्ष्यों को प्राप्त करने से बहुत दूर हैं, और कुछ में तो प्रदूषण का स्तर भी बढ़ा है, जो गंभीर चिंता की बात है।

संबंधों में सुधार के लिए भारत-बांग्लादेश ने बढ़ाए कदम

नई दिल्ली, एजेंसी

- एनएसए डोभाल और बांग्लादेश के विदेशमंत्री ने की उपायों पर चर्चा

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने मंगलवार को बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान की रात्रिभोज पर मेजबानी की। रहमान तीन दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचे, जिसका उद्देश्य 18 महीने से अधिक समय से चले आ रहे कूटनीतिक तनाव के बाद द्विपक्षीय संबंधों में सुधार लाना है।

रहमान बांग्लादेश में प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार के फरवरी में सत्ता संभालने के बाद भारत की यात्रा पर आने वाले देश के पहले वरिष्ठ मंत्री हैं। घटनाक्रम से वाकिफ अधिकारियों के मुताबिक, डोभाल और रहमान ने भारत-बांग्लादेश संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें संबंधों को नई गति देने पर विशेष जोर रहा।

हालांकि, इस बैठक को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। रहमान के प्रतिनिधिमंडल में प्रधानमंत्री के विदेश सलाहकार हुमायूं कबीर भी शामिल थे। रहमान बुधवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ विस्तृत वार्ता करेंगे। बांग्लादेश के विदेश मंत्री वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी से भी मुलाकात करेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया पर कहा कि बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि रहमान की यह यात्रा भारत-बांग्लादेश साझेदारी को और मजबूत करेगी। अगस्त 2024 में शेख हसीना सरकार के सत्ता से हटने के बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के सत्ता में आने के बाद भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों में तनाव आ गया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और विदेश सचिव विक्रम मिसरी के 17 फरवरी को ढाका में तारिक रहमान के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद दोनों पक्षों ने संबंधों को स्थिर करने के प्रयास शुरू किए।

तारिक रहमान बांग्लादेश के संसदीय चुनाव में अपनी पार्टी की शानदार जीत के बाद प्रधानमंत्री बने। विदेश मंत्री और उनके बांग्लादेशी समकक्ष के बीच बुधवार को होने वाली बैठक का मुख्य उद्देश्य संबंधों को सुधारना और सहयोग के नये क्षेत्र तलाशना है। इस वर्ष समाप्त हो रही गंगा जल संधि का नवीनीकरण, व्यापार को बढ़ावा देने के तरीके और पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण ईंधन की कमी को देखते हुए बांग्लादेश द्वारा भारत से अतिरिक्त ईंधन आपूर्ति का अनुरोध वार्ता में चर्चा का विषय हो सकता है।

तीस्ता नदी का जल बंटवारा गंभीर मुद्दा

गंगा जल संधि पर दिसंबर 1996 में हस्ताक्षर किए गए थे, जिसमें दोनों देशों के बीच नदी के जल बंटवारे के लिए एक तंत्र का प्रावधान है। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि तीस्ता नदी के जल बंटवारे से संबंधित गंभीर मुद्दा दोनों विदेश मंत्रियों की वार्ता में उठेगा या नहीं। एक अन्य जटिल मुद्दा पूर्व प्रधानमंत्री हसीना के प्रत्यर्पण की ढाका की मांग है। 78 वर्षीय हसीना अगस्त 2024 में सरकार विरोधी व्यापक आंदोलन के कारण अपनी सरकार के सत्ता से हटने के बाद ढाका से भारत आ गई थीं।

पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव महासंग्राम

असम के सीएम सबसे भ्रष्ट, कांग्रेस गठबंधन को मिलेगा बहुमत : खरगे

गुवाहाटी, एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को दावा किया कि असम विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन 126 सीटों में से 72-73 सीटें जीतकर सरकार बनाएगा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में यह भी कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भारत में 'सबसे भ्रष्ट' नेता हैं तथा उनके खिलाफ लगे आरोपों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत को टिप्पणी करनी चाहिए।

खरगे ने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला गठबंधन असम में अगली सरकार बनाने जा रहा है। हम 72-73 सीटें जीतेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर मुख्यमंत्री शर्मा पर निशाना साधा। खरगे ने आरोप लगाया कि भारत में कोई भी मुख्यमंत्री उनके जैसा अहंकारी नहीं है। हिमंत विश्व शर्मा केवल अपने परिवार के विकास के लिए काम कर रहे हैं। वह चाय, स्कूल, कोयला, अंडा, जमीन, सुपारी, हर चीज में सिंडिकेट चला रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि शर्मा के कैबिनेट का हर सदस्य भ्रष्ट है और उन सभी के पास हजारों करोड़ रुपये की संपत्ति है।

बंगाल में भाजपा का सत्ता में आना तय घुसपैठियों को वापस भेजेंगे : शाह

घुसपैठियों के स्वागत को रेड कार्पेट बिछाती है कांग्रेस

पाथरकांडी (असम), एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' निश्चित है। इस राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आते ही सभी घुसपैठियों को उनके देशों में वापस भेज दिया जाएगा। शाह ने यहां एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि कांग्रेस ने असम की बराक घाटी में अवैध प्रवासियों को शरण दी, जिससे उन्होंने श्रीभूमि, सिलचर और कछार में अपना दबदबा बना लिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) का विरोध इसलिए करती है क्योंकि उसे पता है कि यह कानून सुनिश्चित करेगा कि राज्य में कोई घुसपैठिया न रहे। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश से सताए गए हिंदू इस कानून के दायरे में आते हैं...कांग्रेस इसका विरोध करती है, लेकिन पार्टी मुस्लिम घुसपैठियों के स्वागत के लिए रेड कार्पेट बिछाती है। शाह ने कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है और देश में घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं है। गृहमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में 'परिवर्तन' तय है। जैसे ही भाजपा राज्य में सत्ता में आएगी, असम, त्रिपुरा और बंगाल से सभी घुसपैठियों को उनके देशों में वापस भेज दिया जाएगा।

हैलाकांडी में एक अन्य रैली को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि कांग्रेस ने असम में मुस्लिम छात्रों के लिए 700 मदरसे बनाए, लेकिन भाजपा ने उनमें से 402 को प्राथमिक विद्यालयों में बदल दिया ताकि उन्हें भी आधुनिक शिक्षा मिल सके।

प. बंगाल : एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट से हटे करीब 91 लाख नाम

कोलकाता, एजेंसी। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के बाद वा से करीब 91 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए हैं। मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद राज्य के अंतिम मतदाता आधार की घोषणा अभी बाकी है। हालांकि, उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, पिछले वर्ष अक्टूबर के अंत में 7.66 करोड़ मतदाताओं के आधार पर, राज्य में इस समय कुल हटाए गए मतदाताओं का प्रतिशत 11.85 प्रतिशत से अधिक है। एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत से अब तक कुल हटाए गए नामों की अंतिम संख्या 90.83 लाख से थोड़ा अधिक रही। निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, न्यायिक अधिकारियों द्वारा की गई जांच में इन 60.06 लाख में से 27.16 लाख 'विवेचनाधीन' मतदाताओं के नाम हटा दिए गए।

मतदाताओं को भयभीत कर रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जीः भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर मतदाताओं को भयभीत करने का मंगलवार को आरोप लगाया और कहा कि सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में बाधा डाल रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी के इस दावे का खंडन किया कि मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय बलों को तैनात किया जा रहा है और कहा कि ये टिप्पणियां आसन्न चुनावी हार की हताशा दर्शाती हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि उन्हें निश्चित और करारी हार का सामना करना पड़ रहा है। ममता जी, आप अब हताशा में हैं। जब कोई नेता हताश हो जाता है, तो वह कुछ भी कहने लगता है।उन्होंने कहा कि मैं इस दावे की कड़ी निंदा करता हूं कि सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) लोगों को पीटने आ रही है। ममता जी, सीआरपीएफ किसी को पीटने नहीं आ रही है।

वे यह सुनिश्चित करने आ रहे हैं कि वैसे निर्दोष मतदाता, जिन्हें आपके कार्यकर्ताओं द्वारा हिंसा के माध्यम से मतदान करने से रोका जाता है, अपने मतदान के अधिकार का प्रयोग कर सकें।

टीवीके प्रमुख विजय के दोनों सीटों से नामांकन पत्र स्वीकार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु विधानसभा के लिए 23 अप्रैल को होने वाले चुनाव में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) अध्यक्ष विजय द्वारा पेराम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीट से दाखिल नामांकन पत्रों को मंगलवार को जांच के बाद वैध पाए जाने के साथ स्वीकार कर लिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विजय दो विधानसभा क्षेत्रों के साथ अपने चुनावी सफर की शुरुआत करने जा रहे हैं।

स्टालिन ने पुडुचेरी के लिए मांगा पूर्ण राज्य का दर्जा

पुडुचेरी, एजेंसी

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने आरोप लगाया है कि केंद्र ने पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है, जबकि केंद्र शासित प्रदेश की विधानसभा ने इस तरह के कदम के लिए 14 बार प्रस्ताव पारित किए हैं। यहां एक रैली को संबोधित करते हुए और नौ अप्रैल को होने वाले चुनावों के लिए कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) के उम्मीदवारों का औपचारिक परिचय कराते हुए स्टालिन ने आरोप लगाया कि सब कुछ उपराज्यपाल के पास है जबकि मुख्यमंत्री एन रंगासामी को कठपुतली मुख्यमंत्री बनाकर रखा गया है। उन्होंने सोमवार को कहा कि नौ अप्रैल को होने वाले आगामी चुनाव लोगों के लिए पुडुचेरी में मौजूदा समस्याओं को खत्म करने का एक उत्कृष्ट अवसर है।।" स्टालिन ने याद दिलाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान वादा किया था कि पुडुचेरी "सर्वश्रेष्ठ पुडुचेरी" बनेगा। उन्होंने कहा कि असलियत तो यह है कि लोग अभी पुडुचेरी की सबसे बुरी हालत देख रहे हैं। उन्होंने सरकार की कथित नाकामियों की मिसालें दीं, जिनमें नकली दवा बनाने वाली इकाई की जांच में बाधा डालना और घटिया दवाइयों की खरीद शामिल है।

ममता आज भवानीपुर से करेंगी नामांकन

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बुधवार को भवानीपुर सीट से बतौर तृणमूल कांग्रेस प्रत्याशी नामांकन दाखिल करेंगी। ममता बनर्जी की योजना इस दौरान खुद को बहुलवादी और समावेशी होने का राजनीतिक संदेश देने की है। यह इलाका संकरी गलियों और पुरानी हवेलियों वाला है, जहां दशकों से गुजराती व्यापारी, बंगाली परिवार, पंजाबी परिवार और मुस्लिम निवासी साथ-साथ रहते आए हैं। भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने पिछले सप्ताह इस सीट से पर्चा भरा था।

सरकार ने समय पर नहीं दी मंजूरी, इसलिए कांग्रेस की वायनाड आवासीय परियोजना में देरी हुई : प्रियंका

वायनाड (केरल), एजेंसी। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा ने मंगलवार को दावा किया कि केरल में मुंडक्कई-चूरलमाला भूस्खलन की घटना के पीड़ितों के लिए पार्टी की आवासीय परियोजना में राज्य की वाम सरकार से मंजूरी समय पर न मिलने की वजह से देरी हुई। प्रियंका ने यहां कलपेट्टा में यूडीएफ गठबंधन की एक नुक्कड़ सभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि एलडीएफ की टाउनशिप के उद्घाटन के बाद ही कांग्रेस की परियोजना को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग में मेरे साथियों को भी ये ही दिक्कतें हुई होंगी।

प्रियंका की यह दलील वायनाड आवासीय परियोजना के लिए धन इकट्ठा करने और पैसे के इस्तेमाल के संबंध में कांग्रेस पर अनियमितताओं के आरोपों के बीच आई है। कांग्रेस महासचिव ने मुख्यमंत्री पिनराई विजयन पर भी हमला किया और सवाल किया कि भ्रष्टाचार के कई आरोपों का सामना करने के बावजूद उनके खिलाफ कोई मामला क्यों नहीं है, जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा का विरोध करने वालों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। इससे साफ है कि उनके बीच एक गुप्त समझौता है और वे अपने राजनीतिक फायदे के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

दुनिया में कुछ भी पूरी तरह से गलत नहीं होता। रुकी हुई घड़ी भी दिन में दो बार सही समय दिखाती है।

पाउलो कोएल्हो, ब्राजीलियन लेखक

धमकियों का युद्ध

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष अब कूटनीतिक संतुलन, अंतर्राष्ट्रीय कानून और वैश्विक नैतिकता की भी कठोर परीक्षा बन चुका है। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को 'एक रात में खत्म कर देने' की धमकी संघर्ष को एक खतरनाक मोड़ पर ले आया है। यह बयान केवल सैन्य शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक दबाव की रणनीति भी है, जिसका उद्देश्य विरोधी को भयभीत कर वार्ता की मेज पर लाना है। पिछले छह हफ्तों में हजारों हमलों के बावजूद यदि निर्णायक सफलता नहीं मिली, तो 'एक रात' में लक्ष्य प्राप्त कर लेने का ट्रंप का दावा राजनीतिक बयानबाजी है। यह संकेत है कि युद्ध अपेक्षा से अधिक लंबा और जटिल होने की दशा में, अमेरिकी नेतृत्व पर त्वरित परिणाम दिखाने का दबाव है। सबसे चिंताजनक नागरिक अवसंरचना को निशाना बनाने की खुली धमकी है।

अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून- विशेषतः जेनेवा कन्वेंशन स्पष्ट रूप से नागरिकों और उनके बुनियादी ढांचे को युद्ध से अलग रखने की अपेक्षा करता है। पॉवर प्लांट, जल आपूर्ति और परिवहन नेटवर्क पर हमले न केवल मानवीय संकट को जन्म देते हैं, बल्कि उन्हें युद्ध अपराध की श्रेणी में भी रखा जा सकता है। यदि किसी देश की रणनीति नागरिकों पर दबाव बनाकर सरकार को झुकाने की हो, तो यह आधुनिक युद्ध के स्वीकृत सिद्धांतों के विरुद्ध है। ऐसे में ट्रंप का यह कहना कि वे 'युद्ध अपराध' के सवाल को लेकर चिंतित नहीं हैं, वैश्विक व्यवस्था के लिए गंभीर संकेत और अंतर्राष्ट्रीय नियम-आधारित व्यवस्था को चुनौती है। सवाल उठता है कि क्या वैश्विक संस्थाएं, जैसे संयुक्त राष्ट्र ऐसी स्थिति में प्रभावी हस्तक्षेप कर सकती है? यथार्थ यह है कि महाशक्तियों के खिलाफ इन संस्थाओं की क्षमता सीमित होती है। राजनीतिक हित, वीटो शक्ति और भू-राजनीतिक समीकरण अक्सर न्यायिक कार्रवाई को बाधित कर देते हैं। संघर्ष के लगातार बढ़ते दायरे के दौरान पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र जैसे देश मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं, किंतु ईरान का तीव्र प्रतिकार और अमेरिका की आक्रामक रणनीति इसकी त्वरित सफलता की संभावना सीमित करती है। यह संघर्ष अब प्रतिष्ठा और शक्ति संतुलन का प्रश्न बन चुका है, समझौता करना दोनों पक्षों के लिए राजनीतिक रूप से कठिन है। ऐसे समय में भारत की भूमिका पर भी प्रश्न उठते हैं। भारत के ईरान, अमेरिका और खाड़ी देशों सभी से महत्वपूर्ण संबंध हैं। फिर भी, इस संकट में भारत अपेक्षाकृत शांत दिखाई देता है। यह रणनीतिक संयम का हिस्सा हो सकता है, लेकिन अब जब स्थिति अत्यंत गंभीर हो चुकी है, भारत को सक्रिय कूटनीतिक पहल पर विचार करना चाहिए। भारत के लिए प्राथमिकताएं स्पष्ट होनी चाहिए। ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता। इसके साथ ही, भारत एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर सकता है।

यह संघर्ष मात्र सैन्य शक्ति से सुलझता नहीं दीख रहा। धमकियों और विनाश की भाषा अल्पकालिक लाभ भले दे, पर दीर्घकाल में यह वैश्विक अस्थिरता बढ़ाएगी। आज आवश्यकता है, संतुलित नेतृत्व, अंतर्राष्ट्रीय कानून के सम्मान और वास्तविक कूटनीति की, अन्यथा यह युद्ध एक ऐसे दुष्चक्र में फंस सकता है, जिससे निकलना कठिन हो जाएगा।

प्रसंगवश

सेहत और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे स्ट्रा

हम-सब अपने पसंदीदा पेय ठंडी कॉफी, ताज़ा नींबू पानी या कोक को पीने के लिए स्ट्रॉ का इस्तेमाल बिना एक पल सोचे कर लेते हैं। ये हमें सुविधाजनक, साफ़-सुथरा और सुरक्षित लगता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह छोटा-सा प्लास्टिक या पेपर स्ट्रॉ हमारी सेहत और पर्यावरण दोनों को चुपचाप नुकसान पहुंचा रहा है? इन छोटे से स्ट्रॉ का केवल कुछ मिनटों के लिए इस्तेमाल होता है, इसलिए इनसे होने वाले नुकसान की कोई चर्चा ही नहीं हो पाती, लेकिन दुनिया भर में हर दिन इस्तेमाल किए जाने वाले स्ट्रा समुद्र तट और महासागर की सफाई के दौरान सबसे आम कचरे में से एक होते हैं।

विवेक शुक्ला

पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

अपने छोटे और हल्के आकार के कारण स्ट्रॉ की शायद ही कभी रीसायक्लिंग होती हो। ये नदियों, समुद्रों और कचरा स्थलों (लैंडफिल) में पहुंच जाते हैं, जहां ये सैकड़ों साल तक बने रह सकते हैं। राजधानी के पर्यावरणविद् और उद्यमी गुरसेव चावला कहते हैं, 'भारत में हमारी बड़ी आबादी और बढ़ते कैफ़े कल्चर के कारण स्ट्रॉ का उपयोग तेज़ी से बढ़ रहा है, जिससे समस्या और गंभीर हो रही है।'

कुछ साल पहले, दुनिया के कई हिस्सों में प्लास्टिक स्ट्रॉ पर प्रतिबंध लगना शुरू हुआ, जिसका लोगों ने स्वागत किया। इसके बाद पेपर और मकई से बने प्लास्टिक के स्ट्रॉ बाज़ार में आए और उन्हें 'पर्यावरण के अनुकूल' विकल्प के रूप में देखा गया, लेकिन लोगों की धारणा और वास्तविकता के बीच अंतर है।

चावला ने इस विषय पर गहराई से रिसर्च की। कई देशों का दौरा किया। उन्होंने जो पाया, वह चौंकाने वाला और चिंताजनक था। अपनी शोध की यात्रा ने उन्हें 'कार्मापैक्स' नामक कंपनी शुरू करने के लिए प्रेरित किया, जो गन्ने के अपशिष्ट से बने स्ट्रॉ बनाती है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले स्ट्रॉ के पीछे छिपी सच्चाइयों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का काम किया।

प्रख्यात चिकित्सक और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) के पूर्व अध्यक्ष डॉ. विनय अग्रवाल कहते हैं, 'कई पेपर स्ट्रॉ में रसायन होते हैं, जिन्हें 'फॉरएवर केमिकल्स' भी कहा जाता है। ये आसानी से नष्ट नहीं होते और लंबे समय तक पर्यावरण और हमारे शरीर में बने रह सकते हैं। इन्हें नष्ट करने के लिए विशेष औद्योगिक परिस्थितियों की जरूरत होती है, जो भारत के अधिकांश शहरों में उपलब्ध नहीं हैं।' प्लास्टिक स्ट्रॉ सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाली एकल-उपयोग (सिंगल-यूज़) वस्तुओं में से एक हैं। जब ये गर्मी, धूप या नींबू पानी जैसे अम्लीय पेय के संपर्क में आते हैं, तो ये माइक्रोप्लास्टिक नामक छोटे कण छोड़ जाते हैं। माइक्रोप्लास्टिक बहुत छोटे प्लास्टिक कण होते हैं, जो हमारे भोजन और पेय के माध्यम से हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं। प्लास्टिक में ऐसे रसायन भी होते हैं, जो हमारे हार्मोन को प्रभावित कर सकते हैं और समय के साथ हमारी सेहत को तबाह करने लगते हैं। एक स्ट्रॉ भले ही नुकसानदेह न लगे, लेकिन इसके नियमित इस्तेमाल से इसका प्रभाव बढ़ता जाता है और यह एक गंभीर चिंता का कारण बन सकता है।

यह दिखाता है कि केवल प्लास्टिक को किसी अन्य सामग्री से बदलना पर्याप्त नहीं है। विकल्प वास्तव में सुरक्षित और टिकाऊ होना चाहिए। यहीं पर गन्ने के बगैस खोई) से बने स्ट्रॉ एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आते हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अजरबैजान से भारत के सुधरते रिश्ते और भविष्य

दिग्विजय सिंह

कानपुर

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत और अजरबैजान के द्विपक्षीय संबंधों में आया तनाव अब कम होने लगा है। अजरबैजान ने न सिर्फ कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाई है, बल्कि ईरान से दो सौ से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में भी मदद की है।

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत और अजरबैजान के द्विपक्षीय संबंधों में आया तनाव अब कम होने लगा है। ईरान युद्ध से उपजे संकट से उबरने में भारत की मदद अजरबैजान भी कर रहा है। उसने न सिर्फ कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाई है, बल्कि ईरान से दो सौ से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में भी मदद की है। अजरबैजान, पाकिस्तान का स्वाभाविक मित्र है और हर मोर्चे पर पाकिस्तान की हां में हां मिलाता है। बीते वर्ष ऑपरेशन सिंदूर के दौरान अजरबैजान ने पाकिस्तान को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति की थी। साथ ही ऑपरेशन सिंदूर की उसने निंदा कर भारत की नाराजगी मोल ली थी, हालांकि अब वह रिश्तों को सुधारना चाहता है, इसीलिए दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल की बैठकें भी हो रही हैं।

आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच दुश्मनी जगजाहिर है। दोनों देशों के बीच कई बार युद्ध भी हो चुका है। भारत सरकार आर्मेनिया को हथियार उपलब्ध कराता है। यूरोप का यह छोटा सा देश भारत का सबसे बड़ा हथियार आयातक देश है। इस देश ने 'पिनाका मल्टीपल-लॉन्च रॉकेट सिस्टम और आकाश एंटी-एयरक्राफ्ट सिस्टम का सौदा भी किया। आर्मेनिया द्वारा भारत से हथियारों की कुल खरीद 600 मिलियन डॉलर के पार तक जा चुकी है, जबकि आर्मेनिया लंबे समय तक रूसी हथियारों पर निर्भर रहा है। उसने रूस से इस्कंदर मिसाइल सिस्टम, सु-30एसएम लड़ाकू विमान, वायु रक्षा प्रणाली और मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर जैसे उन्नत सिस्टम खरीदे थे। 2020 में अजरबैजान के साथ नागोर्नो-काराबाख युद्ध के बाद आर्मेनिया ने रूस से किनारा किया और वह भारत से सामरिक रिश्ते बनाने में जुट गया। अब यह रिश्ता अपने शिखर पर है।

यही वजह है कि अजरबैजान सरकार भारत से नाराज रहती है और पाकिस्तान का साथ देती है। वह संयुक्त राष्ट्र संघ समेत तमाम मंचों पर तुर्किए के साथ मिलकर पाकिस्तान का समर्थन करती है और भारत की नीतियों पर सवाल उठाती है, हालांकि भारत विरोध के उसके इस कदम से उसे न सिर्फ आर्थिक नुकसान हुए, बल्कि भारत समर्थक कई देशों से उसके रिश्ते सामान्य नहीं रहे। भारतीय पर्यटक बड़े पैमाने पर अजरबैजान के पर्यटन स्थलों का भ्रमण करने के लिए जाते रहे हैं, लेकिन ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति से उनकी संख्या में कमी आई।

अजरबैजान पर्यटन बोर्ड ने हाल ही में जो आंकड़े जारी किए, उसके अनुसार पिछले साल भारत से अजरबैजान जाने वाले पर्यटकों की संख्या में 56 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इससे न सिर्फ अजरबैजान की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है, बल्कि उसकी साख पर भी बट्टा लगा है। ऐसे में अब धीरे-धीरे वहां की सत्ता में बैठे लोगों को अपनी गलती का अहसास होने लगा है. इसलिए वे भारत से संबंध सुधारना चाहते हैं और इसी के तहत अब वह मदद को आगे आए हैं। भारत और अजरबैजान के संबंध ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण रहे हैं, पर पाकिस्तान के कारण इसमें कई बार उतार-चढ़ाव देखने को मिलता रहा है।

अजरबैजान सरकार से भारत ने फिर से ऊर्जा निर्यात शुरू कर दिया है। भारत सरकार भी अजरबैजान से रिश्ते सामान्य करना चाहती है, क्योंकि अजरबैजान, भारत के लिए ऊर्जा सुरक्षा, दक्षिण काकेशस में भू राजनीतिक संतुलन के दृष्टिकोण से महत्वपूर्व है। यूरोप का यह छोटा सा देश जरूर है, लेकिन भारत की यूरेशिया तक कनेक्टिविटी बढ़ाने और 'इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर' के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। कहा जाता है कि अजरबैजान, यूरोप और एशिया के चौराहे पर स्थित है, इसलिए भारत भी नहीं चाहता कि इस महत्वपूर्ण देश से उसके रिश्ते में ज्यादा कड़वाहट आए, हालांकि भारत किसी भी सूरत में आर्मेनिया को भी नाराज नहीं करेगा, क्योंकि वह भारत का स्वाभाविक मित्र राष्ट्र है। भारत का प्रत्येक मंच पर समर्थन करता है। साथ ही सबसे बड़ा हथियार आयातक देश भी है।

आर्मेनिया ने भी ईरान से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने में भारत की बड़ी मदद की है, हालांकि हाल के कुछ महीने में पाकिस्तान के साथ उसके रिश्ते में सुधार आया है। अब भारत सरकार को अपनी कूटनीति के आधार पर न सिर्फ अजरबैजान और आर्मेनिया को साधे रखना है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करना है कि उसका स्वाभाविक मित्र राष्ट्र आर्मेनिया, पाकिस्तान के पाले में न जाए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ईरान-अमेरिका युद्ध में जिस तरह मित्र राष्ट्र इजरायल, अमेरिका और ईरान को साध रहे हैं, वैसे ही वे इन दोनों देशों को भी अपने साथ रखने में कामयाब होंगे।

अजरबैजान का पाकिस्तान से अलग होना बहुत जरूरी है। जिस तरह पर्यटकों की संख्या वहां घटी है और आर्थिक रूप से झटका लगा है, उससे तो यही लगता है कि अब अजरबैजान पुनः सार्वजनिक मंच पर पाकिस्तान के समर्थन में आवाज उठाने की हिमाकत नहीं करेगा। साथ ही वह भारत के समर्थन में खड़ा नजर आएगा। 200 से अधिक भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी में मदद करके उसने इस बात के संकेत दे दिए हैं और पाकिस्तान को भी बता दिया है कि वह इस्लामाबाद का साथ तभी तक दे पाएगा जब तक कि उसके अपने हित प्रभावित नहीं होंगे। वैसे भी अजरबैजान और इजरायल की दोस्ती अच्छी है। ऐसे में अजरबैजान पर भारत से रिश्ते सुधारने का दबाव इजरायल की तरफ से भी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि यह रिश्ते आने वाले दिनों में मजबूत होंगे।

आमने सामने

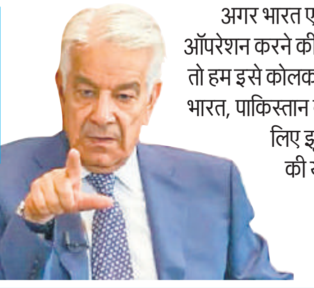

अगर भारत एक और झूठा फ्लैग ऑपरेशन करने की कोशिश करता है, तो हम इसे कोलकाता तक ले जाएंगे। भारत, पाकिस्तान को दोषी ठहराने के लिए झूठे फ्लैग ऑपरेशन की योजना बना रहा है।

-ख्वाजा आसिफ
रक्षा मंत्री
पाकिस्तान

पाकिस्तान के रक्षामंत्री को ऐसा भड़काऊ बयान नहीं देना चाहिए था। 55 साल पहले उन्हें इसके परिणाम भुगतने पड़े थे, जब पाकिस्तान दो हिस्सों में बंट गया था। अगर वे बंगाल पर नजर डालने की कोशिश करेंगे, तो पता नहीं इस बार पाकिस्तान कितने हिस्सों में बंटेगा।

-राजनाथ सिंह
रक्षा मंत्री, भारत

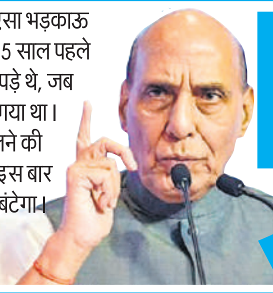

स्त्रियों पर बंदिश फिर इसे अक्षमता बताता है समाज

सत्य प्रकाश नायक

एक्टिविस्ट

स्त्रियों को लंबे समय तक शिक्षा, संपत्ति और पेशेवर अवसरों से दूर रखा गया। जब संस्थानों के दरवाजे बंद थे, तब उनकी अनुपस्थिति को उनकी अक्षमता माना गया।

रात के ग्यारह बजे एक व्यक्ति बिजली के खंभे पर चढ़ा है। नीचे अंधेरा है और ऊपर करंट का खतरा। तस्वीर के साथ लिखा है कि जिस दिन महिलाएं भी ऐसे काम करेंगी, उस दिन सच्ची बराबरी होगी। पहली नज़र में यह तर्क सीधा लगता है, लेकिन क्या वास्तव में बराबरी का अर्थ केवल वही काम करना है, जो दिखाई देता है। क्या जोखिम ही समानता की अंतिम कसौटी है, या यह सवाल ही अधूरा है। कभी-कभी हम तस्वीरों से निष्कर्ष निकाल लेते हैं, पर तस्वीरें अक्सर कहानी का आधा हिस्सा ही दिखाती हैं। जो दिखाई देता है, वह श्रम है; जो नहीं दिखाई देता, वह त्याग है और बराबरी की चर्चा में त्याग का अदृश्य होना ही, सबसे बड़ी विडंबना है।

इतिहास बताता है कि स्त्रियों को लंबे समय तक शिक्षा, संपत्ति और पेशेवर अवसरों से दूर रखा गया। जब संस्थानों के दरवाज़े बंद थे, तब उनकी अनुपस्थिति को उनकी अक्षमता माना गया। उन्नीसवीं सदी में एक महिला को चिकित्सा शिक्षा पाने के लिए पुरुष की पहचान अपनानी पड़ी, क्योंकि महिलाओं के लिए मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश वर्जित था। पहले रास्ते बंद किए गए, फिर पूछा गया कि महिलाएं दिखती क्यों नहीं। यह बराबरी नहीं थी, यह संरचनात्मक असमानता थी।

भेदभाव अचानक वयस्कता में शुरू नहीं होता। वह बचपन से शुरू होता है। लड़कों को खिलौनों में गाड़ियां, औज़ार और बाहर की दुनिया दी जाती है। लड़कियों को रसोई सेट और गुड़िया। लड़कों को चढ़ना, गिरना, जोखिम लेना सिखाया जाता है। लड़कियों को संभलकर चलना और सीमाओं में रहना। धीरे-धीरे यह सामाजिक प्रशिक्षण उनके आत्मविश्वास, आकांक्षाओं और निर्णय लेने की क्षमता को आकार देता है। जब बचपन से ही यह संदेश दिया जाए कि कुछ काम 'तुम्हारे लिए नहीं हैं', तो बड़े होकर अवसरों की असमानता केवल परिणाम होती है, कारण नहीं।

कार्य विभाजन भी तटस्थ नहीं है। समाज ने कामों को 'पुरुष' और 'महिला' श्रेणियों में बांट दिया। भारी मशीन, निर्माण, तकनीकी मरम्मत पुरुषों के हिस्से में गई। देखभाल, सफाई, खाना बनाना, बच्चों और बुज़ुर्गों की जिम्मेदारी महिलाओं के हिस्से में। यह बटवारा जैविक कम और सामाजिक अधिक था। पर समय के साथ इसे प्राकृतिक मान लिया गया।

भारतीय समाज में यह असमानता और जटिल हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र और यूनिसेफ से जुड़े आकलनों के अनुसार ग्रामीण भारत में पानी लाने की जिम्मेदारी का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा महिलाओं पर है। वे रोज़ कई किलोमीटर पैदल चलती हैं और घंटों कतार में खड़ी रहती हैं। यह श्रम शारीरिक रूप से कठिन है, लेकिन इसे जोखिमपूर्ण कार्यों की श्रेणी में नहीं रखा जाता, क्योंकि यह घर के दायरे से जुड़ा है और इसके बदले वेतन नहीं मिलता।

भारत के टाइम यूज़ सर्वे 2019 के अनुसार महिलाएं, पुरुषों की तुलना में कई गुना अधिक समय अवैतनिक घरेलू और देखभाल कार्यों में लगाती हैं। ऑब्ज़र्वर रिसर्च फाउंडेशन के विश्लेषण के अनुसार भारतीय महिलाएं, पुरुषों से लगभग आठ गुना अधिक समय देखभाल कार्यों में देती हैं। यदि एक पुरुष प्रतिदिन एक घंटा देता है, तो एक महिला औसतन आठ घंटे देती है। यह केवल समय का अंतर नहीं यह अवसर का अंतर है। जब किसी व्यक्ति का अधिकांश समय अवैतनिक जिम्मेदारियों में व्यतीत होता है, तो वह प्रशिक्षण, कौशल विकास, नेटवर्किंग या जोखिमपूर्ण पेशों में प्रवेश के लिए आवश्यक तैयारी कैसे करेगा।

नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च के अध्ययन से संकेत मिलता है कि यदि घरेलू जिम्मेदारियां संतुलित रूप से बांटी जाएं, तो महिला श्रम भागीदारी लगभग छह प्रतिशत तक बढ़ सकती है। यह वृद्धि केवल सांख्यिकीय परिवर्तन नहीं होगी; यह लाखों महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता का मार्ग खोलेगी। मैकिंज़ी ग्लोबल इंस्टीट्यूट का अनुमान है कि महिलाओं की पूर्ण आर्थिक भागीदारी से वैश्विक अर्थव्यवस्था में खरबों डॉलर की वृद्धि संभव है। अवसर केवल समय से नहीं रुकते। वे मानसिकता से भी रुकते हैं। अनेक घरों में आज भी लड़कियों की गतिशीलता सीमित की जाती है। देर शाम बाहर रहना, दूर शहर में प्रशिक्षण लेना, फील्ड जॉब करना, जोखिमपूर्ण काम सीखना, इन सब पर प्रश्नचिह्न लगाया जाता है। परिवार की प्रतिष्ठा, सुरक्षा और परंपरा का तर्क दिया जाता है।

परिणामस्वरूप लड़कियां धीरे-धीरे अपने सपनों को छोटा करना सीख जाती हैं। लगातार यह सुनना कि तुम नाज़ुक हो, तुम कमजोर हो, तुम्हें सुरक्षा की ज़रूरत है, केवल बाहरी रोक नहीं है; यह भीतर भी घर कर लेता है। मनोवैज्ञानिक स्तर पर आत्मविश्वास क्षीण होता है। कई महिलाएं अवसर मिलने पर भी स्वयं को उस भूमिका के योग्य नहीं मानतीं। जब समाज बार-बार सीमाएं खींचता है, तो व्यक्ति उन सीमाओं को अपनी पहचान का हिस्सा समझने लगता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

कमलपुर की महानता

एक बार मैं कमलपुर राज्य में गया। जब वहां के राजा के साथ भ्रमण पर निकला, तो कुछ देर बाद ही मुझे अपनी नाक पर रुमाल रखना पड़ा। 'आपके यहां गंदगी कुछ जियादे ही है श्रीमान!'

'क्या कह रहे हैं। हमारे यहां रोज सफाई होती है। यहां का सूबेदार खुद यह काम करता है। वह भी रोज। बिना नागा किए हुए! इस वक्त भी वह सफाई कार्य में लगा होगा! आप चलकर खुद ही देख लें महोदय!'

अनूप मणि त्रिपाठी

लेखक

इसी के साथ राजा ने सारथी को दिशा परिवर्तन का आदेश दिया। आदेश मिलते ही रथ दूसरी दिशा की ओर चल पड़ा। हम जैसे-जैसे आगे बढ़ रहे थे, दुर्गंध से मेरा दम घुटा जाता था। कुछ दूर जाने के बाद मैंने देखा कि उनका सूबेदार अपनी भाषा में जोर-जोर से कुछ बक रहा है, पर सामने मुझे कोई नजर न आता था। मैंने उधर-उधर देखने की कोशिश की पर मुझे कोई नहीं दिखा।

अंत में हारकर मैंने राजा से पूछा, 'आपका सूबेदार ये किससे बात कर रहा है? मुझे तो कोई नजर नहीं आ रहा श्रीमान!'

राजा बोला,' यह जो पहाड़ देख रहे हैं, मेरा काबिल सूबेदार उसी से बात कर रहा है।' मुझे बहुत हैरत हुई। मुझे तो वहां कोई पहाड़ नजर नहीं आया। पर मैं नहीं जानता था कि आगे महाहैरत मेरा इंतजार कर रही है। 'क्षमा करें मान्यवर! पर मुझे तो कोई पहाड़ नजर नहीं आ रहा!' मैंने राजा को अपनी दुविधा बताई।

राजा ने मेरी मुंडी पकड़ी और अपनी उंगली से सामने की ओर इशारा करते हुए बोला, 'वो रहा पहाड़। इतना ऊंचा तो है!'

'श्रीमान यह तो कूड़े का ढेर है!' मैं लगभग चीखते हुए बोला।

'पहाड़ जितना तो ऊंचा है!'

'मगर कूड़े के पहाड़ से कह क्या रहा है आपका सूबेदार!'

'वह कह रहा है कि अकड़ मत भइये! एक दिन तो तुझे यहां से भागना होगा! एक दिन तुझे यहां से जाना होगा!'

'और ये कब से कह रहा!' मैंने खुद को संभालते हुए पूछा।

'तकरीबन आठ-दस साल तो हो ही गए होंगे!'

'लोगों को दिक्कत नहीं होती क्या!' मैंने राजा से हैरत से पूछा।

'महोदय! किसी भी चीज को लंबा चलाना-खींचना होता है बस, एक दिन वह आदत में बदल जाती है। फिर चाहे गंदगी हो या युद्ध!' अपनी नाक से खुशबूदार रुई के फाहे निकालते हुए आगे बोला, 'देख लीजिए! यहां सिर्फ आपकी नाक पर रुमाल है।'

वाकई वहां मेरी नाक पर ही रुमाल था।

-फेसबुक वॉल से

सामयिकी

जलवायु परिवर्तन: पान की पारंपरिक खेती पर खतरा

राजस्थान के भरतपुर जिले की बयाना तहसील के कुछ गांव आजकल किसी रिपोर्ट के आंकड़े नहीं, बल्कि एक धीमी त्रासदी की तरह सामने आते हैं। कभी यहां पान की बेलें सिर्फ खेतों में नहीं, लोगों की जिंदगी में भी लहलहाती थीं। आज वही बेलें सिकुड़ गई हैं और उनके साथ सिकुड़ गई है, एक पूरे समुदाय की आर्थिक और सामाजिक दुनिया। एक आज ये गांव खाली हो रहे हैं। वहां के ग्रामीण कामकाज के लिए बड़े शहरों में पलायन कर गए हैं।

पिछले दिनों मैंने जब इस इलाके के बारे में सुना था, तो एक बात बार-बार मन में आ रही थी कि क्या सचमुच यह सिर्फ मौसम की मार है? या फिर हम अपनी जिम्मेदारियों को 'जलवायु परिवर्तन' जैसे बड़े शब्दों के पीछे छिपा रहे हैं? यह सच है कि मौसम बदल गया है। सर्दियां पहले जैसी नहीं रही हैं, गर्मियां झुलसा देती हैं और बारिश अपने समय पर नहीं आती। पान जैसी नाजुक फसल के लिए यह बदलाव जानलेवा साबित हुआ है। मैं जब इस इलाके में गया, तो गांवों की समृद्ध अर्थ व्यवस्था को उजड़े हुए पाया। खरैरी, बागरैन और खानखेड़ा गांवों के किसान बताते हैं कि पहले पान की एक बेल पंद्रह फीट तक जाती थी, अब सात-आठ फीट पर ही दम तोड़ देती है। पत्ते कम हो गए हैं और जो हैं, वे भी अक्सर दागदार या जले हुए मिलते हैं।

अमरपाल सिंह वर्मा

वरिष्ठ पत्रकार

कहानी यहीं खत्म नहीं होती है। असल कहानी वहां से शुरू होती है, जहां किसान मौसम से लड़ते-लड़ते थक जाता है और फिर उसे अहसास होता है कि इस लड़ाई में वह अकेला है। कोई उसके साथ नहीं है। पान की खेती आज भी फसल बीमा के दायरे से बाहर है। यह एक ऐसी हकीकत है, जिसे सुनकर हैरानी नहीं, बल्कि चिंता होनी चाहिए। बड़ा सवाल यह है कि जब जोखिम बढ़ रहा है, तब सुरक्षा का दायरा क्यों नहीं बढ़ता? क्या हमारी नीतियां केवल गेहूं-चावल जैसी मुख्यधारा की फसलों तक सीमित रह गई हैं? या फिर हम उन फसलों को नजरअंदाज कर रहे हैं, जो भले ही राष्ट्रीय आंकड़ों में बड़ी न दिखें, लेकिन स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं?

बयाना का खरैरी गांव इसका जीता-जागता उदाहरण है। कभी यहां पान की वजह से इतनी रौनक थी कि बैंक की मुख्य शाखा तक खुल गई थी। आज हालात ऐसे हैं कि यह बैंक भी अपना बोरिया-बिस्तर समेट चुका है। यह सिर्फ एक आर्थिक गिरावट नहीं, बल्कि एक पूरे दौर के खत्म होने की निशानी है। इसके बाद आता है पलायन। गांव के युवा अब खेतों में नहीं, शहरों की भीड़ में मिलते हैं। बड़े शहरों में कोई सिक्योरिटी गार्ड है, कोई हलवाई के यहां काम कर रहा है, कोई ऑटो चला रहा है। यह बदलाव सिर्फ पेशे का नहीं, बल्कि पहचान का भी है। जो लोग कभी अपने खेतों के दम पर समृद्ध थे, वे अब शहरों में मजदूरों की कतार का हिस्सा बन गए हैं।

सवाल यह भी है कि क्या हम गांवों को धीरे-धीरे खाली होते देखने के आदी हो चुके हैं? सरकार की भूमिका पर बात करना यहां जरूरी है, लेकिन इसे केवल आलोचना के रूप में नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए। अगर किसी क्षेत्र में सदियों पुरानी खेती खत्म होने के कगार पर है, तो क्या यह सिर्फ किसानों की समस्या है? या यह नीति-निर्माताओं के लिए भी एक चेतावनी है? पान की खेती को अगर बीमा, अनुदान, प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ा जाता, तो शायद हालात यह न होते। आसपास मंडी नहीं है, परिवहन की सुविधा कमजोर है। ऐसे में किसान अपनी उपज बेचने के लिए दूर-दराज के शहरों पर निर्भर हैं। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत* 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

इंसानियत सिखाती कठपुतलियां

आदिम काल से लेकर आज तक मनुष्य अपने फुर्सत के समय में किसी न किसी तरह के मनोरंजन के साधनों को अपनाता रहा है। कठपुतली नाट्य कला मनुष्य द्वारा अपनाए जाने वाले साधनों में एक स्वस्थ, संदेशप्रद, शालीन, सभ्य, नैतिकता से ओतप्रोत और मानवीय मूल्यों का बोध कराने वाले मनोरंजन के साधनों के रूप में सदियों से जानी जाती रही हैं। परंतु आधुनिक दौर में तकनीकी, प्रौद्योगिकी, मशीनीकरण ने हस्तकला आधारित मनोरंजन के साधनों और औजारों को बुरी तरह ध्वस्त कर दिया। तेजी से पांव पसारती उपभोक्तावादी संस्कृति टीवी, फिल्म, वेबसीरिज, तरह-तरह के धारावाहिकों, कानफोड़ू डीजे कल्चर के चक्कर और घनचक्कर में लोगों ने कठपुतली नाट्य कला को भूला दिया। मोबाइल और लैपटॉप पर होने वाली चैटिंग और विविध प्रकार के गेमो ने तो कठपुतली नाट्य कला को लगभग हाशिए पर धकेल दिया।

मनोज कुमार सिंह
साहित्यकार

वर्द्धन वंश ने दिया संरक्षण

सामान्यतः पुतलों का प्रयोग हमारे देश के किसान अपने खून-पसीने की कमाई फसल की रक्षा के लिए करते हैं। अपनी चुनी हुई सरकार, चुने हुए जनप्रतिनिधियों के खिलाफ अपने आक्रोश को अभिव्यक्त करने के लिए जनता द्वारा पुतला दहन का कार्यक्रम आमतौर पर देखा जा सकता है। हर वर्ष दशहरा के अवसर पर रावण का पुतला दहन करने का रिवाज सदियों पुराना है। परंतु पुतला के माध्यम नाट्यकला कौशल का उल्लेख ईसापूर्व चौथी शताब्दी में पाणिनी कृत अष्टाध्यायी के नटसूत्र में मिलता है। एक पौराणिक मान्यता के अनुसार भगवान शिव ने काठ की मूर्ति में प्रवेश कर पार्वती जी का मन बहलाकर इस नाट्यकला को शुरुआत किया था। सिंहासन बत्तीसी में भी विक्रमादित्य के सिंहासन की बत्तीस पुतलियों का उल्लेख मिलता है। यह सर्वविदित तथ्य है कि राजतंत्रीय परंपराओं में हर कला का विकास राजमहलों की अनुकंपा पर निर्भर था। भारत वर्द्धन वंश के शासकों ने कठपुतली नाट्यकला को संरक्षण और प्रश्रय दिया। वर्द्धन वंश के शासकों के शासन काल में इस कला का फैलाव भारत से पूर्वी एशिया के देशों इंडोनेशिया, थाईलैंड, म्यान्मार, जावा श्रीलंका इत्यादि में हुआ।

कहानी कहने का सहज और आकर्षक माध्यम

कठपुतली नाट्य कला के सिद्धहस्त कलाकार परदे के पीछे से सुतली, धागे या रस्सी के सहारे मंच पर प्लास्टर ऑफ पेरिस की बनी कठपुतलियों पर जब अपनी जादुई उंगलियों को फेरते हैं, तो कठपुतलियां जीते-जागते इंसानों की तरह बोल उठती हैं। मंच पर कठपुतलियों का मनमोहक नृत्य और अभिनय दर्शकों का मन बरबस मोह लेता है। किसी कथा, कथानक और कहानी कहने का सहज सरल और आकर्षक माध्यम है कठपुतली नाट्य कला। नाट्यकला और रंगमंच के इतिहास का अवलोकन करने पर ज्ञात होता है कि कठपुतली नाट्य कला स्वस्थ मनोरंजन के सरल, सहज, सशक्त और आकर्षक माध्यम के रूप में अत्यंत प्राचीन काल से विश्व के अधिकांश हिस्सों मे व्याप्त रही है। कालक्रमेण कठपुतली नाट्य कला स्वस्थ मनोरंजन के साथ-साथ ज्ञान-विज्ञान का समुचित बोध कराने, शिक्षा, सूचना और विचारों के संप्रेषण का माध्यम तथा इससे जुड़े कलाकारों के आजीविका का साधन बन गई। हमारे जनजीवन और लोक मनोरंजन से लगभग मृतप्राय: हो रही है। कठपुतली नाट्य कला कै माध्यम से शिक्षण कार्य को रोचक बनाया जा सकता है। कुप्रथाओं, कुरीतियों और अन्य सामाजिक समस्याओं को मिटाने के लिए कठपुतली विधा बेहतरीन माध्यम हो सकती है।

फ्रांस से शुरू हुई दिवस मनाने की परंपरा

कठपुतली नाट्य कला के विकास, संबर्द्धन और सशक्तिकरण को ध्यान में रखकर कठपुतली दिवस मनाने का विचार सर्वप्रथम ईरान के कठपुतली नाट्य मर्मज्ञ और प्रस्तोता जावेद जोलपाघरी ने प्रस्तुत किया। वर्ष 2000 में मांडेबुर्ग में 18 वीं Union Internationale de la Marionnetee (UNIMA) सम्मेलन के दौरान यह प्रस्ताव विचार हेतु रखा गया। दो वर्ष बाद इस प्रस्ताव को जून 2002 के जून महीने में अटलांटा में काउंसिल द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया। सर्वप्रथम फ्रांस में वर्ष 2003 में विश्व कठपुतली दिवस मनाया गया, तब से कठपुतली दिवस मनाने का चलन-चलन संपूर्ण विश्व में फैलने लगा।

शिक्षण में निभा सकती है महती भूमिका

अपनी अद्वितीय संप्रेषण दक्षता और ग्रहणशीलता के कारण कठपुतली नाट्य कला प्राथमिक स्तर तथा उच्च प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए शिक्षण-प्रशिक्षण का सशक्त और लोकप्रिय माध्यम हो सकती हैं। पौराणिक और ऐतिहासिक विभूतियों के जीवन चरित्र पर आधारित कठपुतली नाट्य कला के प्रदर्शन से चरित्र निर्माण में सहायता मिल सकती हैं। मनोरंजन के नित नवीन विकसित होते माध्यमों के कारण कठपुतली नाट्य कला लगभग विलुप्ति के कगार पर है। इसके साथ ही साथ इसके माध्यम से आजीविका चलाने वाले लोगों के समक्ष भरण-पोषण का संकट खड़ा हो गया है। नृत्य कला, चित्रकला, मूर्तिकला और संगीत कला को समिश्रित किए कठपुतली नाट्यकला भारतीय समाज में अत्यंत प्राचीन काल से चलन-कलन में रही है।

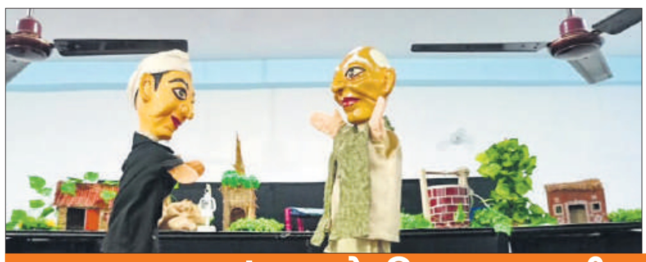

संरक्षण के लिए समाज की जागरूकता जरूरी

पारंपरिक भारतीय कठपुतली नाट्यकला में पौराणिक कथाओं, मिथकों और कहानियों जैसे अमर सिंह राठौड़, पृथ्वीराज, लैला मजनूं, शीरी फरहाद तथा भारतीय इतिहास के विभिन्न कालखंडों के महापुरुषों राजा हरिश्चंद्र, भक्त पूरन मल, श्रवण कुमार, भर्तृहरि, सती-सावित्री इत्यादि के चरित्र को आधार बनाकर मंचन किया जाता था। आज इसका समसामयिक प्रयोग प्रौढ़ शिक्षा, परिवार नियोजन, विज्ञापन इत्यादि में किया जाता है। उत्तर भारत में राजस्थान में कठपुतली नाट्यकला आज भी लोकप्रिय है। लोक जागरण के सशक्त माध्यम कठपुतली नाट्यकला को फिर से व्यापक, विस्तारित और लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है।

साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद की माटी के सपूत राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से प्रशिक्षित उत्कृष्ट रंगकर्मी श्री मिथिलेश दुबे अपनी संस्था क्रिएटिव पपेट थिएटर के माध्यम से 'मोहन से महात्मा' कठपुतली नाट्य कला का देश के विभिन्न हिस्सों में मंचन करते आ रहे हैं। मिथिलेश दूबे जी विगत आठ वर्षों से कठपुतली नाट्य कला पर गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। मिथिलेश दूबे जी स्वाधीनता आंदोलन के नायकों के व्यक्तित्व पर आधारित कथानक तैयार कर कठपुतली नाट्य कला का मंचन देश के विभिन्न शहरों में करते आ रहे हैं। इसके अतिरिक्त प्रौढ़ शिक्षा, परिवार नियोजन, नारी सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विषयों पर कथानक तैयार कर मंचन का कार्य करते हैं। जिन सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर देश के अधिकांश बुद्धिजीवी बहस करते हैं। इन समस्याओं को कठपुतली नाट्य कला के माध्यम से हम जनमानस को सहजता से समझा सकते हैं। इस तरह कठपुतली नाट्य कला के माध्यम से देश की विविध समस्याओं के प्रति जनमानस को जागरूक कर सकते हैं। इसके साथ कठपुतली नाट्य कला के माध्यम से स्वस्थ मनोरंजन के साथ-साथ अपने समाज के नैतिक मूल्यों, आदर्शों और मर्यादाओं को समाज स्थापित, विस्तारित, व्यापक और मजबूत कर सकते हैं। इस नाट्यकला के माध्यम से भारतीय समाज में व्याप्त कुरीतियों, कुप्रथाओं और असंगत रूढ़ियों को दूर किया जा सकता है। वैसे तो कठपुतली नाट्य कला का फैलाव प्रशांत महासागर के पूर्वी छोर से पश्चिमी छोर तक पाया जाता हैं, परंतु आधुनिक दौर में भारत में यह कला बेहद संकट के दौर से गुजर रही हैं।

कठपुतली नाट्य कला को विगत वर्षों में स्कील इंडिया कार्यक्रम से जोड़ा गया है, जिसके माध्यम से कलाप्रेमी युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराया जा सके। कठपुतली नाट्य कला को संरक्षित करने के लिए जन जन में जागरूकता लाई जाए तथा स्वस्थ सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश निर्मित किया जा सके।

अनोखी परंपरा

पीढ़ियों का विश्वासः राम जन्म कुंडली वाचन

राजस्थान के बीकानेर शहर में एक ऐसी अनूठी धार्मिक परंपरा जीवित है, जो समय के साथ न केवल संरक्षित रही है, बल्कि आज भी लोगों की गहरी आस्था का केंद्र बनी हुई है। तेलीवाड़ा चौक स्थित रघुनाथ मंदिर में पिछले लगभग 125 वर्षों से भगवान श्रीराम की जन्म कुंडली के वाचन की परंपरा निरंतर निभाई जा रही है। यह परंपरा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि स्थानीय सांस्कृतिक विरासत का सशक्त प्रतीक भी है। इस परंपरा की सबसे विशेष बात यह है कि कुंडली वाचन का दायित्व पीढ़ी दर पीढ़ी एक ही परिवार द्वारा निभाया जाता रहा है। वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में न केवल धार्मिक अनुशासन दिखाई देता है, बल्कि परिवार की उस निष्ठा का भी परिचय मिलता है, जिसने इसे समय की धारा में बहने नहीं दिया। मंदिर परिसर में स्थापित वीर हनुमान जी की प्रतिमा के समक्ष यह अनुष्ठान विधिवत संपन्न होता है, जहां श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इसे श्रद्धा के साथ देखते और सुनते हैं।

कुंडली वाचन से पूर्व पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की जाती है। इसके बाद भगवान को अर्पित प्रसाद को भक्तों में वितरित किया जाता है। प्रसाद के रूप में पंचामृत और पंजीरी का विशेष महत्व है। पंचामृत को दूध, दही, केसर और पंचमेवा से तैयार किया जाता है, जिसकी मात्रा भी इस आयोजन की भव्यता को दर्शाती है। करीब 9 क्विंटल पंचामृत श्रद्धालुओं के बीच बांटा जाता है। यह केवल प्रसाद वितरण नहीं, बल्कि सामूहिक सहभागिता और श्रद्धा का उत्सव बन जाता है। इस परंपरा का महत्व केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है। यह बीकानेर की उस सांस्कृतिक पहचान को भी उजागर करती है, जिसमें परंपराओं को सहेजकर अगली पीढ़ियों तक पहुंचाने का भाव निहित है। बदलते समय और आधुनिक जीवनशैली के बीच भी इस तरह की परंपराओं का जीवित रहना इस बात का प्रमाण है कि समाज अपनी जड़ों से कितना गहराई से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार, बीकानेर का यह रघुनाथ मंदिर न केवल एक आस्था का केंद्र है, बल्कि वह स्थान भी है, जहां इतिहास, परंपरा और विश्वास एक साथ जीवंत रूप में दिखाई देते हैं।

रंग, रिश्ते और रिवाजों का जनजातीय उत्सव

लोकायन

गुजरात के उत्तर-पूर्वी अंचल में जब रंग, संगीत और उत्साह एक साथ सजीव हो उठते हैं, तब कवंत का जनजातीय उत्सव अपने पूरे वैभव के साथ सामने आता है। यह केवल एक पर्व नहीं, बल्कि रथवा जनजाति के जीवन, संस्कृति और सामूहिक आनंद का जीवंत उत्सव है, जिसमें परंपरा और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिलता है। कवंत का यह आयोजन दरअसल एक बड़े सामाजिक मिलन का रूप ले लेता है। दूर-दराज के गांवों से लोग सजे-धजे परिधानों में यहां पहुंचते हैं और अपने रिश्तों को नया आयाम देते हैं। इस दौरान विवाह संबंधों पर चर्चा करना एक अहम पहलू होता है, जहां परिवार आपसी सहमति और परंपराओं के अनुसार रिश्तों की नींव रखते हैं। साथ ही, वस्तुओं का आदान-प्रदान भी इस उत्सव का हिस्सा होता है, जो सामुदायिक जीवन की आत्मनिर्भरता और सहयोग की भावना को दर्शाता है। इस उत्सव की सबसे आकर्षक झलक इसके पारंपरिक लोक नृत्यों में देखने को मिलती है। ढोल-नगाड़ों और लोक वाद्यों की थाप पर युवक-युवतियां जब समूह में थिरकते हैं, तो पूरा वातावरण ऊर्जा और उल्लास से भर उठता है। उनके रंग-बिरंगे परिधान, पारंपरिक आभूषण और लयबद्ध नृत्य इस उत्सव को और भी मनमोहक बना देते हैं। संगीत यहां केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति का माध्यम बन जाता है। कवंत की खासियत यह भी है कि यह अब केवल स्थानीय उत्सव नहीं रह गया है। इसकी ख्याति देश-विदेश तक पहुंच चुकी है।

हर वर्ष बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक और अनिवासी भारतीय इस अनूठे जनजातीय उत्सव को देखने के लिए यहां आते हैं। उनके लिए यह अनुभव किसी जीवंत सांस्कृतिक संग्रहालय से कम नहीं होता, जहां वे भारत की आदिवासी परंपराओं को करीब से महसूस कर पाते हैं। बदलते समय के बावजूद कवंत अपनी मूल पहचान को सहेजे हुए है। यह उत्सव आज भी उस सरल, सामूहिक और आनंदमय जीवनशैली की झलक प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता की दौड़ में कहीं खोती जा रही है। यही कारण है कि कवंत न केवल एक त्योहार है, बल्कि वह परंपरा, पहचान और समुदाय की एक ऐसी जीवित कहानी है, जो हर साल नए उत्साह के साथ दोहराई जाती है।

आर्ट गैलरी

कला जगत की ताजा खबर यह है कि वैक्सीन उद्योग के अरबपति सायरस पूनावाला ने राजा रवि वर्मा की प्रसिद्ध कृति "यशोदा और कृष्ण" को 17 .9 मिलियन डॉलर (लगभग 1672 करोड़ रुपये) में खरीदकर भारतीय चित्रकला की नीलामी का नया रिकॉर्ड स्थापित किया। यह नीलामी 1 अप्रैल को मुंबई स्थित सैफ्रौनआर्ट में हुई, जहां इस कृति ने अनुमानित मूल्य से कहीं अधिक बोली प्राप्त की और एम. एफ. हुसैन की कृति "ग्राम यात्रा" को मिली उच्चतम बोली का पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया। इस तरह यह चित्र दक्षिण एशियाई कला के लिए दूसरी सबसे महंगी कृति बन गयी है। हालांकि पहला स्थान 2017 में बिकी एक बौद्ध मूर्ति के पास है। पूनावाला ने इसे "राष्ट्रीय धरोहर" बताते हुए कहा कि वे इसे समय-समय पर सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए उपलब्ध कराते रहेंगे।

यशोदा और कृष्ण : भारतीय कला की पुनर्पहचान

यह कृति रवि वर्मा के करियर के उस शिखर काल की है, जिसमें पाश्चात्य यथार्थवादी शैली और भारतीय पौराणिक विषयों का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उल्लेखनीय है कि रवि वर्मा उन कलाकारों में शामिल हैं, जिन्हें 1972 के भारतीय कानून के तहत 'राष्ट्रीय धरोहर' घोषित किया गया है, जिसके कारण उनकी कृतियां देश से बाहर नहीं जा सकतीं हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यह बिक्री भारतीय कला बाजार के परिपक्व होने और देश के भीतर सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने की बढ़ती प्रवृत्ति का सुखद संकेत है।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

"यशोदा और कृष्ण" शीर्षक वाली यह कृति केवल एक ग्रामीण दृश्य नहीं है, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक स्मृति, भक्ति-परंपरा और मातृत्व के गहन प्रतीकवाद से समृद्ध एक दृश्य-आख्यान बन जाती है। राजा रवि वर्मा ने इस चित्र में पौराणिक कथा को लोकजीवन के सहज परिवेश में रूपायित कर उसे एक नई यथार्थवादी संवेदना प्रदान की है। चित्र में माता यशोदा को एक साधारण ग्रामीण स्त्री के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो गाय का दूध निकाल रही हैं। उनके पीछे बालक कृष्ण का स्नेहपूर्ण आलिंगन मातृत्व और बाल-क्रीड़ा की आत्मीयता को व्यक्त करता है। यहां कृष्ण कोई अलौकिक, चमत्कारिक देवता नहीं, बल्कि एक चंचल, स्नेहमय बालक के रूप में दिखाई देते हैं-यही रवि वर्मा की सबसे बड़ी विशेषता है, अर्थात् देवत्व का मानवीकरण।

कला-इतिहास की दृष्टि से यह चित्र भारतीय भक्ति आंदोलन की उस परंपरा को दृश्य रूप देता है, जिसमें ईश्वर को एक सुलभ, प्रेमपूर्ण और मानवीय रूप में अनुभव किया जाता है। विदित है कि यशोदा-कृष्ण संबंध वैष्णव भक्ति परंपरा में 'माधुर्य' और 'वात्सल्य' भाव का प्रमुख उदाहरण है। इस चित्र में वात्सल्य रस की अभिव्यक्ति अत्यंत स्वाभाविक और प्रभावशाली है-यशोदा का शांत, ममत्वपूर्ण चेहरा और कृष्ण का स्नेहिल स्पर्श इस भाव को मूर्त रूप देते हैं।

तकनीकी दृष्टि से, चित्र में प्रकाश और छाया का सूक्ष्म उपयोग, शरीर की आयतनात्मकता और वस्त्रों की यथार्थपरक बनावट यूरोपीय अकादमिक शैली की देन है, किंतु विषय-वस्तु, भाव और प्रतीक पूरी तरह भारतीय हैं। गौ यहां केवल एक पशु नहीं, बल्कि 'गौ-माता' के रूप में भारतीय सांस्कृतिक प्रतीक है- समृद्धि, पोषण और पवित्रता का संकेत।

राजा रवि वर्मा के चित्रों में एक और महत्वपूर्ण पहलू उभरता है-पौराणिक आख्यानों का लोक-रूपांतरण। कृष्ण, जो सामान्यतः वृंदावन के दिव्य नायक या अवतार के रूप में चित्रित होते हैं, यहां एक ग्रामीण बालक के रूप में उपस्थित हैं। इससे दर्शक के साथ उनका संबंध अधिक आत्मीय और निकट हो जाता है। इस प्रकार, रवि वर्मा ने धार्मिक कथा को सामाजिक यथार्थ के साथ जोड़कर उसे जनसामान्य के अनुभव का हिस्सा बना दिया। आलोचनात्मक दृष्टि से देखें तो यह चित्र उस सांस्कृतिक परियोजना का हिस्सा है, जिसमें औपनिवेशिक काल में भारतीय पहचान को पुनर्परिभाषित करने का प्रयास किया जा रहा था। यशोदा और कृष्ण के माध्यम से 'भारतीय मातृत्व' और 'आदर्श बालक' की छवि गढ़ी गई, जो एक सांस्कृतिक आदर्श का निर्माण करती है।

अंततः "यशोदा और कृष्ण" केवल एक चित्र नहीं, बल्कि भारतीय जीवन-दर्शन, भक्ति-संवेदना और सांस्कृतिक प्रतीकों का समन्वित रूप है। राजा रवि वर्मा ने इस पेंटिंग के माध्यम से यह सिद्ध किया कि पौराणिक कथाएं केवल अलौकिक नहीं, बल्कि मानवीय अनुभवों के माध्यम से भी उतनी ही प्रभावशाली ढंग से व्यक्त की जा सकती हैं। यही कारण है कि यह कृति आज भी सौंदर्य, भाव और अर्थ- तीनों स्तरों पर अत्यंत प्रासंगिक बनी हुई है।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	74,616.58	23,123.65
बढ़त	509.73	155.40
प्रतिशत में	0.69	0.68

सोना 1,53,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,40,000 प्रति किलो

अमृत विचार
लखनऊ, बुधवार, 8 अप्रैल 2026
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

चांदी 2,000 रुपये लुढ़की, सोना 600 रुपये टूटा

नई दिल्ली। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, चांदी की कीमत 2,000 रुपये, या लगभग एक प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई। सोमवार को बाज़ार बंद होने के समय इसकी कीमत 2,42,000 रुपये प्रति किलोग्राम थी। सर्राफा बाज़ार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 600 रुपये या 0.4 प्रतिशत टूटकर 1,53,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गया। पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,53,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

एयर इंडिया के सीईओ कैंपबेल विल्सन का त्याग पत्र

मुंबई। एयर इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने इस्तीफा दे दिया है। एयरलाइन ने उनके उत्तराधिकारी की तलाश के लिए एक समिति का गठन किया है। कंपनी ने मंगलवार को बताया न्यूजीलैंड मूल के विल्सन पिछले चार वर्ष से टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया के सीईओ एवं प्रबंध निदेशक के रूप में कार्य कर रहे थे। एयरलाइन ने बयान में कहा कि विल्सन ने 2024 में ही एयर इंडिया के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को 2026 में पद छोड़ने की अपनी इच्छा से अवगत करा दिया था।

एसडीएचआई को चार 'डुअल-फ्यूल' जहाज बनाने का ठेका

मुंबई। जहाज निर्माण एवं भारी ढांचा विनिर्माण कंपनी स्वान डिफेंस एंड हेवी इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एसडीएचआई) को एनर्जी वन लिमिटेड से चार डुअल-फ्यूल अमोनिया मालवाहक जहाज बनाने का ठेका मिला है। एसडीएचआई ने मंगलवार को बयान में कहा कि श्रेणी-4 के इस ठेके के तहत पहला पोत अक्टूबर 2029 तक सौंपे जाने की उम्मीद है। इसके बाद के पोत चार-चार महीने के अंतराल पर दिए जाएंगे। यह 1,501 करोड़ रुपये से 3,000 करोड़ रुपये के बीच मूल्य वाला ऑर्डर श्रेणी-4 में आता है। 229.5 मीटर लंबाई और 37 मीटर चौड़ाई वाले इन प्रत्येक जहाजों में अमोनिया ईंधन से चलने वाली प्रणोदन प्रणाली होगी।

टाटा स्टील के कच्चे इस्पात का उत्पादन 8% बढ़ा

नयी दिल्ली। टाटा स्टील ने मंगलवार को बताया कि वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भारत में उसका कच्चे इस्पात का उत्पादन 8% बढ़कर 2.34 करोड़ टन रहा, जो अब तक का सर्वाधिक वार्षिक उत्पादन है। कंपनी ने बताया कि उत्पादन में यह वृद्धि मुख्य रूप से उसके कलिंगनगर संयंत्र में परिचालन बढ़ने के कारण हुई है।

24 हजार करोड़ के औद्योगिक निवेश प्रस्तावों को मंजूरी

आठ औद्योगिक इकाइयों को मिलेगा एलओसी, कई जिलों में परियोजनाएं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में प्रदेश में करीब 24,000 करोड़ के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। इन प्रस्तावों के तहत राज्य के विभिन्न जिलों में आठ बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित की जाएंगी, जिनसे हजारों युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की संभावना है।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल नंदी ने बताया कि सरकार की ओर से इन कंपनियों को जल्द ही लेटर ऑफ कंफर्ट जारी किए जाएंगे, जिससे परियोजनाओं के धरातल पर उतरने की प्रक्रिया तेज होगी। मंत्री

- हजारों को मिलेगा रोजगार, यूपी बना निवेशकों की पहली पसंद

ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में नए भारत का नया उत्तर प्रदेश आज देश का ग्रोथ इंजन बनने की ओर अग्रसर है। बड़ी संख्या में निवेशक प्रदेश में निवेश के लिए स्वयं आगे आ रहे हैं। प्रत्येक निवेश प्रस्ताव को धरातल पर साकार करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इन जिलों में लगेंगी उद्योग इकाइयां

इन निवेश प्रस्तावों के तहत शाहजहांपुर, गोरखपुर, ग्रेटर नोएडा, प्रयागराज, हाथरस, यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र और मुरादाबाद में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना होगी। इससे क्षेत्रीय संतुलित विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

इन कंपनियों को मिली कैबिनेट से मंजूरी

ओएफबी टैंक प्रा. लि. – शाहजहांपुर में एग्रो केमिकल प्लांट (589.98 करोड़)
इंडिया ग्लाइकोल्स लि. – गोरखपुर में एथेनॉल प्लांट (669.93 करोड़)
सीईएसी ग्रीन पावर – सोलर सेल प्लांट (3805 करोड़)
बिसलेरी इंटरनेशनल – प्रयागराज में बेवरेज प्लांट (269.31 करोड़)
एजीआई ग्रीन पैक – हाथरस में एल्युमिनियम कैन यूनिट (1128.72 करोड़)
इंटीग्रेटेड बैटरीज इंडिया – यमुना एक्सप्रेसवे पर सोलर सेल यूनिट (1146 करोड़)
त्रिवेणी इंजीनियरिंग – मुरादाबाद में एथेनॉल यूनिट (237 करोड़)
अवाडा इलेक्ट्रो – संशोधित निवेश 13,640.79 करोड़

शेयर बाजार में चौथे दिन भी तेजी, सेंसेक्स 510 अंक चढ़ा, निफ्टी हुआ 23 हजारी

मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 % टूटकर 109 डॉलर प्रति बैरल पर आया

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। इससे बीएसई सेंसेक्स 510 अंक चढ़ गया और एनएसई निफ्टी 23,000 अंक के पार पहुंच गया। कच्चे तेल के दाम में नरमी और दुनिया के अन्य बाजारों में तेजी से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। इसके अलावा, आईटी शेयरों में लिवाली से भी बाजार में सुधार हुआ।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 509.73 अंक यानी 0.69 प्रतिशत बढ़कर 74,616.58 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, यह ऊंचे में 74,686.32 अंक तक गया

और नीचे में 73,282.41 अंक तक आया। इससे बाजार में 1,403.91 अंक का उतार-चढ़ाव आया। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 155.40 अंक यानी 0.68 प्रतिशत चढ़कर 23,123.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, इन्फोसिस, भारती एयरटेल, सन फार्मा और हिंदुस्तान यूनिलीवर प्रमुख रूप से लाभ में रहीं।

दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंटरग्लोब एविएशन, अदाणी पोर्ट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाइटन शामिल हैं। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.71 प्रतिशत टूटकर 109 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

बीएसई में सूचीबद्ध शेयरों में 2,671 में बढ़त दर्ज की गई, जबकि 1,555 शेयरों में गिरावट आई और 155 शेयर के भाव अपरिवर्तित रहे। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट बढ़त के साथ बंद हुए। हांगकांग में अवकाश के कारण बाजार बंद थे। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में सकारात्मक रुख था।

संकट प्रभावित कारोबारों को 2.5 लाख करोड़ की ऋण गारंटी योजना पर विचार

नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी देगी बैंक ऋण पर यह गारंटी

नयी दिल्ली, एजेंसी

सरकार पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित कारोबारों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को राहत देने के लिए 2.5 लाख करोड़ रुपये की ऋण गारंटी योजना लाने पर विचार कर रही है। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस योजना के तहत अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण उधारकर्ताओं द्वारा ऋण चुकाने में चूक होने की स्थिति में उधारदाताओं को 100 करोड़ रुपये तक के ऋणों पर करीब 90 प्रतिशत की ऋण गारंटी प्रदान की जाएगी। बैंक ऋण पर यह गारंटी नेशनल क्रेडिट गारंटी ट्रस्टी कंपनी (एनसीजीटीसी) देगी जो सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। इस योजना के लिए सरकार को करीब 17,000 करोड़ से 18,000 करोड़ रुपये का प्रावधान करना होगा।

सूत्रों ने बताया कि ऐसी ही योजना कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान भी लागू की गई थी, जो काफी सफल रही और विभिन्न क्षेत्रों के कई कारोबारों को काम जारी रखने एवं बकाया चुकाने में मदद मिली। सरकार ने मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत आपात ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) शुरू की थी। इसका उद्देश्य कोविड-19 वैश्विक महामारी से उत्पन्न व्यवधान के बीच पात्र एमएसएमई और अन्य कारोबारी इकाइयों को परिचालन देनदारियां पूरी करने और कारोबार फिर से शुरू करने में मदद देना था।

इस योजना के तहत अर्थव्यवस्था के करीब सभी क्षेत्रों को शामिल किया गया था और पात्र उधारकर्ताओं को दिए गए ऋण पर सदस्य ऋणदाता संस्थानों को 100 प्रतिशत गारंटी प्रदान की गई थी। योजना की संरचना ऐसी थी कि उधारकर्ताओं को ऋण आसानी से मिल सके। ऋणदाता संस्थान उधारकर्ता के मौजूदा ऋण के आधार पर पूर्व-स्वीकृत ऋण देते थे। अतिरिक्त ऋण के लिए नया मूल्यांकन नहीं किया जाता था। इसके अलावा ऋण पर ब्याज दर की अधिकतम सीमा तय की गई थी।

भारत-न्यूजीलैंड 24 अप्रैल को कर सकते हैं एफटीए पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 24 अप्रैल को यहां हस्ताक्षर होने की संभावना है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को द्वीपीय देश के बाजार में अपने उत्पादों के लिए शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी और अगले 15 वर्ष में करीब 20 अरब डॉलर का निवेश आने की उम्मीद है।

दोनों देशों ने इस व्यापार समझौते पर बातचीत पूरी होने की घोषणा पिछले वर्ष 22 दिसंबर को की थी। इस समझौते का लक्ष्य अगले पांच वर्ष में द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर पांच अरब डॉलर करना है। अधिकारी ने बताया कि इस समझौते पर भारत मंडपम में 24 अप्रैल को हस्ताक्षर किए जाने की संभावना है।

काम की बात

Auto-Pay! जरा संभल कर

कारोबार डेस्क

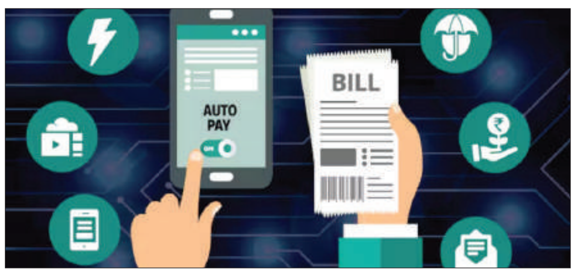

आज के ऑनलाइन युग में हम लोन की किस्तों, बिजली-पानी बिल, मोबाइल रिचार्ज के साथ ही OTT और इंश्योरेंस-आदि सबकुछ फोन से ही भुगतान करते हैं। बस? एक बार सेट किया और हो गया। लेकिन यही सुविधा तब नुकसान कर देती है जब हम सेटिंग भूल जाते हैं और पैसा अपने आप कटता रहता है। अक्सर लोग महीनों तक नोटिस ही नहीं करते कि अकाउंट से छोटे-छोटे अमाउंट निकल रहे हैं। ऐसे में ऑटो पे को उपयोग करने से पहले उसे समझना जरूरी है। आप भी समझना चाहते हैं तो ये आपके लिए काम की बात है-

Auto Pay: बड़ी गलतियां और समाधान

- **जल्दबाजी में सेटअप करना सबसे बड़ी गलती है?**
  -जब भी आप ऑटो पे सेट करते हैं, तो ये जरूर देखें:
  -कितनी राशि कटेगी? -फिक्स्ड है या वैरिएबल? -तारीख?
  ध्यान रखें: क्रेडिट कार्ड, बिजली बिल जैसे पेमेंट हर महीने बदलते हैं। अगर लिमिट सेट नहीं की तो ज्यादा रकम कट सकती है।
- **हर ऐप से ऑटो पे सेट करना सेफ है?**
  -बिल्कुल नहीं...केवल बैंक की ऑफिशियल ऐप या भरोसेमंद प्लेटफॉर्म ही चुनें। अनजान वेबसाइट/लिंक से फ्रॉड का बड़ा रिस्क है। आजकल फेक ऐप और फिशिंग लिंक के जरिए ऑटो-पे करवाकर पैसे उड़ाए जा रहे हैं।
- **ऑटो पे लगाने के बाद अकाउंट चेक करना जरूरी है?**
  -हां, और बेहद जरूरी है। हर महीने कम से कम 1 बार बैंक स्टेटमेंट देखें, SMS/Email अलर्ट पढ़ें। याद रखें कि 50-100 के छोटे कट भी बड़ी ठगी का संकेत हो सकते हैं।
- **अनजान ट्रांजेक्शन दिखे तो क्या करें?**
  -अनजान ट्रांजेक्शन दिखे तो तुरंत बैंक कस्टमर केयर से संपर्क करें। ऑटो पे/स्टैंडिंग इंस्ट्रक्शन बंद करें। जरूरत हो तो कार्ड ब्लॉक करें। देरी करने से आपका नुकसान बढ़ेगा।
- **क्या हर खर्च के लिए ऑटो पे सही है?**
  -हर खर्च के लिए सही नहीं होता। समझदारी से तय करें।
  EMI- सही, **जरूरी बिल**-सही
  OTT/**अनावश्यक सब्सक्रिप्शन**- गलत

प्वाइंटस में समझें बात

- ऑटो पे (Auto-Pay) से बिल भरना आसान, लेकिन रिस्क भी पूरा है।
- गलत सेटिंग यानि बार-बार पैसे कटने का खतरा
- प्रत्येक ट्रांजैक्शन पर नजर रखना जरूरी है, ऑटोपे सेटकर भूलना नहीं।
- सही प्लेटफॉर्म यानी सेफ्टी

खतरनाक क्यों है ऑटोपे

- इसमें भुगतान के लिए बार-बार आपकी मंजूरी नहीं ली जाती। एक बार सेट किया और बार-बार ऑटो डेबिट।
- अर्थात गलत सेटिंग या सेटिंग में चूक से लगातार नुकसान की संभावना।

- **काम की बात**-Auto Pay लाइफ को आसान बनाता है, लेकिन अगर आप अलर्ट नहीं हैं तो यही सुविधा आपके पैसे के लिए खतरा बन सकती है। सही सेटिंग, नियमित चेकिंग और थोड़ी सी समझदारी ही आपको बचा सकती है।

जमा वृद्धि में सार्वजनिक से बेहतर रहा निजी बैंकों का प्रदर्शन

मुंबई, एजेंसी

निजी क्षेत्र के बैंकों ने जमा वृद्धि के मामले में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को पीछे छोड़ते हुए मजबूत वृद्धि दर्ज की है। हालांकि कुल मिलाकर बैंकों को जमा जुटाने में लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। बैंकों के अस्थायी आंकड़ों को समग्र रूप से देखने पर पता चलता है कि वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में निजी बैंकों ने जमा में 12 से 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों

में यह वृद्धि दो से 14 प्रतिशत रही। आंकड़ों के मुताबिक, कम लागत वाली जमाओं पर लगातार दबाव के कारण, बैंक हाल की तिमाहियों में जमा प्रमाणपत्र के माध्यम से कोष जुटाने पर अधिक निर्भर रहे हैं। जमा जुटाना विशेष रूप से चालू खाता एवं बचत खाता (सीएएसए) के मामले में चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। इसका कारण यह है कि अपेक्षाकृत कम ब्याज दरों के कारण अन्य वित्तीय उत्पादों की तुलना में ये जमा कम आकर्षक हो गए हैं। निजी बैंकों में से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की। बैंक की जमा राशि 17.2 प्रतिशत बढ़कर 2.43 लाख करोड़ रुपये हो गई। इसके बाद कोटक महिंद्रा बैंक 14.7 प्रतिशत और एचडीएफसी बैंक 14.4 प्रतिशत की वृद्धि के साथ क्रमशः दूसरे एवं तीसरे स्थान पर रहे।

ग्रामीण भारत में 10% परिवारों के पास 44 फीसदी जमीन, 46 % भूमिहीन

'वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब' की रिपोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी

देश के ग्रामीण इलाकों में शीर्ष 10 प्रतिशत परिवारों के पास 44 प्रतिशत जमीन है, जबकि 46 प्रतिशत भूमिहीन हैं। 'वर्ल्ड इनइक्वैलिटी लैब' के एक अध्ययन में यह बात कही गई है। 'भारत में भूमि असमानताः प्रकृति, इतिहास एवं बाजार'' शीर्षक वाले इस कार्य-पत्र में कहा गया है कि ग्रामीण भारत में शीर्ष पांच प्रतिशत परिवार 32 प्रतिशत जमीन के मालिक हैं, जबकि शीर्ष एक प्रतिशत परिवारों के पास 18 प्रतिशत कृषि भूमि है।

यह अध्ययन नितिन कुमार भारती, डेविड ब्लेकस्ली और समरीन मलिक ने संयुक्त रूप से किया है। अध्ययन में करीब 65 करोड़ लोगों और 2.7 लाख गांवों के भूमि आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ग्रामीण स्तर पर भूमि असमानता का औसत गिनी सूचकांक (0 से 100 के पैमाने पर) भूमिहीन परिवारों को शामिल करने पर 71 तक पहुंच जाता है जबकि 46 प्रतिशत ग्रामीण परिवार पूरी तरह भूमिहीन हैं।

अध्ययन रिपोर्ट कहती है कि औसतन किसी गांव में सबसे

बड़ा जमींदार लगभग 12 प्रतिशत जमीन नियंत्रित करता है, जबकि कुछ गांवों में एक ही व्यक्ति के पास आधे से अधिक कृषि भूमि है।

राज्यों के बीच असमानता के स्तर में भी बड़ा अंतर देखा गया है, जो वैश्विक स्तर पर देशों के बीच पाए जाने वाले अंतर के लगभग बराबर है। अध्ययन के अनुसार, जिन क्षेत्रों में कृषि के लिए अनुकूल प्राकृतिक परिस्थितियां हैं, वहां भूमि का केंद्रीकरण अधिक देखने को मिलता है। ऐतिहासिक कारकों का भूमि वितरण पर गहरा असर बना हुआ है।

ब्रिटिश शासन के सीधे नियंत्रण वाले क्षेत्रों में भूमि असमानता अपेक्षाकृत अधिक पाई गई, जबकि रियासतों के अधीन रहे इलाकों में भूमि असमानता कम रही है।

अदाणी की अमेरिकी अदालत से एसईसी धोखाधड़ी मामले को खारिज करने की अपील

न्यूयॉर्क, एजेंसी

उद्योगपति गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी ने अमेरिकी अदालत से प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) की तरफ से दायर प्रतिभूति धोखाधड़ी मुकदमे को खारिज करने का अनुरोध किया है। अदाणी परिवार के वकीलों की तरफ से दलील दी गई है कि यह मामला अमेरिकी क्षेत्राधिकार से बाहर है और इसमें किसी भी तरह का गलत कार्य सिद्ध नहीं होता है। वकीलों ने आवेदन करने से पहले अमेरिकी अदालत को भेजे गए पत्र में कहा है कि 2021 में अदाणी समूह की नवीकरणीय ऊर्जा इकाई अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) द्वारा जारी 7.5 करोड़ डॉलर के बॉन्ड बिक्री के संदर्भ में एसईसी के दावे कई कानूनी आधारों पर दोषपूर्ण हैं। यह मुकदमा नवंबर, 2024 में दायर किया गया था। इसमें आरोप लगाया गया था कि एजीईएल की तरफ से जारी बॉन्ड के निवेशकों को कथित तौर पर रिश्वत देने की योजना से अवगत नहीं कराया गया था।

अदाणी पक्ष ने अदालत को बताया कि न तो गौतम अदाणी और न ही सागर अदाणी का अमेरिका के साथ पर्याप्त संपर्क था और न ही वे बॉन्ड पेशकश में प्रत्यक्ष रूप से शामिल थे। बॉन्ड का लेन-देन अमेरिका के बाहर हुआ था और 2024 में यह पूरी तरह चुकता हो गया। वकीलों ने ईएसजी, भ्रष्टाचार-रोधी, और कॉरपोरेट प्रतिष्ठा के बारे में अमेरिकी बाजार नियामक के बयानों को केवल सामान्य कॉरपोरेट प्रचार बताते हुए कहा कि इन पर निवेशक भरोसा नहीं कर सकते। अदाणी पक्ष ने अमेरिकी अदालत से मुकदमे को पूरी तरह खारिज करने की अपील की है और आवेदन-पूर्व सुनवाई में उपस्थित होने के लिए तैयार रहने की भी बात कही।

सरकार कपड़ा क्षेत्र की पीएलआई योजना का दायरा बढ़ाएगी : सिंह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार कपड़ा क्षेत्र के लिए लागू 10,683 करोड़ रुपये की उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का विस्तार करेगी। केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को कहा कि इस योजना के दायरे में अब मानव निर्मित रेशे से बने परिधान, कपड़े और तकनीकी वस्त्रों की और अधिक श्रेणियों को शामिल किया जाएगा। पीएलआई सरकार की एक ऐसी योजना है जिसमें कंपनियों को उनके द्वारा किए गए अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री के आधार पर नकद वित्तीय सहायता दी जाती है।

रसोई गैस के बाद अब पीएनजी भी महंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया संकट के कारण रसोई गैस (एलपीजी) के बाद अब पाइपलाइन के जरिये किचन तक आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) के दाम भी बढ़ गये हैं। दिल्ली-एनसीआर के साथ कानपुर, मेरठ, अजमेर जैसे कई शहरों में घरों में पीएनजी की आपूर्ति करने वाली कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने एक अप्रैल से पीएनजी की कीमत बढ़ाकर दिल्ली में 49.59 रुपये प्रति मानक घन मीटर (एससीएम) कर दिया है। इससे पहले एक जनवरी 2026 से इसकी कीमत 47.89 रुपये प्रति एससीएम थी। इस प्रकार राष्ट्रीय राजधानी में पीएनजी 1.70 रुपये प्रति एससीएम महंगी हो गयी है।

एनसीआर के दूसरे शहरों में भी कीमत 1.70 रुपये प्रति एससीएम बढ़ाई गयी है जबकि दूसरे शहरों में पीएनजी एक रुपये महंगी की गयी है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में एक एससीएम पीएनजी की कीमत 47.76 रुपये से बढ़ाकर 49.46 रुपये कर दी गयी है।

आपकी जेब पर असर

दिल्ली एनसीआर में यदि आप एक महीने में 20 यानी 2 माह में 40 एससीएम गैस का उपयोग करते हैं तो आपको प्रत्येक बिल (जो दो माह में आता है) पर लगभग 70 रुपये अतिरिक्त खर्च करने होंगे।

इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री 24.6 प्रतिशत बढ़ी: फाडा

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों की खुदरा बिक्री 24.6 प्रतिशत बढ़कर 24.52 लाख इकाई हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। खुदरा वाहन उद्योग का शीर्ष निकाय फाडा के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान दोपहिया, तिपहिया, यात्री वाहन और वाणिज्यिक वाहन सभी श्रेणियों में मजबूत दहाई अंकों की वृद्धि दर्ज की गई। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की बिक्री 14 लाख इकाइयों को पार कर गई, जबकि इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री लगभग दो लाख इकाइयों के करीब पहुंची और इसमें 83.63 प्रतिशत की तेज वृद्धि हुई।

रिपोर्ट — ग्रांट थॉर्नटन भारत के अनुसार बदल रहे खरीदारी के तरीके

खरीदारी में छूट से ज्यादा सुविधा है भारतीयों की प्राथमिकता

नयी दिल्ली, एजेंसी

भारत में खरीदारी के तरीके तेजी से बदल रहे हैं। अब उपभोक्ताओं के लिए छूट से ज्यादा सुविधा उनकी खरीदारी का सबसे बड़ा विकल्प बन गया है। ग्रांट थॉर्नटन भारत की एक रिपोर्ट के अनुसार, 70 प्रतिशत से अधिक उपभोक्ताओं का कहना है कि वे छूट कम होने पर भी त्वरित वाणिज्य मंचों (फटाफट सामान की आपूर्ति करने वाले) का इस्तेमाल जारी रखेंगे। रिपोर्ट में बताया गया कि उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में बड़ा बदलाव आया है, जहां अब कीमत से ज्यादा तेजी और आसान उपलब्धता को महत्व दिया जा रहा है। लोग अपनी जरूरत के हिसाब से अलग-अलग माध्यमों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

अध्ययन के अनुसार, करीब 45 प्रतिशत उपभोक्ता क्विक कॉमर्स मंचों का उपयोग आखिरी समय या जरूरी सामान के लिए करते हैं, जबकि 24 प्रतिशत लोग दूध और ब्रेड जैसे रोजमर्रा के सामान के लिए इसका सहारा लेते हैं। वहीं, 19 प्रतिशत उपभोक्ता स्नैक्स और पेय पदार्थ जैसी त्वरित

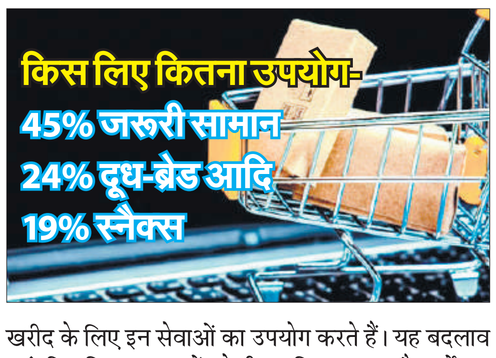

खरीद के लिए इन सेवाओं का उपयोग करते हैं। यह बदलाव पारंपरिक किराना दुकानों को भी प्रभावित कर रहा है। सर्वेक्षण में 51 प्रतिशत लोगों ने बताया कि पिछले एक साल में उनकी किराना दुकानों पर निर्भरता कम हुई है। हालांकि, 27 प्रतिशत ने कोई खास बदलाव नहीं बताया और 13 प्रतिशत ने कहा कि वे अब पहले से ज्यादा किराना दुकानों का उपयोग कर रहे हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, बदलती परिस्थितियों को देखते हुए किराना दुकानदार भी खुद को ढालने की कोशिश कर रहे हैं। करीब 40 प्रतिशत दुकानदार त्वरित वाणिज्य मंचों के साथ जुड़ने के इच्छुक हैं, जबकि 32 प्रतिशत इसमें रुचि रखते हैं लेकिन प्रक्रिया को लेकर स्पष्ट नहीं हैं। वहीं, 20 प्रतिशत ने कहा कि यदि उन्हें तकनीकी या संचालन संबंधी सहायता मिले तो वे इसमें शामिल हो सकते हैं।

5 साल में 250 अरब डॉलर पहुंचेगा कारोबार

दिल्ली, एजेंसी। देश के ई-कॉमर्स बाजार के 2030 तक लगभग तीन गुना बढ़कर 250 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो वर्तमान में लगभग 90 अरब डॉलर है। गूगल और डेलॉयट की संयुक्त रिपोर्ट में यह संभावना जताई गई। रिपोर्ट के अनुसार, 'जेन-जेड' खरीदारों की बढ़ती संख्या, त्वरित वाणिज्य के तेज विस्तार और कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते उपयोग से यह वृद्धि होगी। '250 अरब डॉलर वाणिज्य सीमा' शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया कि इस दशक के अंत तक भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था में 15 करोड़ नए खरीदार जुड़ेंगे। इसमें कहा गया कि लगभग 22 करोड़ की ' 'जेन-जेड उपभोक्ता आबादी कुल ऑनलाइन खर्च का 45 प्रतिशत हिस्सा अपने नियंत्रण में रखेगी।

ईरान युद्ध ने नाटो को लेकर मुझ पर गहरा असर छोड़ा है : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी

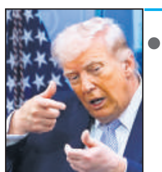

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान से जंग में फिर नाटो पर की टिप्पणी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि ईरान युद्ध के दौरान इस सैन्य गठबंधन और दक्षिण कोरिया, जापान व ऑस्ट्रेलिया जैसे मित्र देशों ने अमेरिका की मदद नहीं की। व्हाइट हाउस में सोमवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान ट्रंप ने यह टिप्पणी की।

उन्होंने यह टिप्पणी ऐसे समय में की है जब नाटो के महासचिव मार्क रूट जल्द ही वाशिंगटन दौरे पर आने वाले हैं। ट्रंप पहले भी नाटो को कागजी शेर बता चुके हैं। ट्रंप ने कहा कि ईरान युद्ध ने नाटो को लेकर ऐसा प्रभाव छोड़ा है, जो मेरे दिमाग से कभी नहीं जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि नाटो के साथ मतभेद तब शुरू हुए, जब ग्रीनलैंड को अपने नियंत्रण में लेने के उनके प्रस्ताव को ठुकरा दिया गया। ट्रंप ने कहा, नाटो एक कागजी शेर है, जिससे व्लादिमीर पुतिन भी नहीं डरते। ईरान युद्ध पर ट्रंप ने कहा कि नाटो सदस्य देशों ने जानबूझकर मदद नहीं की।

आईजीआई हवाई अड्डे पर दो करोड़ का गांजा जब्त

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने बैंकॉक-दिल्ली उड़ान के शौचालय से दो किलोग्राम से अधिक संदिग्ध गांजा जब्त किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह बरामदगी पांच अप्रैल को हुई। इसमें कहा गया है कि निगरानी के आधार पर कार्रवाई करते हुए, भारतीय सीमा शुल्क की विशेष शाखा, वायु खुफिया इकाई के अधिकारियों ने बैंकॉक से आने वाली उड़ान पर नजर रखी। बयान में कहा गया है कि निगरानी के दौरान विमान के शौचालय के कूड़ेदान से धूसर (ग्रे) रंग के टेप में लपेटे गए तीन पैकेट बरामद किए गए।

थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने पर शीर्ष कोर्ट सख्त

नई दिल्ली, एजेंसी

- केंद्र ने कहा-दो सप्ताह के भीतर सुलझा लिए जाएंगे सभी मुद्दे

केंद्र सरकार ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि देशभर के पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने से जुड़े सभी मुद्दों को दो सप्ताह के भीतर सुलझा लिया जाएगा।

अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ को बताया कि वह इस मुद्दे की समीक्षा कर रहे हैं और इस दिशा में कई कदम उठाए जा रहे हैं। केंद्रीय गृह सचिव भी न्यायालय में उपस्थित हुए। उच्चतम न्यायालय ने छह अप्रैल को एक आदेश में उनसे मंगलवार को अदालत में पेश होने को कहा था ताकि थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की योजना के क्रियान्वयन में उनसे उचित सहायता ली जा सके। देश के शीर्ष विधि अधिकारी ने पीठ से कहा कि दो सप्ताह के भीतर वह सुनिश्चित करेंगे कि सभी मुद्दे सुलझ जाएं, इसके लिए न्याय मित्र और अन्य अधिकारियों के साथ नियमित बैठकें की जाएंगी। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 28 अप्रैल के लिए निर्धारित की है। शीर्ष कोर्ट थानों में कार्यशील सीसीटीवी कैमरों की कमी को लेकर स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई कर रहा है।

न्यूज डिकोडर

'आई एग्री' का चक्रव्यूह ... दो मिनट में बिक जा रही आपकी आजादी

टीवी पर विज्ञापन हो, बैंक का फॉर्म या नए फोन की वारंटी, हर जगह एक छोटा सा स्टार (*) बना होता है, जिसके नीचे लिखा होता है 'शर्तें लागू'। यह छोटा सा स्टार असल में वह 'सुरंग' है जिसमें ग्राहकों के अधिकार खो जाते हैं। यही नहीं, एक होम लोन के एग्रीमेंट में औसतन 3,000 से 4,000 शब्द होते हैं। बैंक मैनेजर आपको दस्तखत करने के लिए मुश्किल से 2 मिनट देता है। यानी आपको प्रति सेकंड लगभग 30 शब्द पढ़ने होंगे जो किसी भी इंसान के लिए नामुमकिन है। यही वह समय है जब आपकी मेहनत की कमाई पर शर्तों का ताला लग जाता है। आइए, अलग-अलग क्षेत्रों में छिपे इन 'नियमों' का सच डिकोड करते हैं।

बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड : हिडन चार्ज का खेल

- **शून्य ब्याज का सच** : अक्सर विज्ञापन 0% ईएमआई का दावा करते हैं, लेकिन शर्तों में प्रोसेसिंग फीस और फाइल चार्ज के नाम पर अच्छी-खासी रकम वसूल ली जाती है।
- **न्यूनतम शेष** : खाते खोलते समय बड़े अक्षरों में सुविधाएं बताई जाती हैं, पर छोटे अक्षरों में लिखा होता है कि बैलेंस कम होने पर भारी जुर्माना लगेगा।

- एक औसत इंस्ट्राग्राम यूजर की 'टर्म ऑफ सर्विस' में करीब 5,000 से ज्यादा शब्द होते हैं। इसे ध्यान से पढ़ने में एक सामान्य पाठक को 20 से 25 मिनट लग सकते हैं।
- अगर हम वाट्सअप, फेसबुक और गूगल जैसी सिर्फ 5 मुख्य सेवाओं की शर्तों को जोड़ लें, तो यह एक 60-70 पन्नों की किताब बन जाएगी।
- कार्नेगी मेलन यूनिवर्सिटी के शोध के अनुसार, अगर हम साल भर की सभी डिजिटल शर्तों को पढ़ें, तो हमें 76 कार्य-दिवस यानी करीब ढाई महीने की छुट्टी लेनी पड़ेगी।

बीमा : क्लेम रिजेक्शन की चालाकी

- **पहले से मौजूद बीमारी** : पॉलिसी लेते समय कंपनियां सब कुछ कवर करने का वादा करती हैं, लेकिन शर्तों के पन्नों में ऐसी परिभाषा होती है कि क्लेम के समय कंपनी मुकर जाती है।
- **कैपिंग** : अस्पताल के कमरे का किराया या डॉक्टर की फीस पर कैपिंग (सीमा) लगा दी जाती है, जिसकी जानकारी बिल भुगतान पर मिलती है।

एप डाउनलोड करते हुए भी रहें अलर्ट

एक औसत एप की शर्तों में 2,500 से 5,000 शब्द होते हैं। इनमें अक्सर ऐसे शब्द छिपे होते हैं-इरिवोकेबल राइट यानी आपने उन्हें ऐसा अधिकार दे दिया है जिसे आप वापस नहीं ले सकते। थर्ड पार्टी शेयरिंग यानी डेटा बेचा जा सकता है।

प्रोडक्ट वारंटी : लिमिटेड शब्द का जाल

- **वियर एंड टियर** : कंपनियां 5 साल की वारंटी देती हैं, पर शर्तों में लिखा होता है कि प्लास्टिक पार्ट्स या सामान्य घिसावट पर वारंटी नहीं मिलेगी।
- **अनधिकृत मरम्मत** : अगर आपने किसी स्थानीय मैकेनिक से पेंच भी कसवा लिया, तो कंपनी की शर्त आपकी पूरी वारंटी रद्द कर देती है।

भ्रामक विज्ञापन

- **सेल का झांसा** : अप टू 70% ऑफ के विज्ञापन में 70% छूट केवल एक या दो पुराने प्रोडक्ट्स पर होती है, बाकी पर केवल 10%। यह 'अप टू' शब्द कानूनी रूप से कंपनी को बचा लेता है।
- **सफेदी और सेहत** : क्रीम के विज्ञापनों में 1 हफ्ते में गोरापन के नीचे बहुत छोटे अक्षरों में लिखा होता है, चुनिंदा लोगों पर किए गए परीक्षण के आधार पर या परिणाम व्यक्ति दर व्यक्ति अलग हो सकते हैं।

डिजिटल साइन का फंदा

भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम-2000) के तहत, 'आई एग्री' पर क्लिक करना एक वैध डिजिटल हस्ताक्षर माना जाता है। कंपनियां क्षेत्राधिकार की ऐसी शर्तें डालती हैं कि विवाद होने पर आपको मुकदमा लड़ने सिंगापुर या अमेरिका जाना पड़ सकता है। कानून की भाषा को एक ढाल की तरह इस्तेमाल किया जाता है ताकि ग्राहक कभी कोर्ट न पहुँच सके।

लोन एग्रीमेंट का चक्रव्यूह

जब आप बैंक से लोन लेते हैं, तो मैनेजर मुस्कुराकर आपके सामने 15 से 20 पन्नों का एक सेट रखता है और कहता है सर, बस यहां-यहां साइन कर दीजिए। हम बिना पढ़े दस्तखत कर देते हैं, लेकिन उन पन्नों में फ्लोटिंग रेट का फंदा, प्री-पेमेंट पेनल्टी, हिडन प्रोसेसिंग और इंस्पेक्शन चार्ज और डिफ़ॉल्ट की सख्त परिभाषा छिपी होती है।

डिकोडर टिप

'साइन' करने से पहले उन कागजों को भी पढ़ें जिन्हें कोई नहीं पढ़ता।

- **स्टार (*) को गंभीरता से लें** : जहां यह मार्क दिखे, समझिये कि वहां कोई 'पेच' है।
- **हाइलाइट मांगें** : बैंक या बीमा एजेंट से पूछें- वो शर्तें दिखाओ जो मेरे क्लेम को खारिज कर सकती हैं।
- **डिजिटल रिकॉर्ड** : किसी भी मौखिक वादे पर भरोसा न करें, शर्तों की कॉपी ईमेल पर या हार्ड कॉपी में जरूर मांगें।
- **शर्तों को पढ़ें** : कंपनियां चाहती हैं कि आप सिर्फ विज्ञापन देखें, शर्तें नहीं। लेकिन एक जागरूक नागरिक वह है जो
- **खाली कागज या फार्म पर साइन कभी न करें** : कई बार बैंक 'बाद में भरने' की बात कहकर खाली फॉर्म पर साइन करा लेते हैं, यह सबसे बड़ा जोखिम है।
- **उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019** : यह आपको अनुचित अनुबंध के खिलाफ सुरक्षा देता है। शर्तें एकतरफा हैं, तो कानून उन्हें अमान्य कर सकता है। आपको कानूनी लड़ाई लड़नी होगी।

वर्ल्ड ब्रीफ

ईरान ने जापानी को जमानत पर रिहा किया

तोक्यो। जापान सरकार के एक शीर्ष प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि जनवरी में ईरान में हिरासत में लिए गए एक जापानी नागरिक को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। मुख्य कैबिनेट सचिव मिनोरू किहारा ने तोक्यो में पत्रकारों को बताया कि इस नागरिक की रिहाई की पुष्टि सोमवार को हुई और जापान ईरानी प्राधिकारियों से पूर्ण रिहाई की मांग कर रहा है। उन्होंने बताया कि ईरान में जापान के राजदूत तमाकी सुकादा ने रिहा किए गए व्यक्ति से मुलाकात की।

तस्करी के आरोप में दो भारतीय गिरफ्तार

काठमांडू। नेपाल के लुम्बिनी प्रांत में मंगलवार को मादक पदार्थ तस्करी के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए तीन व्यक्तियों में दो भारतीय नागरिक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार गिरफ्तारियां भारत की सीमा से सटे रूपन्देही जिले में की गईं। गिरफ्तार व्यक्तियों की पहचान उत्तर प्रदेश के महराजगंज निवासी अरुण कुमार और बिनय पांडे के रूप में की गई है। इसके अलावा, नेपाली नागरिक बिशाल यादव को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से फेनरगन, डायजेपाम और ब्रूफेन जैसी दवाओं की 3,300 शीशियां बरामद की गईं।

सऊदी को बहरीन से जोड़ने वाला पुल खुला

दुबई। सऊदी अरब को बहरीन द्वीप से जोड़ने वाला प्रमुख पुल किंग फहद कॉजवे ईरान से हमलों की आशंका के कारण कुछ घंटों तक बंद रहने के बाद मंगलवार सुबह फिर से खोल दिया गया। किंग फहद कॉजवे प्राधिकरण ने एक्स पर एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी और कहा कि बहरीन और अरब प्रायद्वीप के बीच सड़क से जुड़ने वाला यह एकमात्र मार्ग अब फिर से चालू हो गया है। ईरानी हमलों के कारण बहरीन का हवाई अड्डा कई हफ्तों से बंद है। इस पुल को कुछ ही घंटे के लिए उस समय बंद किया गया जब ईरान की ओर से दागी गई एक बैलिस्टिक मिसाइल ने सऊदी अरब को निशाना बनाया और उससे वहां के ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचने की आशंका है। हालांकि, इस हमले से हुए नुकसान के बारे में सऊदी अरब ने अभी तक विस्तृत जानकारी नहीं दी है।

इस्तांबुल में इजराइली दूतावास पर गोलीबारी

इस्तांबुल। तुर्किये के इस्तांबुल में मंगलवार को इज़राइली वाणिज्य दूतावास की इमारत पर बंदूकधारियों ने गोलीबारी की और इस दौरान हुई मुठभेड़ में दो हमलावर मारे गए तथा एक पुलिस अधिकारी घायल हो गया। प्रसारक हबर्तुर्क की खबर के अनुसार, हमलावरों के पास लंबी बैरल वाले हथियार थे। पुलिस के साथ हुई गोलीबारी में दो हमलावर मारे गए, तीसरे हमलावर को पकड़ लिया गया।

मणिपुर में सीआरपीएफ शिविर पर भीड़ का हमला, गोलीबारी में दो लोगों की मौत

संदिग्ध उग्रवादियों के हमले में दो बच्चों की मौत के बाद राज्य में भड़की हिंसा

इंफाल, एजेंसी

मणिपुर के गृह मंत्री गोविंदास कांथौजम ने मंगलवार को कहा कि बिष्णुपुर जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) शिविर पर भीड़ द्वारा धावा बोले जाने के बाद गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। कोंथौजम ने बताया कि मोइरांग ट्रोंग्लाओबी इलाके में संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा किए गए बम हमले में दो बच्चों की मौत के विरोध में बड़ी संख्या में युवाओं और महिलाओं ने प्रदर्शन किया।

उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने बम हमले वाली जगह से कुछ ही सौ मीटर दूर गेलमोल के पास स्थित सीआरपीएफ शिविर पर धावा बोल दिया, वहां वाहनों को जलाया और संपत्तियों में तोड़फोड़ की। मंत्री ने कहा कि मैंने प्रदर्शनकारियों से सीआरपीएफ शिविर में प्रवेश नहीं करने और सुरक्षा बलों को बम हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के अभियान पर ध्यान केंद्रित करने देने का आग्रह किया था। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने मेरी अपील पर ध्यान नहीं दिया। राज्य के गृह मंत्री ने कहा कि उन्होंने सीआरपीएफ शिविर पर धावा बोल दिया, वाहनों को जला दिया और शिविर के कुछ हिस्सों में तोड़फोड़ की, जिसके कारण सुरक्षाकर्मियों को गोलीबारी करनी पड़ी। उन्होंने या तो आत्मरक्षा में या गुस्से में गोली चलाई। दुर्भाग्य से, गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गोली लगने से घायल हो गए। मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने इस हमले को बर्बर कृत्य करार दिया और लोगों को आश्वासन दिया कि इस अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करके उनके खिलाफ कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब घर में बम फटा, उस समय दोनों बच्चे और उनकी मां सो रह थे। घटना के विरोध में स्थानीय निवासियों ने आज सुबह प्रदर्शन किया और इलाके में एक पेट्रोल पंप के पास दो तेल टैंकरों और एक ट्रक में आग लगा दी।

बम हमले की जांच एनआईए को सौंपने का फैसला

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई खेमचंद सिंह ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार ने बिष्णुपुर जिले में हुए बम हमले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) को सौंपने का फैसला किया है। हमले में दो बच्चों मौत हो गई। सिंह ने इस घटना की कड़ी निंदा की और कहा कि यह कृत्य उन व्यक्तियों या समूहों का काम लगता है, जिनके निजी स्वार्थ राज्य में शांति भंग करने में हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के गृह मंत्री और अन्य विधायकों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद मामले को एनआईए को सौंपने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिलहाल आरोपियों की पहचान नहीं हो पाई है। बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान चल रहा है। पुलिस, असम राइफल्स और सीआरपीएफ को तैनात कर दिया गया है।

चार जिलों में कर्फ्यू इंटरनेट प्रतिबंधित

इंफाल। मणिपुर सरकार ने हिंसा के मद्देनजर मंगलवार को इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम, बिष्णुपुर और काकचिंग जिलों में अनिश्चितकालीन कर्फ्यू लगा दिया। इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, बिष्णुपुर और काकचिंग के जिलाधिकारियों ने अपने-अपने जिलों में कर्फ्यू लागू करने का आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि सात अप्रैल से अगले आदेश तक किसी भी व्यक्ति का अपने निवास स्थान से बाहर निकलना प्रतिबंधित है। राज्य सरकार ने इंफाल पश्चिम, इंफाल पूर्व, थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर के पांच घाटी जिलों में ब्रॉडबैंड, वीसैट और वीपीएन सहित इंटरनेट और मोबाइल डेटा सेवाओं को तीन दिनों के लिए निलंबित करने का भी आदेश दिया है।

अमेरिका जाएंगे विदेश सचिव विक्रम मिसरी

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी बुधवार से वाशिंगटन डीसी की तीन दिवसीय यात्रा पर जाएंगे, जहां वह द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा संबंधों की समीक्षा करेंगे तथा पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट पर चर्चा करेंगे। मिसरी की आठ से 10 अप्रैल तक की यात्रा भारत-अमेरिका द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक पहलुओं की समीक्षा करने और प्रमुख क्षेत्रों में जारी सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। यात्रा ऐसे समय हो रही है जब दोनों पक्ष अनिश्चितता और तनाव के दौर के बाद संबंधों को स्थिर करने के लिए काम कर रहे हैं। अमेरिका द्वारा भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाए जाने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पिछले साल मई में भारत-पाकिस्तान सैन्य झड़पों को कम करने में अपनी भूमिका को लेकर विवादास्पद दावे किए जाने के बाद द्विपक्षीय संबंधों में बड़ी गिरावट आई थी।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर के अंतर्राज्यीय आतंकी माड्यूल का खुलासा, 5 गिरफ्तार

श्रीनगर, एजेंसी

- हिरासत में लिए गए आतंकियों में ए प्लस श्रेणी के दो पाकिस्तानी आतंकवादी भी शामिल

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक अंतर्राज्यीय आतंकवादी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए पिछले 16 साल से फरार अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि अब्दुल्ला के अलावा एक अन्य पाकिस्तानी आतंकी उस्मान उर्फ खुबैब को भी अभियान में गिरफ्तार किया गया।

यह कार्रवाई जम्मू और कश्मीर पुलिस द्वारा फरीदाबाद के अल फलाह विश्वविद्यालय में स्थित एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के छह महीने बाद हुई है, जिसके तार कश्मीर, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए थे। अधिकारियों ने बताया कि गत कुछ दिनों में, जांचकर्ताओं ने जम्मू और कश्मीर, राजस्थान और हरियाणा सहित 19 स्थानों पर छापेमारी की और चार एके असॉल्ट राइफलों सहित बड़ी मात्रा में हथियार और आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। केंद्रीय एजेंसियों के साथ समन्वय कर की गई जांच के दौरान लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों को साजो-सामान और वित्तीय सहायाता करने वाले एक विशाल नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ। अधिकारियों ने बताया कि पकड़े गए पांच लोगों में से तीन श्रीनगर के रहने वाले हैं। मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा को आतंकवादियों को आश्रय और भोजन सहित सामरिक सहायता प्रदान करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि जम्मू और कश्मीर के पुलिस महानिदेशक नलिन प्रभात व्यक्तिगत रूप से इस कार्रवाई की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि हिरासत में लिए गए दो पाकिस्तानी आतंकवादियों को ए प्लस श्रेणी में रखा गया है। दोनों जम्मू-कश्मीर के साथ-साथ अन्य राज्यों में जाली दस्तावेजों और पहचान के आधार पर लश्कर-ए-तैयबा के नेटवर्क का विस्तार करने का कार्य कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि दोनों आतंकवादियों ने करीब 16 साल पहले भारत में घुसपैठ की थी

सुरक्षाबलों द्वारा गिरफ्तार लश्कर का आतंकवादी उस्मान उर्फ खुबैब।

श्रीलंका से रिहा हुए 30 भारतीय मछुआरे लौटे

कोलंबो। श्रीलंका से रिहा किए गए 30 भारतीय मछुआरों को मंगलवार को वापस भेज दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत के 30 मछुआरों को आज श्रीलंका से वापस भेजा गया। उन्होंने बताया कि ये मछुआरे स्वदेश लौट रहे हैं। श्रीलंका की नौसेना के अनुसार, उसने इस साल अब तक मछली पकड़ने वाली 15 नौकाएं जब्त की और 102 भारतीय मछुआरों को गिरफ्तार किया है।

उसने कहा कि 2025 में श्रीलंका के जल क्षेत्र में 346 मछुआरों को गिरफ्तार किया गया था। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर बुद्धिका संपत ने बताया कि वह नहीं बता सकते कि रिहा किए गए 30 मछुआरे किस समूह से थे। उन्होंने कहा यह पूरी तरह से अदालती प्रक्रिया पर निर्भर करता है।

पाकिस्तान ने बैसाखी पर भारतीय सिख श्रद्धालुओं के लिए जारी किए 2800 वीजा

लाहौर। पाकिस्तान ने पंजाब प्रांत में 10 से 14 अप्रैल के बीच आयोजित होने वाले बैसाखी मेले के लिए भारत के सिख श्रद्धालुओं के लिए कम से कम 2,800 वीजा जारी किए हैं। इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के प्रवक्ता गुलाम मोहयुद्दीन ने बताया कि बैसाखी और 327वें खालसा जन्म दिवस के अवसर पर पाकिस्तान ने भारत से सिख श्रद्धालुओं को 2,800 से अधिक वीजा जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि भारत से सिख श्रद्धालु 10 अप्रैल को वाघा सीमा के रास्ते पहुंचेंगे। उन्होंने बताया कि मुख्य समारोह 14 अप्रैल को हसन अब्दाल स्थित गुरुद्वारा पंजा साहिब में आयोजित होगा। हसन अब्दाल लाहौर से करीब 400 किलोमीटर दूर है। बैसाखी मेले में भाग लेने के अलावा श्रद्धालु गुरुद्वारा जन्म स्थान ननकाना साहिब और करतारपुर साहिब भी जाएंगे।

गंभीर हालात

पंद्रह सदस्यीय यूनएसएससी में बहरीन के लाए गए प्रस्ताव के पक्ष में 11 वोट और विरोध में दो वोट पड़े

रूस, चीन ने होर्मुज खोलने के संरा के प्रस्ताव को किया वीटो

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी।

रूस और चीन ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के उस प्रस्ताव को 'वीटो' कर दिया, जिसका उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना था और जिसमें बार-बार संशोधन किया गया था। प्रस्ताव में बार-बार संशोधन इस उम्मीद के साथ किया गया था कि ये दोनों देश इस पर मतदान से दूर रहेंगे।

पंद्रह सदस्यीय यूनएसएससी में बहरीन की ओर से लाए गए प्रस्ताव के पक्ष में 11 वोट और विरोध में दो वोट पड़े। वहीं, दो सदस्यों ने मतदान से दूरी बनाई। प्रस्ताव स्वीकृत नहीं हो सका, क्योंकि वीटो शक्ति रखने वाले सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य देशों-रूस और चीन ने इसके विरोध में मतदान किया। मतदान से पहले, संयुक्त राष्ट्र में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के मिशन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि खाद्य पदार्थों और ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं। कच्चे माल और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति अवरुद्ध है। ईरान की अवैध कार्रवाइयों के कारण दुनिया भर में अरबों लोग बुनियादी वस्तुओं के लिए अधिक कीमत चुका रहे हैं। अब समय आ गया है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की जाए।

यूएई ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से जलडमरूमध्य खोलने संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी देने और ईरान के हमलों तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष उससे उत्पन्न खतरों को समाप्त करने का आग्रह किया। बहरीन खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) और जॉर्डन के समर्थन से होर्मुज जलडमरूमध्य पर सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव ले आया था। बहरीन वर्तमान में अप्रैल महीने के लिए सुरक्षा परिषद का अध्यक्ष है।

रूस, चीन और फ्रांस ने किया बल प्रयोग का विरोध

वीटो शक्ति रखने वाले स्थायी सदस्य रूस, चीन और फ्रांस ने बल प्रयोग की मंजूरी का विरोध किया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान को रणनीतिक महत्व वाले जलमार्ग खोलने या अपने बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमलों का सामना करने के लिए निर्धारित की गई समय सीमा से कुछ घंटे पहले यह मतदान हुआ। दुनिया के 20 प्रतिशत तेल का परिवहन आमतौर पर इसी जलमार्ग से होता है और युद्ध के दौरान इस जलडमरूमध्य पर ईरान की मजबूत पकड़ के कारण तेल-गैस की कीमतें आसमान छू रही हैं। यह प्रस्ताव पारित भी हो जाता, तो भी 5वें सप्ताह में पहुंच चुके युद्ध पर शायद ही इसका कोई प्रभाव पड़ता।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष – आज आपको सकारात्मक बने रहना चाहिए। सभी काम बनते हुए प्रतीत होंगे। अपरिचित लोगों से अधिक तालमेल न रखें।

वृष – आज पुराने विवाद दोबारा उठ खड़े हो सकते हैं। अच्छी सलाह भी लोगों को समझ नहीं आएगी। बिना मांगे किसी को सलाह न दें।

मिथुन – आज कार्यक्षेत्र में विशेषज्ञ लोगों से मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रेम संबंध अत्यंत मधुर रहने वाले हैं। आपके सामाजिक संपर्क मधुर होंगे।

कर्क – आज आपका दिन अत्यधिक व्यस्त रहेगा। पैतृक संपत्ति के मामलों के उलझ सकते हैं। गुप्त शत्रु आपके विरुद्ध दुष्प्रचार कर सकते हैं।

सिंह – आज आप अपने घर में रहना पसंद करेंगे। प्रेमीजन को मूल्यवान उपहार दे सकते हैं। इससे आपके संबंध मधुर होंगे।

कन्या – आज आप जिस काम को आसान मान रहे थे, वो आपको काफी परेशान करेगा। रिश्तेदारों के कारण कुछ तनाव हो सकता है।

तुला – आज दोपहर के बाद आपको कोई शुभ सूचना मिल सकती है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। किसी कार्य को औपचारिकता में न करें।

वृश्चिक – आज कार्यक्षेत्र में विरोधी कमजोर पड़ते दिखाई देंगे। नए कार्यों की ओर प्रवृत्त हो सकते हैं। अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे।

धनु – आज आर्थिक मामलों को लेकर भाग्यशाली रहेंगे। नए व्यापारिक अनुबंध कर सकते हैं। प्रेम संबंधों को विवाह का स्वरूप दे सकते हैं।

मकर – आज कार्य की अधिकता रहेगी। एक ही काम को बार-बार करना पड़ सकता है। पेट में जलन जैसी समस्या हो सकती है।

कुंभ – आज का दिन आर्थिक मामलों के लिए दिन बहुत अच्छा है। मनोनुकूल काम मिलने से काफी अच्छा महसूस करेंगे। खर्चों में कमी आएगी।

मीन – आज आपको कहीं बाहर जाना पड़ सकता है। लोगों से आपकी दोस्ती बढ़ सकती है। राजनीति में आप विशेष रुचि ले सकते हैं।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय

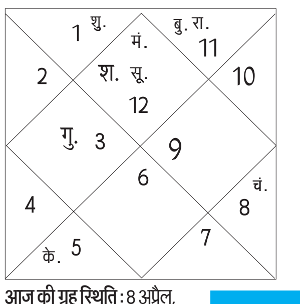

आज की ग्रह स्थिति : 8 अप्रैल, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- वैशाख, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 19 .01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- ज्येष्ठा 05 .54 तक तत्पश्चात मूल।

सुडोकू - 112 का हल

4	7	8	1	2	5	6	3	9
3	1	2	7	6	9	8	5	4
9	6	5	4	8	3	1	7	2
8	4	7	9	3	1	2	6	5
5	2	1	8	7	6	4	9	3
6	9	3	2	5	4	7	1	8
1	5	4	6	9	2	3	8	7
7	3	6	5	4	8	9	2	1
2	8	9	3	1	7	5	4	6

सुडोकू -113

			5	1		4		
		7			2			1
				4	9			
	6					8		
5		2						7
		8	4	7			6	
9				5				
			9		7	5		
		3		6	4			

''हमने दो मैच जीत लिए हैं इसलिए उनकी कमी अभी महसूस नहीं हुई है। वह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक हैं। आईपीएल में स्टार्क से बड़ा कोई गेंदबाज नहीं है। मुझे सिर्फ बुमराह का ही नाम याद आता है।''

–मुनाफ पटेल, पूर्व तेज गेंदबाज

IPL 2026

आज का मुकाबला

दिल्ली कैपिटल्स

बनाम

गुजरात टाइटन्स

समय - शाम 7:30 बजे

औरेंज कैप

- यशस्वी जायसवाल — राजस्थान 170 रन
- समीर रिजवी — दिल्ली 160 रन
- रोहित शर्मा — मुंबई 113 रन

पर्पल कैप

- रवि बिश्नोई — राजस्थान 5 विकेट
- विजय कुमार — पंजाब 5 विकेट
- जैकब डफी — आरसीबी 5 विकेट

हाईलाइट

रवि शास्त्री स्टैंड का अनावरण गुरुवार को

मुंबई। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) गुरुवार (9 अप्रैल) को वानखेड़े स्टेडियम में रवि शास्त्री स्टैंड का अनावरण करेगा और स्टेडियम के गेट दिलीप सरदेसाई, एकनाथ सोलकर और डायना एडुल्जी को समर्पित करेगा। इस मौके पर मुंबई और भारत की चार सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेट हस्तियों को सम्मानित किया जाएगा। इस अनावरण समारोह में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बढ़ाएंगे। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

मीनाक्षी, जैसमीन और विश्वनाथ फाइनल में

उलानबटोर। मौजूदा विश्व चैम्पियन जैसमीन लंबोरिया और मीनाक्षी हुड्डा एशियाई मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के फाइनल में पहुंच गई हैं। अब स्वर्ण पदक के लिए खेलने वाले भारतीय मुक्केबाजों की संख्या बढ़कर आठ हो गई है। विश्वनाथ सुरेश (50 किलो) और सचिन सिवाच (60 किलो) ने भी फाइनल में जगह बनाई। वहीं आकाश (75 किलो), लोकेश (85 किलो), नरेंदर बेरवाल (90 प्लस किलो) और हर्ष चौधरी (90 किलो) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। भारत के आठ मुक्केबाज फाइनल खेलेंगे।

हमें श्रेष्ठ प्रदर्शन करना ही होगा: हेनरिक क्लासेन

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन ने उम्मीद जताई कि सनराइजर्स हैदराबाद अईपीएल के वर्तमान सत्र में अच्छी शुरुआत नहीं करने के बावजूद आगे अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहेगा। सनराइजर्स को अपने पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन इसके बाद उसने कोलकाता नाइट राइडर्स को 65 रन से हराया।

पिछले मैच में हालांकि उसे लखनऊ सुपर जायंट्स ने पांच विकेट से करारी शिकस्त दी। क्लासेन ने जिओ हॉटस्टार से कहा, ''हमारी बल्लेबाजी अब तक

ठीकठाक रही है, लेकिन हमने तीन मैचों में लगभग 40 रन कम बनाए। हमें बल्लेबाजी में और सुधार करने की जरूरत है। जिन दो मैचों में हमें संघर्ष करना पड़ा, उनमें हमने बल्ले से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। हमारे गेंदबाजों विशेषकर तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। हमें 220-230 रन बनाने होंगे ताकि हमारे गेंदबाजों को लक्ष्य का बचाव करने का मौका मिल सके।''

उन्होंने कहा, ''हमारी फील्डिंग अच्छी नहीं रही है और इससे हमारा प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। मैं अभी तक हमें 10 में से छह अंक दूंगा। हमने कुछ चरणों में शानदार क्रिकेट खेली लेकिन खेल के महत्वपूर्ण मौकों पर चूक गए।'' क्लासेन ने कहा, ''हमारे गेंदबाजों ने रणनीति के अनुसार गेंदबाजी की है लेकिन हमारी फील्डिंग में सुधार की जरूरत है। हमें कैच लेने होंगे। हमें खेल के तीनों विभाग में सुधार करके अपनी लय बनानी होगी।'' क्लासेन ने पिछले साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया था और अब केवल फ्रेंचाइजी लीग में ही खेल रहे हैं। उन्होंने पिछले दो मैचों में अर्धशतक बनाए और वह अपनी फॉर्म से खुश हैं। उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्यवश हम दो मैच हार गए, लेकिन व्यक्तिगत तौर पर मेरे लिए यह अच्छी शुरुआत रही है। यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि मैं इन दिनों ज्यादा क्रिकेट नहीं खेल रहा हूं। मैं अपनी इस फॉर्म को बरकरार रखना चाहूंगा।''

वह बल्लेबाजी क्रम में चौथे नंबर पर अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों का भी आनंद ले रहे हैं। उन्होंने कहा, ''यह (नंबर चार पर बल्लेबाजी करना) की भूमिका मैंने अपने पूरे करियर में निभाई है। इसमें आपको परिस्थितियों के अनुसार ढलना पड़ता है।

शराब पीकर गाड़ी चलाने में वॉर्नर गिरफ्तार

सिडनी, एजेंसीः आस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को मंगलवार को शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। बताया गया कि मारूबा में श्वास की औचक जांच के बाद उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय सीमा से अधिक पाई गई।

वॉर्नर अगले महीने कोर्ट के समक्ष पेश होंगे। पाकिस्तान क्रिकेट लीग में कराची किंग्स के साथ करार करने वाले वॉर्नर को स्थानीय थाने ले जाया गया जहां फिर उनके शरीर में अल्कोहल की मात्रा तय सीमा से दुगुनी पाई गई। बाद में उन्हें छोड़ दिया गया। कानूनी कार्रवाई का असर वॉर्नर के पीएसएल में खेलने पर नहीं पड़ेगा।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	टाई	अंक	नेट रन रेट
1.	राजस्थान रॉयल्स	3	3	0	0	6	2.403
2.	पंजाब किंग्स	3	2	0	1	5	0.637
3.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	2	0	0	4	2.501
4.	दिल्ली कैपिटल्स	2	2	0	0	4	1.170
5.	सनराइज़र्स हैदराबाद	3	1	2	0	2	0.275
6.	लखनऊ सुपर जायंट्स	2	1	1	0	2	-0.542
7.	मुंबई इंडियंस	3	1	2	0	2	-0.715
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	1	0	2	1	0	-1.964
9.	गुजरात टाइटंस	2	0	2	0	0	-0.424
10.	चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	0	-2.517

गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल हुए फिट

- नई दिल्ली। गुजरात टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल मांसपेशियों में जकड़न से उबर गए हैं और बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैदान पर उतरेंगे। पिछले मैच से बाहर रहे गिल के सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन ने इस बात की पुष्टि की कि वह खेलने के लिए पूरी तरह फिट हैं।

राजस्थान रॉयल्स ने लगाई जीत की हैट्रिक

आईपीएल 2026: वर्षा प्रभावित मैच में मुंबई इंडियंस को 27 रन से हराया

गुवाहाटी, एजेंसी

यशस्वी जायसवाल (नाबाद 77) और वैभव सूर्यवंशी(39) की तूफानी पारियों से राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को वर्षा प्रभावित आईपीएल मुकाबले में मंगलवार को 27 रन से हराकर जीत की हैट्रिक पूरी कर ली। टॉस हारने के बाद राजस्थान ने निर्धारित 11 ओवर में तीन विकेट पर 150 रन का मजबूत स्कोर बनाया और फिर मुंबई को नौ विकेट पर 123 रन पर रोक दिया।

हार्दिक ने टॉस जीतकर गेंदबाज़ी करने का फ़ैसला किया तो हालात मुंबई इंडियंस के पक्ष में नहीं थे। यह एक छोटा मैच था, पिच लंबे समय तक कवर्स के नीचे रही थी। जिससे गेंदबाज़ों को कुछ मदद मिलने की उम्मीद थी। लेकिन जायसवाल और सूर्यवंशी के लिए इन बातों का कोई फ़र्क नहीं पड़ा, क्योंकि वे पूरी आक्रामकता के साथ मैदान पर उतरे। उन्होंने एक तेज़ साझेदारी के साथ मैच की लय तय कर दी। जिसकी बदौलत वे 11 ओवरों में ही 150 रन के कुल स्कोर तक पहुंच गए। मुंबई इंडियंस की रनों का पीछा करने की कोशिश कभी ज़ोर नहीं पकड़ पाई। उन्होंने शुरुआती दो ओवरों में ही रिकेल्टन और सूर्यकुमार के विकेट गंवा दिए और जल्द ही रोहित भी आउट हो गए। 22 रन पर तीन विकेट गंवाने के बाद मुंबई की चुनौती यहीं दम तोड़ गई। मुंबई के लिए शेरफेन रदरफोर्ड और नमन धीर ने 25-25 रन बनाए, जबकि अन्य बल्लेबाज मैदान पर आते और जल्दी वापस पवेलियन लौटते रहे।

राजस्थान की तरफ से नांद्रे बर्गर, संदीप शर्मा और रवि बिश्नोई ने दो-दो विकेट लिए। इससे पहले मुंबई के गेंदबाज़ों ने पहले तीन ओवर में अपनी लेंथ सही नहीं रखी।

जायसवाल और सूर्यवंशी ने मुंबई के गेंदबाज़ों की जमकर धुनाई की। दीपक चाहर और ट्रेंट बोल्ट, दोनों के ओवर में 22-22 रन बने। यहाँ तक कि बुमराह के ओवर में भी 14 रन बने। हार्दिक ने शानदार गेंदबाज़ी करते हुए सिर्फ़ 4 रन दिए। उन तीन ओवरों को छोड़कर, बाकी सभी ओवरों में दोहरे अंकों में रन बने। जायसवाल को मुंबई के ख़िलाफ़ खेलना बहुत पसंद है। उनके दोनों आईपीएल शतक इसी टीम के ख़िलाफ़ आए हैं, और अगर उन्हें 10 गेंदें और खेलने को मिलतीं, तो आज रात वह अपना तीसरा शतक भी पूरा कर लेते। उन्होंने बहुत ही साफ़ सोच के साथ बल्लेबाज़ी की और गेंद को बहुत ही सफ़ाई से हिट किया। जायसवाल ने 32 गेंदों पर नाबाद 77 रन में 10 चौके और चार छक्के मारे जबकि सूर्यवंशी ने 14 गेंदों पर 39 रन में एक चौका और पांच छक्के उड़ाए। कप्तान रियान पराग ने 10 गेंदों पर 20 रन में एक चौका और दो छक्के मारे।

दिल्ली कैपिटल्स की नजर जीत की हैट्रिक पर

नई दिल्ली, एजेंसी

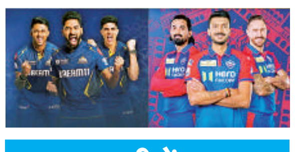

आईपीएल 2026 के बुधवार के मुक़ाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का सामना गुजरात टाइटंस (जीटी) से दिल्ली में होगा। जहां डीसी को अपने शुरुआती दो मैचों में जीत मिली है, वहीं जीटी को अभी भी अपनी पहली जीत का इंतज़ार है। दोनों टीमों के बीच अब तक हुए सात मैचों में जीटी 4-3 से आगे है। पिछले आईपीएल के दो मैचों में जीटी को दोनों में जीत मिली है, वहीं दिल्ली में भी दोनों टीमों के बीच खेले गए तीन मैचों में जीटी 2-1 से आगे है।

केएल राहुल के लिए आईपीएल 2026 की शुरुआत कुछ ख़ास नहीं रही है और दो मैचों में उनका स्कोर 0 और 1 का है। राहुल का यह ख़राब फ़ॉर्म जीटी के ख़िलाफ़ मैच में भी जारी रह सकता है। क्योंकि जीटी के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और कगिसो रबाडा उन्हें परेशान करते हैं। प्रसिद्ध अपने राज्य के साथी को सात पारियों में तीन जबकि रबाडा भी उन्हें 12 पारियों में तीन बार आउट कर चुके हैं।

राशिद ख़ान ने भी राहुल को तीन बार आउट किया है, जिसका मतलब है कि अगर राहुल टिक भी जाते हैं तो भी पावरप्ले के बाद उन्हें परेशान करने वाला कोई है। एनगिडी कर सकते हैं जीटी के शीर्ष क्रम को परेशान भारत में हुए टी20 विश्व कप से ही लुंगी एनगिडी शानदार फ़ॉर्म में हैं और अपनी स्लोअर गेंदों से बल्लेबाज़ों को परेशान करने की कला को उन्होंने आईपीएल 2026 में भी जारी रखा है। एनगिडी जीटी के ख़िलाफ़ भी अपनी स्लोअर गेंदों का जादू दिखा सकते हैं। जीटी के कप्तान और सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल को उन्होंने चार पारियों में दो बार आउट किया है, जबकि गिल उन पर सिर्फ़ 88 के स्ट्राइक रेट से सात रन ही बना पाए हैं।

टीमें

- **दिल्ली कैपिटल्स:** अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल, करुण नायर, डेविड मिलर, पथुम निसांका, साहिल पारख, पृथ्वी शॉ, अभिषेक पोरेल, ट्रिस्टन स्टब्स, समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, विप्रज निगम, अजय मंडल, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, औकिब डार, नीतीश राणा, मिशेल स्टार्क, टी. नटराजन, मुकेश कुमार, दुष्मंथा चमीरा, लुंगिसानी एनगिडी, काइल जैमीसन, कुलदीप यादव।
- **गुजरात टाइटंस:** शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, अशोक शर्मा, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, जेसन होल्डर, जयंत यादव, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, रविश्रीनिवासन साई किशोर, इशांत शर्मा, ल्यूक वुड, टॉम बैंटन, कुलवंत खेजरोलिया, अनुज रावत, अरशद खान, गुरनूर बराड़, निशांत सिंधु।

आईपीएल का सपना पूरा करने को छोड़ दी थी कांस्टेबल की परीक्षा

नजफगढ़ का 'राजकुमार' यानी प्रिंस यादव

नई दिल्ली, एजेंसी

कुछ साल पहले तक नजफगढ़ में रहने वाले रेलवे सुरक्षा बल के सहायक सब इंस्पेक्टर (एएसआई) राम निवास यादव अपने सबसे छोटे बेटे प्रिंस के भविष्य को लेकर बेहद चिंतित थे, जिसकी दिलचस्पी केवल टेनिस बॉल टूर्नामेंट में यॉर्कर गेंदबाजी करने में थी। लेकिन इस युवा क्रिकेटर को खुद पर भरोसा था और उसने अपने पिता से सीधे शब्दों में कह दिया, ''आप मेरी चिंता करना छोड़ दो। मैं अपने से कुछ कर लूंगा।'' अब बात करते हैं 2026 की।

वह बेपरवाह दिखने वाला लड़का अपने वादे पर खरा उतर चुका है। लखनऊ सुपर जायंट्स के इस स्विंग गेंदबाज का नाम है प्रिंस यादव, जो इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अक्षर पटेल और ईशान किशन जैसे अनुभवी भारतीय बल्लेबाजों के डिफेंस को भेदने में सफल रहा। प्रिंस के पिता रामनिवास ने कहा, ''कोई भी पिता अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित होगा और मैं भी था। 18 साल की उम्र तक उसने चमड़े की गेंद से एक बार भी गेंदबाजी नहीं की थी। मैंने उसे दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल की परीक्षा में बैठने के लिए मजबूर किया। वह शारीरिक रूप से फिट था, लेकिन लिखित परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार नहीं था क्योंकि उसका ध्यान कहीं और था।'' रामनिवास ने आखिर अपने बेटे की जिद मान ली क्योंकि उनके पास अपने बेटे का साथ देने के अलावा कोई और विकल्प नहीं था। उन्होंने कहा, ''बेटे की ज़िद है और हमें पूरा करना था। एक एएसआई के वेतन में कितना ही गुज़ारा हो पाता है।

प्रिंस के पहले और अब तक के एकमात्र कोच अमित वशिष्ठ

- राम निवास के अनुसार प्रिंस के पहले और अब तक के एकमात्र कोच अमित वशिष्ठ और भारत के अंडर-19 विश्व कप विजेता तेज गेंदबाज प्रदीप सांगवान ने उनके खेल में निखार लाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, "मैं अमित सर का जितना भी शुक्रिया अदा करूं, कम है। उन्होंने प्रिंस को टेनिस टूर्नामेंट खेलते हुए देखा और उसे नजफगढ़ स्थित अपनी अकादमी से जुड़ने के लिए कहा। प्रदीप जी (सांगवान) भी अमित सर के शिष्य थे और उन्होंने प्रिंस को फिटनेस में मदद की।'' एक समय ऐसा भी था जब प्रिंस अपनी पीठ पर रेत की बोरी बांधकर धान के खेतों में दौड़ते थे ताकि उनके शरीर का ऊपरी हिस्सा मजबूत बन जाए। रामनिवास ने कहा, ''प्रदीप ने उसका बहुत मार्गदर्शन किया और अमित सर ने उसके खेल में सुधार किया। मैं डीपीएल (दिल्ली प्रीमियर लीग) और नयी दिल्ली टीम को कैसे भूल सकता हूं। अगर डीपीएल नहीं होता, तो मुझे नहीं लगता कि मेरे बेटे की प्रगति इतनी तेज़ होती। इसलिए मैं डीडीसीए और विजय दहिया सर का भी आभारी हूं।

ललित को रजत और सुनील को मिला कांस्य पदक

बिश्केक (किर्गिस्तान), एजेंसी

एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप

ललित ने मंगलवार को यहाँ 2026 सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारत का पहला पदक जीता। उन्होंने 55 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग में रजत पदक हासिल किया, जबकि नितेश 97 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग के फाइनल में पहुँच गए। पूर्व चैंपियन सुनील कुमार ने अपने पदकों की सूची में एक और कांस्य पदक जोड़कर भारतीय दल के लिए इस दिन को बेहद सफल बना दिया।

ललित, जिन्होंने सेमीफाइनल में चीन के हुओयिंग शी को हराया था, फाइनल में उज्बेकिस्तान के इख्तियार बोतिरोव के खिलाफ कड़ा मुकाबला किया, लेकिन 0-9 से हारने से खुद को नहीं बचा सके। 87 किलोग्राम वर्ग के कांस्य पदक मुकाबले में, सुनील कुमार ने पहले राउंड में चार अंक गंवाने के बाद शानदार वापसी की और उज्बेकिस्तान के मुखम्मदकोदिर रसुलव को 5-4 से हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना लगातार दूसरा कांस्य पदक जीता। इससे पहले, नितेश ने 97 किलोग्राम ग्रीको-रोमन वर्ग के फाइनल में जगह बनाकर यह सुनिश्चित कर लिया कि वे 2025 की एशियाई चैंपियनशिप में अपने प्रदर्शन में सुधार करेंगे। 23 वर्षीय नितेश, जिन्होंने पिछले साल कांस्य पदक जीता था।

तमीम इकबाल बीसीबी के नए अध्यक्ष

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश सरकार ने मंगलवार को अमीनुल इस्लाम की अगुआई वाले बीसीबी बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स को भंग करने के बाद तमीम इक़बाल को नया बीसीबी(बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड) अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह फैसला उस पांच सदस्यीय जांच समिति की सिफारिशों के बाद लिया गया, जिसने पिछले साल अक्टूबर में हुए बीसीबी चुनाव से जुड़े विभिन्न आरोपों की जांच की थी।

37 साल के पूर्व बांग्लादेश कप्तान तमीम अब 11 सदस्यीय एड हॉक कमेटी की अगुआई करेंगे। इस कमेटी में पूर्व बांग्लादेश कप्तान मिन्हाजुल आबेदीन और पूर्व क्रिकेटर एवं टीवी कमेंटेटर अतहर अली ख़ान भी

तमीम इक़बाल

शामिल हैं। कमेटी के अन्य सदस्य राशना इमाम, मिर्ज़ा येसिर अब्बास, सैयद इब्राहिम अहमद, इसराफिल ख़सरू, तंजिल चौधरी, सलमान इस्पहानी, रफ़ीकुल इस्लाम और फहीम सिन्हा हैं। सरकार की जांच समिति ने खेल मंत्रालय में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान अपनी सिफारिशें पेश कीं, जहां उन्होंने बीसीबी चुनाव से जुड़े अपने निष्कर्षों को विस्तार से साझा किया। सरकार की जांच समिति ने अपनी सिफारिशें खेल मंत्रालय में आयोजित एक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पेश कीं, जहां उन्होंने बीसीबी चुनावों को लेकर अपनी जांच के निष्कर्ष विस्तार से साझा किए।

एनएससी के स्पोर्ट्स डायरेक्टर मोहम्मद अमीनुल अहेसान ने कहा, "नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल की ज़िम्मेदारी के तहत हमने आईसीसी को सूचित किया है कि यह बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स सही तरीके से गठित नहीं हुआ है और अपने काम को भी सही ढंग से पूरा करने में सक्षम नहीं है। हमने आईसीसी को इस बोर्ड को भंग करने के अपने फैसले के बारे में भी जानकारी दे दी है। बांग्लादेश क्रिकेट या किसी भी खेल में एनएससी की अहम भूमिका होती है।

स्पेनिश फुटबॉल लीग | विलारियाल की उम्मीदों को लगा करारा झटका

आत्मघाती गोल से विलारियाल गिरोना से हारा

गिरोना (स्पेन), एजेंसी।

विलारियाल को आत्मघाती गोल के कारण गिरोना से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा जिससे स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में तीसरे नंबर पर अपनी स्थिति मजबूत करने की उसकी उम्मीदों को करारा झटका लगा। विलारियाल अगर इस मैच में जीत जाता तो वह चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से चार अंक आगे हो जाता।

एटलेटिको मैड्रिड को बार्सिलोना से अपने घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा था। पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में अर्नाउ के क्रॉस का शॉट पाउ नवारो पर लगा और गेंद

गोलकीपर को छकाने में गिर पड़े दोनों टीम के फुटबालर।

उनके ही गोलकीपर को चकमा देते हुए गोल में चली गई। विलारियल 30 मैच में 58 अंक लेकर तीसरे स्थान पर बना हुआ है। वह दूसरे नंबर पर काबिज रियाल मैड्रिड (69) से नौ अंक और शीर्ष पर स्थित बार्सिलोना (76) से 18 अंक पीछे है। गिरोना 37 अंक के साथ दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गया है। वह ओसासुना, एस्पेनयोल और एथलेटिक बिलबाओ से एक अंक पीछे है।

नेपोली ने खिताब की उम्मीदें रखी जीवंत

- **तूरिन (इटली), एजेंसी।** स्थानापन्न खिलाड़ी मैटियो पोलिटानो के 79वें मिनट में किए गए गोल की मदद से नेपोली ने एसी मिलान को 1-0 से हराकर इटालियन फुटबॉल लीग सीरी ए में खिताब जीतने की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा। नेपोली इस मैच से पहले एसी मिलान से एक अंक और शीर्ष पर काबिज इंटर मिलान से 10 अंक पीछे तीसरे स्थानर पर था। इन दोनों क्लब के लिए खिताब की उम्मीदों को जीवंत रखने के लिए इस मैच में जीत जरूरी थी। मैच में हालांकि गोल करने की बहुत कम मौके बने और ऐसे में पांच मिनट पहले स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरने वाले पोलिटानो का गोल निर्णायक साबित हुआ। इस जीत से नेपोली के 31 मैच में 65 अंक हो गए हैं जबकि एसी मिलान के इतने ही मैच में 63 अंक हैं। इंटर मिलान 31 मैच में 72 अंक लेकर अब भी खिताब की दौड़ में सबसे आगे बना हुआ है। एक अन्य मैच में युवेंटस ने जेनोआ को 2-0 से हराया। इस जीत से युवेंटस ने चौथे स्थान पर काबिज कोमो से अंतर को घटाकर एक अंक कर दिया। कोमो को उडिनीस ने गोलरहित से ड्रॉ पर रोका।